जबलपुर
मंगलवार, 9 दिसंबर 2025
पौष मास कृष्ण पक्ष-5
वर्ष : 20, अंक : 220
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 26
न्यून. 11

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

सातवें दिन भी इंडिगो का परिचालन संकट बरकरार, इंडिगो की 500 उड़ानें रद्द

827 करोड़ रिफंड, 4500 बैग भी लौटाए, राज्यसभा में विमानन मंत्री नायडू बोले- हम सख्त एक्शन लेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

परिचालन संकट से जूझ रही एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को 500 उड़ानें रद्द कर दीं और दिन भर में कुल 1802 उड़ानों के संचालन कर रही है। यह जानकारी नागर विमानन मंत्रालय ने दी है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को इंडिगो 138 घरेलू-विदेशी गंतव्यों के लिए 1802 उड़ानें संचालित कर रही है, जिनमें से 500 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

साथ ही 9000 बैगों में से 4 500 बैग यात्रियों को सौंपे जा चुके हैं और बाकी बैग भी अगले 36 घंटों में सौंपने का लक्ष्य रखा गया है।

» **इंडिगो संकट पर तुरंत दखल देने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार**

» **दिल्ली एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा कि घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक जरूर करें**

एयरपोर्ट पर यात्रियों का सामान

सीजेआई ने कहा- सरकार को ही ये मामला संभालने दें

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो फ्लाइट से जुड़े संकट मामले में तुरंत दखल देने से इनकार कर दिया है। याचिका में इस मुद्दे को तुरंत सूचीबद्ध करने की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हालात जस के तस होते तो अलग बात थी, हम समझते हैं कि लाखों लोग इस समस्या सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार मामले को देख रही है, उन्हें ही इसे संभालने दें। वहीं याचिकाकर्ता वकील ने कहा कि 2500 उड़ानें विलंबित हैं और 95 हवाई अड्डे प्रभावित हैं।

एयर इंडिया कर रहा पायलटों की भर्ती

इंडिगो संकट के बीच एयर इंडिया पायलटों की भर्ती कर रहा है। उसने एक हायरिंग विज्ञापन निकाला है, जिसमें कहा है कि आसमान की कोई सीमा नहीं है, यह तो बस शुरुआत है। कंपनी ने पायलटों को अप्लाई करने की अपील की है। टाटा ग्रुप ने अक्टूबर 2021 में सरकार से यह एयरलाइन खरीदी थी।

खजुराहो में मोहन सरकार

समीक्षा के दौरान सीएम ने मंत्रियों से दो साल का रिपोर्ट कार्ड मांगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

मुख्यमंत्री ने पिछले दो वर्ष में एमएसएमई की 31 प्रतिशत ग्रोथ पर दी बधाई

» **मेट्रोपॉलिटन सिटी के दृष्टिगत विकसित औद्योगिक क्षेत्रों को उद्योग जगत के बीच करें प्रचारित**

» **ग्वालियर में लगभग 2 लाख करोड़ निवेश वाली इकाइयों का इस माह के अंत तक होगा भूमिपूजन और शुभारंभ**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बुंदेलखंड के 6 जिले प्रदेश के बाकी जिलों की अपेक्षा कम सुविधाओं वाले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संभवतः इसी के मद्देनजर खजुराहो में दो दिनों तक विभागीय समीक्षा के साथ ही कैबिनेट में मंथन कर रहे हैं। सोमवार को पहले दिन 6 विभागों की समीक्षा की। इसके जरिए उन्होंने प्रदेश के विकास का खाका तैयार किए, साथ में जिन विभागों में प्रगति अपेक्षित नहीं दिखी उन पर नाराजगी जताई। उन्होंने कुछ मंत्रियों से सवाल-जवाब भी किया। उन्होंने पूछा कि दो वर्ष का समय आपको मिला, आपने आम लोगों की बेहतरी के लिए आखिर में क्या किया?

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

खबर संक्षेप

सागर में महिला बीएलओ की हार्टअटैक से मौत

सागर। यहां महिला बीएलओ की मौत हो गई। बेटे का आरोप है कि एसआईआर के काम को लेकर मां मानसिक दबाव में थीं। इसके चलते उन्हें हार्ट अटैक आया। बीएलओ लक्ष्मी जारोलिया निवारी के प्राइमरी स्कूल में टीचर थीं। 10 दिन पहले हार्ट अटैक आया, तब से वह अस्पताल में भर्ती थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की जमानत बरकरार रखी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग से रेप मामले में आसाराम को मिली जमानत को बरकरार रखने का फैसला दिया है। यानी राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा दी गई छह महीने की जमानत जारी रहेगी। अदालत ने कहा कि वह इस जमानत को रद्द करने की मांग पर दखल नहीं देगी।

10 घंटे बिजली की मांग 8 घंटे तक चक्काजाम

महेश्वर। महेश्वर तहसील के किसानों ने सिंचाई के लिए सोमवार को बड़वाह-धामनोद मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। किसान दिन में 10 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग कर रहे थे। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने लिखित आश्वासन दिया। तब जाकर धरना खत्म हुआ।

लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर बहस पर हुई तीखी बहस

पीएम मोदी ने जिन्ना-नेहरू का नाम लिया कहा- कांग्रेस ने वंदे मातरम के टुकड़े किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने एक घंटे के भाषण में कहा, वंदे मातरम अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था। उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था।

पीएम ने कहा, उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। फिर पिछले दशकों में इसके साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। पीएम मोदी ने एक घंटे में वंदे मातरम 121 बार, देश 50, भारत 35, अंग्रेज 34, बंगाल 17, कांग्रेस का 13 बार जिक्र किया। उन्होंने वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी का नाम 10 बार, नेहरू 7 बार, महात्मा गांधी 6 बार, मुस्लिम लीग 5 बार, जिन्ना 3 बार, संविधान 3 बार, मुसलमान 2 बार, तुष्टिकरण 3 बार कहा।

पीएम मोदी ने अपने एक घंटे के भाषण में 13 बार कांग्रेस का नाम लिया, जबकि 3 बार जिन्ना का

नरेंद्र मोदी

प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने दिया जवाब कहा-जितने साल से मोदी पीएम हैं उतने साल नेहरू ने जेल में बिताए

नेहरू ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेके

जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। बजाय इसके कि नेहरू मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को करारा जबाब देते, उसकी निंदा करते, लेकिन उल्टा हुआ। उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी। नेहरू ने 5 दिन बाद नेताजी को चिट्ठी लिखी। उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए लिखा कि वंदे मातरम की आनंदमठ वाली पृष्ठभूमि से मुसलमानों को चोट पहुंच सकती है। वे लिखते हैं- ये जो बैकग्राउंड है, इससे मुस्लिम भड़केंगे। कांग्रेस का बयान आया कि 26 अक्टूबर को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी, जिसमें वंदे मातरम के उपयोग की समीक्षा होगी। इस प्रस्ताव के खिलाफ लोगों ने देश भर में प्रभात फेरियां निकालीं, लेकिन कांग्रेस ने वंदे मातरम के टुकड़े कर दिए। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए।

पीएम मोदी के भाषण की खास बातें

▶▶ **वंदे मातरम का स्मरण इस सदन का सौभाग्य**
जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।

▶▶ **सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका**
जब वंदे मातरम के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है औरआगे बढ़ रहा है।

▶▶ **1906 का एक किस्सा सुनाया**
वंदे मातरम से जुड़ा किस्सा सुनाते हुए कहा- 20 मई 1906 को बारीसाल (अब बांग्लादेश में है) में वंदे मातरम जुलूस निकाला, जिसमें 10 हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। इसमें हिंदू और मुस्लिम समेत सभी धर्म और जातियों के लोगों ने वंदे मातरम के झंडे हाथ में लेकर सड़कों पर मार्च किया था।

प्रियंका बोलीं-मोदी जी अब वह पीएम नहीं रहे जो पहले थे

लोकसभा में सोमवार को वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर जारी चर्चा में प्रियंका गांधी ने सवाल पूछा कि ये गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा है। 75 सालों से लोगों के दिल में बसा है। फिर आज इस पर बहस क्यों हो रही है? मैं बताती हूं- क्योंकि बंगाल का चुनाव आ रहा। मोदी जी उसमें अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। मैं कहूं- मोदी अब वह पीएम नहीं रहे जो पहले थे। जहां तक नेहरू की बात है।

संसद में वंदे मातरम पर चर्चा की 5 मूल वजह

▶▶ राष्ट्रीय भावना और एकता का संदेश देने की कोशिश
▶▶ बंगाल चुनाव से जुड़ा राजनीतिक संकेत भी
▶▶ 1937 में वंदे मातरम के हिस्से को हटाने की बहस को सामने

पन्ना नेशनल पार्क में नई वीविंग कैंटर बसें हुई शुरू

मुख्यमंत्री ने 10 कैंटर नई बसों को दिखाई हरी झंडी

अब एक साथ 19 पर्यटक ले सकेंगे जंगल सफारी का आनंद

मुख्यमंत्री बसों को हरी झंडी दिखाते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार सुबह पन्ना नेशनल पार्क के मडला गेट से 10 नई वीविंग कैंटर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब इन बसों के जरिए पर्यटक जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव और अधिक सुविधाजनक तरीके से ले सकेंगे। इस कैंटर बसों में एक साथ 19 पर्यटक जंगल सफारी का आनंद ले सकेंगे। मप्र पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों को एक और सौगात देते हुए प्रदेश के विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम उठाया है।

ऑनलाइन बुकिंग न होने पर पर्यटकों को मिलेगी पार्क राउंड की सुविधा

10 नई वीविंग कैंटर बसों के संचालन से उन पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। ऑनलाइन बुकिंग न होने पर भी जंगल सफारी के आनंद और अनुभव से वंचित नहीं होंगे। ऑनलाइन स्लॉट जल्दी भर जाने से पर्यटकों को नेशनल पार्क पहुंचकर भी सफारी से वंचित होने जैसी असुविधा अब नहीं होगी।

कैबिनेट की बैठक आज, लाड़ली बहनों के खाते में राशि होगा ट्रांसफर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को छतरपुर जिले के राजनगर में लाड़ली बहना सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में दिसंबर महीने की 1500-1500 रुपए की राशि ट्रांसफर करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री खजुराहो में कैबिनेट की बैठक में जनता के जुड़े अनेकों मुद्दों को मंजूरी देंगे। कैबिनेट की बैठक में भोपाल से विदिशा रोड को फोरलेन बनाने समेत अन्य कार्यों को मंजूरी दी जाएगी। उधर, मुख्यमंत्री ने सोमवार को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, वाणिज्यिक कर, पशुपालन एवं डेयरी विकास, नगरीय विकास एवं आवास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, एमएसएमई जैसे विभागों की समीक्षा की।

कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास में हड़कंप

15 छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

■ धुएं और गैस से आंखों में जलन बढ़ी तकलीफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

महिदपुर के कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास में रविवार रात अचानक हड़कंप मच गया। छात्रावास के कमरों में रह रही छात्राओं ने बताया कि बाहर दशहरा मैदान की ओर से किसी वाहन से धुएं जैसी तेज गैस फैलने लगी, जो कुछ ही मिनटों में हॉस्टल के कमरों तक पहुंच गई। इस धुए के संपर्क में आने के बाद कई छात्राओं की आंखों में जलन और तेज जलन, खांसी और सांस लेने में तकलीफ शुरू हो गई।

टीकमगढ़ में किसान की मौत

खाद के आगे हारी जिंदगी मृतक 3 दिन से था परेशान

■ शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में कॉर्डियक अटैक के संकेत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले में खाद के लिए लाइन में खड़े एक किसान की मौत का मामला सामने आया है। कारी बजरुआ गांव निवासी 50 वर्षीय जमुना कुशवाहा सोमवार सुबह टीकमगढ़ तहसील स्थित बडौरा घाट वितरण केंद्र पर यूरिया खाद लेने गए थे, जहां उन्हें चक्कर और उल्टियां आने लगीं। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया।

आयशर ट्रक-बाइक की भिड़ंत

हादसे में मां-बेटे की मौत पत्नी गंभीर, भोपाल रेफर

■ जनाजे में शामिल होने बाइक से जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायसेन/बेगमगंज

जिले के बेगमगंज में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक आयशर ट्रक ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार मां बेटे और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिविल अस्पताल बेगमगंज पहुंचाया गया। यहां बेटे ने दम तोड़ दिया, वहीं जिला अस्पताल लाते समय मां की भी मौत हो गई।

मंडला में आखिरी मॉर्निंग वॉक का वीडियो

अफसर को कार ने उड़ाया कैमरे में कैद खतरनाक मंजर

आधे घंटे तक सड़क के किनारे तड़पते रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडला

सीसीटीवी फुटेज

जिले के बड़ी खैरी ग्राम में मॉर्निंग वॉक पर निकले 'जन अभियान परिषद' के अफसर अनिल मेहरा को एक तेज रफ्तार कार ने हवा में उछाल दिया। सड़क पर फैले कोहरे और कुछ ही सेकंड में घटा यह हादसा न सिर्फ कैमरे में कैद हो गया, बल्कि एक परिवार की दुनिया भी उजाड़ गया। हादसा 5 दिसंबर की सुबह करीब 7 बजे डिंडौरी रोड स्थित योगिराज अस्पताल के पास हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है।

पटना में हिट एंड रन केस

बेकाबू कार ने 6 लोगों को रौंदा घटना में एक बुजुर्ग की मौत

तेज रफ्तार कार

पटना। पटना में एक बेकाबू कार ने 6 लोगों को रौंद दिया। इस घटना के दौरान एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर घायल हैं। मृतक की पहचान चांसी राय के नाम से हुई है। उसकी उम्र 60 साल बताई जा रही है। यह घटना दानापुर थाना क्षेत्र के गोला पर झखड़ी महादेव रोड पर हुई।

12 दिसंबर तक शीतलहर-कोल्ड-डे, फिर राहत के बादल छाएंगे

पांच जिलों में रात का पारा 4 से 6 डिग्री के बीच, बर्फीली हवाओं में घुली गलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित कई जिलों में दिसंबर में लगातार तीसरे दिन सोमवार को कोल्ड वेव का प्रभाव रहा। नरसिंहपुर, खरगौन और खंडवा में कोल्ड डे जैस हालात रहे। यहां दिन का पारा सामान्य से औसतन 4 डिग्री डिग्री तक कम रहा है।

भोपाल में दिन के पारे में 1.4 डिग्री की बढ़त रही। पारा 27 डिग्री रहा। रात का तापमान दशमलव दो डिग्री बढ़कर 7.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 5 डिग्री कम है।

अभी पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान के आसपास सक्रिय

कोहरे की आगोश में पचमढ़ी, इनसेट में विदिशा में घास पर जमीं ओस की बूंदें

अभी पाकिस्तान के पास सिस्टम

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी डब्ल्यूडी साइक्लोनिक सकुर्लेशन के रूप में उत्तरी पाकिस्तान के पास है। पूर्वी भारत में 12 किमी की ऊंचाई पर जेट स्ट्रीम भी है, जिसकी गति करीब 213 किमी प्रति घंटे है। इससे निचली हवाओं की दिशा में बदलाव नहीं है, जो उत्तरी होने के साथ औसत गति से जारी हैं।

प्राइवेट पार्ट पकड़ना रेप नहीं... कहने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को खारिज किया

सीजेआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा- ऐसी भाषा न बोलें जो पीड़िता को डरा दे, नई गाइडलाइन बनाने की तैयारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादित फैसले पर बेहद सख्त टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि 'पायजामा का नाड़ा तोड़ना और स्तनों को पकड़ना रेप के प्रयास के आरोप के लिए पर्याप्त नहीं है।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने रेप और यौन अपराध के मामलों में दिए जा रहे विवादित और महिला-विरोधी आदेशों पर गंभीर चिंता जताई। ऐसी टिप्पणियां पीड़ित पर चीलिंग इफेक्ट यानी भयावह प्रभाव डालती हैं। कई बार शिकायत वापस लेने जैसा दबाव भी पैदा करती हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के विवादित आदेश पर रोक जारी

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस विवादित आदेश पर लगी रोक को जारी रखा है, जिसमें कहा गया था कि एक नाबालिग का सीना पकड़ने और पायजामे का नाड़ा तोड़ने जैसी हरकत को 'रेप की कोशिश' मानने के लिए पर्याप्त तथ्य नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर पहले ही स्वतः संज्ञान ले चुका है और अब सभी ऐसे विवादित आदेशों का रिकॉर्ड भी मांग लिया है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक अन्य मामले में यह टिप्पणी की थी कि रात का समय मानो आमंत्रण जैसा था। उन्होंने कहा कि कोलकाता हाई कोर्ट और राजस्थान हाई कोर्ट में भी इसी तरह की टिप्पणियां आई हैं।

जनवरी 2022 का मामला

यूपी के कासगंज की एक महिला ने 12 जनवरी, 2022 को कोर्ट में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप था लगाया कि 10 नवंबर, 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ कासगंज के पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को अपने घर लौट रही थी। रास्ते में गांव के रहने वाले पवन, आकाश और अशोक मिल गए। पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प-प्रदेश का हर किसान रहे खुशहाल, किसानों को मुनाफा देने 'भावांतर योजना' बनी सहारा

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान भाई हमारे अन्नदाता हैं। वे तरह-तरह के जोखिम उठाकर समाज और देश के लिए अन्न-धन का भंडार भरते हैं। प्रकृति की मार सहकर और खुद के दाना-पानी की चिंता में न रहकर सबका उदर पोषण करते हैं।

उन्होंने कहा कि सीमा पर जवान और खेतों में हमारे किसान दोनों समान रूप से राष्ट्र की सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान भाइयों के घर-आंगन में खुशहाली और आर्थिक समृद्धि लाना ही हमारी सरकार का मूल लक्ष्य है। हम प्रदेश के हर किसान को उसके द्वारा उत्पादित फसल का समुचित दाम दिलाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यही सोच किसानों के चेहरे पर मुस्कान का कारण बनी है। सीएम डॉ. यादव सरकार ने सोयाबीन की फसल पर भावान्तर भुगतान योजना के तहत प्रदेश के 1.34 लाख पात्र किसानों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक से 249 करोड़ रुपये अंतरित किये। अब तक प्रदेश के 4.39 लाख से अधिक किसानों द्वारा 7.85 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन फसल का विक्रय किया जा चुका है।

राज्य सरकार हर किसान को उसकी मेहनत, उसके समर्पण का समुचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। भावान्तर भुगतान योजना के जरिए किसानों को बाजार भाव में कमी से होने वाले नुकसान की भरपाई की है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति हर हाल में बेहतर एवं मजबूत हो सके और खेती-किसानी लाभ का व्यवसाय बने।

किसानों का हाल जानने किसानों के बीच सीएम डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर सोलर पॉवर पम्प के जरिए हम किसानों को ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया हैं। इससे किसान अपनी बिजली से ही अपना खेत-अपना घर-अपनी दुकान रौशन कर रहे हैं। बिजली बिल का झंझट अब खत्म सा हो गया है। प्रदेश में विकास का दौर चल रहा है। यह क्रम आगे भी चलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प है कि प्रदेश में किसान हितैषी नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने का। जिससे हमारा प्रदेश कृषि के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी बना रहे। किसानों के लिये धन की कोई कमी नहीं है। हमारी सरकार भावांतर की राशि दे रही है, वहीं केन्द्र सरकार से किसानों को सम्मान निधि भी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र का कोई भी खेत सिंचाई सुविधा से वंचित नहीं रहेगा।

एमएसपी गारंटी वाला देश का पहला राज्य एमपी

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी प्रदान करने के लिए भावांतर योजना लागू की। इस योजना के माध्यम से बाजार भाव और एमएसपी के बीच के अंतर की भरपाई सरकार द्वारा की जाती है, जिससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिल सके। सीएम ने बताया कि योजना की शुरुआत के मात्र 15 दिनों के भीतर ही किसानों के खातों में राशि ट्रांसफर करने का वादा सरकार ने पूरा किया है।

प्राकृतिक खेती पर 4 हजार रुपए प्रति एकड़ अनुदान

किसानों की खुशहाली ही प्रदेश की पहचान है। इसी सोच के अंतर्गत राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती अपनाने पर किसानों को सरकार द्वारा 4,000 रुपए प्रति एकड़ की सब्सिडी दी जा रही है। साथ ही डेयरी व्यवसाय को सुदृढ़ करने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत 40 लाख रुपए के डेयरी प्रोजेक्ट पर 10 लाख रुपए की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

खेत तक पानी पहुंचाया, नगदी फसलों से किसान की बढ़ी आमदनी

खेती के लिए पानी को दी प्राथमिकता, खेतों तक पहुंचाया पानी, आपदा में किसानों साथ रहे सीएम

◆ मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने हर एक किसान की जरूरत को पूरा करने में बड़ा योगदान दिया है। किसान के खेत तक पानी, बिजली और खाद बीज तक पहुंचाने के जो काम हुए हैं वे अनुकरणीय हैं।

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अक्सर कहते हैं कि प्राचीन काल में भारत में पारस पत्थर हुआ करता था, जिसके स्पर्श से लोहा सोना हो जाता था। इस पारस पत्थर का काम पानी करता है जब वह सूखे खेतों पर पहुंचता है। जल के स्पर्श से खेतों में सुनहरी फसलें लहलहाती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश की धरती को शस्य श्यामला बनाने के संकल्प से ही जुड़ा हुआ है मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाना जिससे हर खेत में सुनहरी फसलें लहलहाएं और किसान समृद्धशाली बने। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए वे निरंतर जुटे हुए हैं और इसके परिणाम स्वरुप प्रदेश ने सिंचाई के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। जिससे उत्पादन में भी काफी अच्छी वृद्धि हुई है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई ने दो दशक पहले देश की नदियों को जोड़कर हर खेत तक पानी पहुंचाने का सपना देखा था, जो राज्यों के बीच जल विवाद के चलते दो दशकों से अधिक समय से ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ था। केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल जैसी महत्वाकांक्षी अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाएं मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बीच सहमति न बन पाने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र सरकार और राज्यों से निरंतर चर्चा कर इन परियोजनाओं के गतिरोध को समाप्त किया और प्रदेश ने दो बड़ी परियोजनाओं के रूप में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की।

सिंचाई के क्षेत्र में हासिल की अभूतपूर्व उपलब्धियां

केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल जैसी योजनाओं की रही बड़ी भूमिका

दो हजार गांव के 7 लाख किसान हुए लाभान्वित

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। परियोजना से 103 मेगावाट बिजली का उत्पादन से मध्यप्रदेश लाभान्वित है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिले-छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, निवाड़ी, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा एवं सागर के लगभग 02 हजार ग्रामों के लगभग 07 लाख 25 हजार किसान परिवार लाभांवित होकर सूखाग्रस्त बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भू-जल स्तर की स्थिति में सुधार हो रहा है। औद्योगीकरण, निवेश एवं पर्यटन को बढ़ावा मिला तथा रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए। इससे स्थानीय स्तर पर लोगों में आत्मनिर्भरता आयेगी तथा लोगों का पलायन रुकने लगा है।

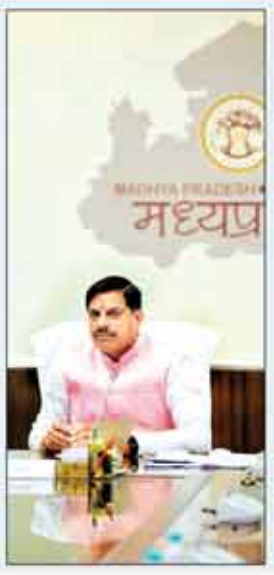

क्षिप्रा का जल रहेगा शुद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प है कि क्षिप्रा स्वच्छ और निरंतर प्रवहमान बने और सिंहस्थ 2028 में क्षिप्रा के जल में ही श्रद्धालुओं को स्नान कराया जाए। क्षिप्रा नदी के जल को शुद्ध रखने के लिए 900 करोड़ रुपये की लागत की कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना के द्वारा कान्ह नदी के दूषित जल को क्षिप्रा नदी में मिलने से रोका जायेगा। वर्ष-2028 से पहले यह योजना पूर्ण कर ली जायेगी। क्षिप्रा को वर्ष भर अविरल, प्रवहमान बनाने के लिए उज्जैन जिले की सेवरखेड़ी एवं सिलारखेड़ी (लागत लगभग 615 करोड़) योजना का कार्य भी आरंभ हो गया है। इससे आमजन एवं श्रद्धालुओं को पूरे वर्ष भर विशेष पर्वों पर उनकी धार्मिक भावनाओं के अनुरूप क्षिप्रा नदी में स्नान करने का अवसर मिलेगा। क्षिप्रा नदी पर सिंहस्थ में स्नान सुविधा के लिये क्षिप्रा नदी के दोनों तटों पर लगभग 29 किलोमीटर लंबाई में घाटों का निर्माण किया जायेगा, जिसकी राशि रु. 778.91 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है।

पेयजल का संकट हुआ दूर

मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भू-जल स्तर को बढ़ाने, पेयजल संकट को दूर करने एवं सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अटल भू-जल योजना प्रारंभ की गई है। यह योजना प्रदेश के 06 जिलों के 09 विकासखण्डो में क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना से चयनित क्षेत्रों में भू-जल स्तर में सुधार होने से स्थानीय किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है तथा किसानों की आय बढ़ी है। इसके अतिरिक्त जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जल प्रदाय के लिये टिकाऊ जल स्त्रोत भी उपलब्ध हुए हैं। बांधों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। बांधों की सुरक्षा को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पूरी सजगता के साथ काम कर रही है। इसके लिये प्रदेश में डैम सेफ्टी रिव्यू पेनल गठित है, जो प्रतिवर्ष संवेदनशील बांधों का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। आने वाले 05 वर्षों में प्रदेश के 27 बांधों की सुरक्षा एवं मरम्मत की गई है।

उद्यानिकी, खाद्य प्र-संस्करण और नवाचार में नया अध्याय लिख रहा मध्य प्रदेश

आमदनी बढ़ाने के लिए खाद्य प्र-संस्करण को दी प्राथमिकता, मुनाफे में हुई वृद्धि

भोपाल

देश और प्रदेश की उन्नति सर्वोपरि है। इसके लिए किसानों को आर्थिक दृष्टि से सशक्त करना आवश्यक है, जिससे किसान संपन्न हो सकें और देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकें। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि किसी भी देश या प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक विकास की गति किसानों के उत्थान से ही संभव हो सकती है। इसके लिए प्रदेश के विकास में उद्यानिकी भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। इसके लिए नवाचार और तकनीकी सुधार किये जा रहे है।

देश के 10% क्षेत्रफल वाले राज्य मध्यप्रदेश में देश की लगभग 7% आबादी निवास करती है। यहां 11 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों का उत्पादन किया जाता है। राज्य की कृषि उपज में विविधता मुख्यतः नर्मदा नदी और उसकी सहायक नदियों पर निर्भर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में वर्तमान सरकार परिणाम देने वाली नीतियों के माध्यम से उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में नवाचार और प्रगति के नए अध्याय लिख रही है।

लाभ मिलने से खुशहाल हो रहे राज्य के अन्नदाता

मध्यप्रदेश में उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, उद्यानिकी फसलें किसानों की आय को आसानी से दोगुना करने में सहायक होती हैं। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा खाद्य प्र-संस्करण की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। किसानों को उद्यानिकी फसलों की खेती और खाद्य प्र-संस्करण के नए तरीकों से अवगत कराया जा रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में देश में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। प्रदेश संतरा, धनिया मसाले तथा औषधीय एवं सुगंधीय पौधे उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। इसके अतिरिक्त प्रदेश टमाटर, लहसुन, हरी मटर, अमरुद ,फूल गोभी, मिर्च एवं प्याज उत्पादन में दूसरे तथा नीबू वर्गीय फल, लाल मिर्च, बंद गोभी एवं फूल उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ी है और खुशहाली आई है।

भंडारण की क्षमता में हुई अत्यंत वृद्धि

किसानों को उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग द्वारा फूड प्रोसेसिंग इकाईयों स्थापित करने के लिए अनुदान दिया जाता है। सरकार से अनुदान लेकर किसान फूड प्रोसेसिंग इकाईयाँ स्थापित कर सकते है। साथ ही अनुदान के आधार पर किसान छोटे, मध्यम और बड़े कोल्ड स्टोर भी स्थापित कर सकते हैं। खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अपने समृद्ध कृषि संसाधन और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का उपयोग कर, 8.3% की औसत /वार्षिक दर से बढ़ रहा है, जो देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है. उद्यानिकी उत्पादों के सुरक्षित भंडारण के लिए 21530.26 लाख रुपए की अनुदान सहायता से 183 कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कर 8.05 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता विकसित की गई है। वहीं प्याज भंडारण के लिए 23667.71 लाख रुपए का अनुदान देकर 66500 मीट्रिक टन भंडारण क्षमता किसानों के खेतों पर निर्मित की गई है।

प्रदेश में पशुधन सहेजने की योजना से लाभ, अब हर रोज 591 लाख ली.दूध का उत्पादन

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन पटेल ने बताया कि भारत में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान है। प्रदेश में 591 लाख किलोग्राम प्रतिदिन दूध का उत्पादन होता है। मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति दुग्ध की उपलब्धता 644 ग्राम प्रतिदिन है, जबकि राष्ट्रीय औसत 459 ग्राम प्रतिदिन का है। प्रदेश में 7.5% पशुधन है, जबकि राष्ट्रीय औसत 5.05 का है। वर्ष-2019 की पशु संगणना के अनुसार मध्यप्रदेश में गौ-वंश पशु संख्या देश में तीसरे स्थान पर 187.50 लाख है, वही भैंस वंश पशु संख्या चौथे स्थान पर 103.5 लाख है। प्रदेश में पशुओं के उपचार के लिए चलित पशु चिकित्सा वाहन (1962) संचालित है, जो कि स्थान पर जाकर पशुओं का इलाज करते हैं।

हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग वाहन की व्यवस्था

प्रदेश में गौ-वंश के बेहतर आहार के लिये प्रति गौ-वंश मिलने वाली 20 रुपये की राशि बढ़ाकर 40 रुपये करने का निर्णय लिया गया है। मार्गों पर दुर्घटना में घायल गायों के लिये हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग वाहन की व्यवस्था की गई है। ग्वालियर स्थित आदर्श गौ-शाला में देश के पहले 100 टन क्षमता वाले सीएनजी प्लांट की स्थापना की गई है। दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने प्रदेश के हर ब्लॉक में एक गौंव वृंदावन ग्राम बनाया जा रहा है। प्रदेश में मई 2023 से प्रारंभ 406 चलित पशु चिकित्सा इकाइयों द्वारा अब तक 5 लाख 46 हजार से अधिक पशुओं को घर पहुंच चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

लगभग 12 हजार 790 हितग्राहियों को मिला लाभ

ड्रिप-स्प्रिंकलर का लाभ लेकर संतुलित पानी से फल सब्जियों की गुणवत्ता में हुआ सुधार

भोपाल

सूक्ष्म सिंचाई द्वारा राज्य में 14 हजार 900 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर लगाए गए हैं, जिसमें लगभग 12 हजार 790 हितग्राहियों को 114 करोड़ 76 लाख रुपए का अनुदान दिया गया है।

इजराइल तकनीक के समन्वय से प्रदेश में मुरैना में उच्च गुणवत्ता वाली सब्जी के लिए, छिंदवाड़ा में नींबू वर्गीय फसलों के लिए तथा हरदा में निर्यात करने लायक आम एवं सब्जी सेन्टर की स्थापना की जाएगी, जिसके लिए 14 करोड़ 74 लाख की योजना का अनुमोदन किया गया है। प्रदेश सरकार की नई पहल ई-नर्सरी पोर्टल से घर, गार्डन या खेतों में उत्तम गुणवत्ता के पौधे लगाने के लिये, अच्छे और स्वस्थ पौध के लिये अब नर्सरी के

चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। उद्यानिकी विभाग द्वारा ई-नर्सरी पोर्टल पर 300 से अधिक नर्सरियों की जानकारी ऑनलाईन उपलब्ध करवाई गई है। इससे पौधों का क्रय-विक्रय आसानी से किया जा सकता है।

संतरे के प्र-संस्करण उद्योग स्थापित किए गए

24 खाद्यान्नी उत्पाद जिनकी खेती आमतौर पर राज्य भर में की जाती है, जिनमें कोदो-कुटकी, बाजरा, संतरा/नींबू, सीताफल, आम, टमाटर, अमरूद, केला, पान, आलू, प्याज, हरी मटर, मिर्च, लहसुन अदरक, धनिया, सरसों, गन्ना, आंवला और हल्दी शामिल हैं। छिंदवाड़ा, आगर-मालवा, शाजापुर, राजगढ़, मंदसौर, बैतूल और सीहोर जैसे जिले संतरे के उत्पादन के लिए जाने जाते हैं जो संतरे के प्र-संस्करण उद्योग स्थापित करने के लिए आदर्श हैं। इसी तरह बैतूल, कटनी, अनूपपुर, रीवा, सिंगरौली और रायसेन जिले जो आम की खेती के लिए प्रसिद्ध हैं, वहां कई आम आधारित खाद्य प्र-संस्करण उद्योग हैं जो स्थापित होने के विभिन्न चरणों में हैं।

प्रदेश में गौ-संरक्षण और संवर्धन में हुए उत्कृष्ट कार्य

प्रदेश में संचालित 2500 गौ-शालाओं में 4 लाख से अधिक गौ-वंश का हो रहा पालन

खुशहाली का जरिया बना दुग्ध उत्पादन दुग्ध उत्पादों से बढ़ी आमदनी

भोपाल

वर्ष 2024 प्रदेश में गौ-संरक्षण और संवर्धन के नाम रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में इस भारतीय वर्ष (चैत्र माह से फाल्गुन माह तक) को गौ-संरक्षण और संवर्धन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने इस वर्ष पशुपालकों के लिए कई नई योजनाएं लाकर उन्हें आमदनी के नए अवसर भी प्रदान किए। पशुपालकों एवं गौ-संवर्धन के विकास व संरक्षण के लिए वर्ष 2024-25 के लिए 590 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इस वर्ष मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के लिए बजट में 150 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। भोपाल के बरखेड़ी-डोब में 10 हजार गौ-वंश क्षमता वाली हाइटेक गौ-शाला बनाई जा रही है, जिसका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा भूमि-पूजन किया गया। प्रदेश में बड़ी संख्या में गौ-शालाएं बनाई जा रही है और चरनोई की भूमि से अतिक्रमण हटाए जा रहे है। प्रदेश में संचालित 2500 गौ-शालाओं में 4 लाख से अधिक गौ-वंश का पालन किया जा रहा है।

आय बढ़ाने का बड़ा जरिया बना

सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में कृषि कार्य के साथ ही पशुपालन, किसानों की आय बढ़ाने का बड़ा जरिया बन गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से भी प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए करारनामा हुआ है। किसानों और पशुपालकों को प्रोत्साहन के लिए दुग्ध उत्पादन पर बोनस दिया जायेगा। देशी गाय और अच्छी नस्ल के देशी नंदी के पालन के लिए मध्यप्रदेश प्राकृतिक कृषि विकास योजना में भी प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। किसानों को गौ-पालन और सौर संयंत्रों के प्रयोग पर सरकार प्रोत्साहन दे रही है।

D-19237/25

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले

यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स भारत में जल्द शुरू करेगी कैंपस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व की टॉप-20 यूनिवर्सिटियों में शुमार ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स (यूएनएसडब्ल्यू) जल्द ही भारत में अपना कैंपस शुरू करने जा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार यह ऑस्ट्रेलिया का एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है, जो क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शीर्ष-20 उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स भारत में अपना परिसर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। दरअसल, धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर और सहायक मंत्री जूलियन हिल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों और मित्रों से मिलकर उन्हें अत्यंत खुशी हुई।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दोनों देश अपनी शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण, शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है

दोनों देश शैक्षिक एवं अकादमिक ऑपरेशन्स को बढ़ावा देंगे

'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में करेंगे सहयोग

शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता की समीक्षा की

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात करते ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर (मध्य में)।

धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सहयोग की समीक्षा की गई। साथ ही 'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता को और मजबूत करने पर गहन चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि भारत के लिए छात्रों में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-रेडी पीढ़ी तैयार करना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के साथ मिलकर यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को लेटर ऑफ इंटेंट भी सौंपा।

दोनों देश ज्ञान साझेदारी को सशक्त करेंगे

प्रधान ने यूएनएसडब्ल्यू को बधाई देते हुए भारत में उसका स्वागत किया और इसे भारत-ऑस्ट्रेलिया ज्ञान साझेदारी को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देश अपनी जीवंत शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण और दो-तरफा शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने बताया कि तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद की बैठक में शिक्षा परिदृश्य के रूपांतरण और दोनों देशों के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में विशेषज्ञ शामिल हुए

बता दें, शिक्षा मंत्रालय 8 और 9 दिसंबर को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी कर रहा है। तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर और कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जाइल्स ने सह-अध्यक्षता की। बैठक में स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। चर्चा के प्रमुख विषयों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण व पेशेवर विकास, सहयोगी अनुसंधान और कुशल कार्यबल निर्माण शामिल रहे।

खबर संक्षेप

4 आरोपियों की हिरासत बम धमाके बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास हुए

कार विस्फोट मामले के सिलसिले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी की एनआईए हिरासत की अवधि सोमवार को चार दिन के लिए बढ़ा दी। चारों आरोपियों- डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राथर, डॉ. शाहीना सईद और मौलवी इरफान अहमद वागे- की 10 दिन की एनआईए हिरासत की अवधि सोमवार को समाप्त हो रही थी, जिसके मद्देनजर उन्हें अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया।

थाईलैंड ने कंबोडियाई सीमा पर किया हमला

बैंकॉक। थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया के खिलाफ एयरस्ट्राइक शुरू कर दी, जिसके बाद दक्षिण-

पूर्व एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्ध की एक नई दौड़ शुरू हो गई है। वहीं, दोनों पक्षों की तरफ से एक-दूसरे पर आरोप लगाया जा रहा है। थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विन्थाई सुवारी ने कहा कि एयरस्ट्राइक कंबोडियाई मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर किए गए थे। थाई सेना के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कंबोडिया ने पहले थाईलैंड पर हमला किया था, जिसमें उसके सैनिक मारे गए।

स्टारलिंक सेवा का शुल्क 8600 रु. प्रति माह होगा

नई दिल्ली। एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक की भारत में शुरुआत हो गई है।

स्टारलिंक ने भारत में अपनी वेबसाइट लाइव कर दी है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस के लिए 8600 रुपए प्रतिमाह चार्ज करेगी। इसमें 34,000 रुपए की कीमत के हार्डवेयर की कॉस्ट भी शामिल है। कंपनी एक महीने के फ्री ट्रायल के साथ अनलिमिटेड डेटा भी ऑफर करेगी। कंपनी का कहना है कि सर्विस से संतुष्ट ना होने पर ग्राहक को पैसा वापस कर दिया जाएगा।

अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) जारी किया

अमेरिका की परमाणु और हिंद-प्रशांत रणनीतियों में भारत प्रमुख भागीदार

क्वाड के जरिए भारत के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) का संयुक्त मसौदा जारी किया है। इस अधिनियम में भारत को अमेरिका की कई रणनीतियों- जैसे नागरिक परमाणु सहयोग, रक्षा सह-उत्पादन और समुद्री सुरक्षा में विशेष स्थान दिया गया है। यह बिल छह दशकों से हर साल पारित होता आया है और इस सप्ताह के अंत में इसके हाउस से पारित होने की उम्मीद है। एनडीएए में भारत को इंडो-प्रशांत क्षेत्र और परमाणु नीति में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत करें, ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का 'तुलनात्मक लाभ' बढ़ाया जा सके। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका भारत के साथ उसकी परमाणु दायित्व नीति पर निरंतर बातचीत करेगा और भारत को उन चुनिंदा देशों में शामिल करेगा जो चीन की चुनौती का सामना करने के लिए नई रक्षा व्यवस्था तैयार कर रहे हैं। रक्षा मंत्री को विदेश मंत्री के साथ तालमेल बनाकर एक योजना बनानी चाहिए और चलानी चाहिए।

सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार और समुद्री सुरक्षा में साझेदारी बढ़ाएं | चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करें तैयार

संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

विधेयक में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि अमेरिका और भारत मिलकर एक संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे, जो 2008 के नागरिक परमाणु समझौते के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करेगा। साथ ही भारत के घरेलू परमाणु दायित्व नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा, इन मुद्दों पर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर 'एक रणनीति विकसित करने' का कार्य भी इसी तंत्र को सौंपा गया है। अमेरिका को पांच वर्षों तक हर साल इस समीक्षा की रिपोर्ट कांग्रेस में पेश करनी होगी।

भारत के साथ जुड़ाव बढ़ाने की सलाह

संसद ने यह भी कहा है कि अमेरिका को क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) सहित भारत के साथ अपना जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, ताकि इंडो-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र और खुला रखा जा सके। इसमें सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार, मानवीय सहायता और समुद्री सुरक्षा शामिल हैं। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन को रोकने के लिए अमेरिका अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति और साझेदारी भी बढ़ाएगा।

भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करें

विधेयक में भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करने का प्रावधान भी है, जिसका कार्य इस क्षेत्र में अमेरिका की कूटनीति का समन्वय करना और चीन के प्रभाव का संतुलन तैयार करना होगा। इन सभी कदमों से स्पष्ट होता है कि भारत अब अमेरिका की क्षेत्रीय रणनीति का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। हाल के वर्षों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग काफी मजबूत हुआ है।

भारत नागरिक परमाणु सहयोगी देश

विधेयक के अन्य हिस्सों में भारत को वैश्विक नागरिक परमाणु सहयोग में "सहयोगी देश" के रूप में चिन्हित किया गया है। कानून प्रशासन को अमेरिकी परमाणु निर्यात का विस्तार करने के लिए 10 वर्षीय रणनीति बनाने और रूस तथा चीन से होने वाली प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करने का निर्देश देता है। विधेयक में इंडो-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े प्रावधानों में भारत को प्राथमिक सहयोगियों की सूची में शामिल किया गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस और न्यूजीलैंड भी हैं। इन देशों के साथ मिलकर रक्षा उद्योग, आपूर्ति श्रृंखला और नई तकनीकों पर संयुक्त कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री को इस दिशा में समझौते करने, तकनीकी सहायता प्रदान करने और उद्योग तथा शिक्षण संस्थानों को जोड़ने का अधिकार होगा, ताकि संयुक्त उत्पादन और विकास को प्रोत्साहन मिल सके।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बोले-

भारत-अमेरिका कई क्षेत्रों में करीबी सहयोगी, संबंधों को करेंगे मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भारत को प्रमुख साझेदार बताया गया है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है और दोनों देश रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और तकनीक सहित कई क्षेत्रों में करीबी सहयोग कर रहे हैं। भारत इन संबंधों को और मजबूत करने के लिए अमेरिका के साथ निरंतर काम करता रहेगा।

जायसवाल ने घोषणा की कि अमेरिका के नए डिप्टी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव रिक स्विट्जर 10 और 11 दिसंबर को भारत आएंगे। यह उनकी परिचयात्मक यात्रा होगी, जिसमें वे भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। दोनों देश एक निष्पक्ष, संतुलित और बहु-क्षेत्रीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

पाकिस्तान में लोकतंत्र कमजोर

पाकिस्तान की स्थिति पर तंज कसते हुए जायसवाल ने कहा कि भारत पड़ोसी देश में होने वाली घटनाओं पर नजर रखता है, लेकिन लोकतंत्र और पाकिस्तान साथ-साथ नहीं चलते। वहां लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत, ब्रिटेन सरकार द्वारा भारत-विरोधी चरमपंथी संगठनों पर की गई कार्रवाई का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्थाएं सिर्फ भारत या ब्रिटेन नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं। उन्होंने बताया कि भारत और ब्रिटेन आतंकवाद, उग्रवाद और अवैध वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ सहयोग को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका कर रहा सहयोग

प्रवक्ता ने बताया कि भारत-अमेरिका काउंटर-टेररिज्म वर्किंग ग्रुप की 21वीं बैठक 3 दिसंबर को हुई, जिसमें कई अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। दोनों देशों ने आतंकवाद विरोधी सहयोग को अत्यधिक महत्व देते हुए पनकट्टी-पहलगाम हमले और दिल्ली हमले की कड़ी निंदा की। दोनों पक्षों ने क्वाड ढांचे और एफएटीएफ के माध्यम से मल्टी-लेवल कोऑपरेशन बढ़ाने का संकल्प दोहराया। यह सहयोग भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का अहम हिस्सा बताया गया।

भारत-नेपाल के बीच शुरू होगी रेल सेवा

रक्सौल-काठमांडू रेल प्रोजेक्ट की डीपीआर जनवरी तक होगी तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेपाल की राजधानी काठमांडू जल्द ही भारत की राजधानी दिल्ली के साथ रेल लाइन से जुड़ जाएगा। बिहार के रक्सौल और काठमांडू के बीच नई रेल लाइन प्रोजेक्ट के सर्वे का काम आखिरी चरण में है, जो इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद अगले साल जनवरी में डीपीआर भी तैयार कर लिया जाएगा।

प्रोजेक्ट का डीपीआर तैयार होने के बाद रक्सौल-काठमांडू रेल प्रोजेक्ट के तहत लाइन बिछाने के लिए टेंडर जारी होंगे और फिर लाइन बिछाने का काम शुरू होगा। रक्सौल से काठमांडू के बीच करीब 136 किमी लंबी रेल लाइन बिछाई

भारतीय रेल फाइल फोटो

जाएगी और इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 25,000 करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जिसमें बढ़ोतरी भी हो सकती है। प्रोजेक्ट के तहत 136 के रूट पर 13 रेलवे स्टेशन भी बनाए जाएंगे। रेल प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद रक्सौल से काठमांडू का सफर सिर्फ 2 से 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। 2018 में दोनों देशों को रेल लाइन से जोड़ने की कोशिशें शुरू हुई थीं और 2021 में इसकी कवायद शुरू की गई थी।

टाटा-लॉकहीड मार्टिन के मध्य करार

सैन्य परिवहन विमान के रखरखाव का केंद्र अगले साल तक होगा शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन ने भारत में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस सैन्य परिवहन विमान के संचालन में मदद के लिए एक नए रखरखाव, मरम्मत एवं नवीकरण (एमआरओ) केंद्र की बेंगलुरु में स्थापना की सोमवार को घोषणा की।

एमआरओ केंद्र का निर्माण 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा। इस केंद्र को एमआरओ संचालन के लिए पहला सी-130जे विमान 2027 की शुरुआत में मिलने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना फिलहाल लॉकहीड मार्टिन के 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है, जिन्हें दुनिया के अग्रणी

सैन्य परिवहन विमान सी-130जे

सामरिक मालवाहक विमानों में से एक माना जाता है। इस अवसर पर लॉकहीड मार्टिन के सीईओ फ्रैंक सेंट जॉन ने कहा कि नया सी-130जे एमआरओ केंद्र भारत में विश्वस्तरीय रखरखाव क्षमता विकसित करेगा, सेना की तैयारियों में सुधार लाएगा। और ऐसे अवसर पैदा करेगा, जो क्षेत्रीय और वैश्विक सी-130जे संचालकों के लिए मददगार होंगे।

सागर बंधु के तहत भारत की श्रीलंका को मदद जारी

कोच्चि। दितवाह तूफान की वजह से श्रीलंका में भारी तबाही और जानमाल नुकसान हुआ है। इस बीच भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत राहत के लिए लगातार मानवीय मदद पहुंचाई है। नवीन घटनाक्रम में भारत ने भारतीय नौसेना के चार जहाजों आईएनएस घड़ियाल, एलसीयू 51, एलसीयू 54 और एलसीयू 57 के द्वारा लगभग 1,000 टन राहत सामग्री पहुंचाई है। एलसीयू से राहत सामग्री 7 दिसंबर को कोलंबो में श्रीलंकाई अधिकारियों को सौंप दी गई है। आईएनएस घड़ियाल सोमवार को त्रिंकोमाली पहुंचा है। श्रीलंका ने भारत को मदद के लिए धन्यवाद किया है।

रूस-यूक्रेन संघष विराम से पीछे हटे राष्ट्रपति ट्रंप, कहा मैं निराश...

जेलेंस्की अमेरिकी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के लिए तैयार नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हैं जिसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने तीन दिन की बातचीत अमेरिका के फ्लोरिडा में पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं।

यूएस और यूक्रेन के बीच तीन दिन की बातचीत बेनतीजा

रूस के कब्जे वाले इलाकों को छोड़ने को तैयार नहीं यूक्रेन

शांति प्रस्ताव से रूस को दिक्कत नहीं

(बाएं से दाएं) डोनाल्ड ट्रंप, वोलोदिमीर जेलेंस्की और व्लादिमीर पुतिन

ट्रंप ने कहा कि मुझे थोड़ी निराशा है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी तक इस प्रस्ताव को नहीं पढ़ा है, कुछ घंटे पहले तक यही स्थिति थी। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पढ़ा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की योजना को सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं दी है।

जेलेंस्की अच्छे प्रचारक

डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने कहा है कि उनके पिता यूक्रेन शांति वार्ता से पीछे हट सकते हैं। दोहा फोरम में अपने संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने दावा किया कि यूक्रेन रूस की तुलना में ज्यादा भ्रष्ट देश है। साथ ही उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी बहुत अच्छा प्रचारक बताया।

लंदन में यूरोपीय नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

इससे पहले अमेरिका और रूस के प्रतिनिधियों के बीच मॉस्को में बैठक हुई थी। उस बैठक में भी कोई नतीजा नहीं निकल पाया था। बैठक के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी कहा था कि बैठक में अच्छी बातचीत हुई, लेकिन शांति वार्ता पर सहमति बनाना आसान नहीं है। वहीं जल्द ही यूक्रेन राष्ट्रपति जेलेंस्की लंदन में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्राध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इससे साफ है कि यूक्रेन शांति वार्ता का मामला बेहद जटिल होता जा रहा है। यूक्रेन, रूस द्वारा कब्जाए गए इलाकों पर अपना दावा छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे लेकर निराशा जाहिर की।

तीनों देश के रिश्ते क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक

बीजिंग। चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा कि चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं। गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। चीन दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ नई दिल्ली के साथ अनवरत और मजबूत संबंध कायम करना चाहता है। चीन द्विपक्षीय संबंधों के अनवरत, मजबूत और स्थिर विकास को बढ़ावा देने तथा शांति एवं समृद्धि में योगदान देने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

नए वर्ष की शुरुआत के साथ ही कर दिया जाएगा पदोन्नत

केंद्र से मिली स्वीकृति, न्यू ईयर में प्रमोशन का पीक: 2026 में 16 अफसर पदोन्नत होकर डीआईजी बनेंगे तो वहीं 13 अफसर एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश पुलिस में आगामी वर्ष पदोन्नति का बड़ा दौर देखने पदों की संख्या बढ़ने के बाद अब 2026 में 16 को मिलेगा। प्रदेश में डीआईजी रैंक के लिए उपलब्ध अफसर पदोन्नत होकर डीआईजी बनेंगे।

एक जनवरी को 13 आईपीएस अधिकारियों को प्रमोशन देकर डीआईजी बनाया जाएगा, जबकि बाकी तीन पद संबंधित अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के साथ क्रम से भरे जाएंगे। खासबात यह है कि इस वर्ष केंद्र ने पांच पद स्पेशल ड्यूटी पोस्ट (एसडीपी) के और आईजी के खाली पदों के बदले 6 पद डीआईजी के स्वीकृत किए हैं। इसके चलते ही इतनी बड़ी संख्या में डीआईजी रेंक लिए प्रमोशन मिल रहा है। हालांकि 2010 बैच के इस बार वर्ष 2010, 2011 और 2012 बैच के अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ 16 अफसर पूर्व में डीआईजी के रूप में पदोन्नत हो चुके 2010 के बचे हुए 4 अधिकारी, 2011 बैच के 4 हैं । इन सभी 13 अधिकारियों को नए वर्ष की शुरूआत के साथ ही पदोन्नत कर दिया जाएगा। हालांकि अगले वर्ष, 2012 बैच के तीन और अफसर पदोन्नत होंगे। इस तरह से कुल 16 डीआईजी अगले साल बनेंगे।

फाइल फोटो

केंद्र ने एसडीपी के 6 पद किए मंजूर

प्रदेश में डीआईजी के केवल 5 पद ही खाली हो रहे थे। इनमें 2 पद उन अधिकारियों के खाली होने से उपलब्ध हुए, जो एक जनवरी को आईजी पद पर पदोन्नत हो रहे हैं। जबकि 3 पद डीआईजी रैंक के अफसरों के रिटायरमेंट से रिक्त होंगे। ऐसे में केवल उपलब्ध पदों के आधार पर पदोन्नति होती, तो सीमित अधिकारियों को ही लाभ मिलता। इसे देखते हुए पीएचक्यू ने केंद्र से स्पेशल ड्यूटी पोस्ट के तहत अतिरिक्त पद स्वीकृत करने का प्रस्ताव भेजा था।

ये अफसर एक जनवरी को डीआईजी के लिए पदोन्नत

जो अफसर एक जनवरी को पदोन्नत होंगे उनमें वर्ष 2010 बैच के राकेश कुमार सगर, आरएस बेल्वेशी, किरणलता केरकेटा, मनोज कुमार राय पदोन्नत होंगे। वहीं वर्ष 2011 बैच के रियाज इकबाल, राहुल कुमार लोढ़ा, सिमाला प्रसाद, असित यादव, जबकि वर्ष 2012 बैच के विवेक सिंह, कुमार प्रतीक, डॉ. शिव दयाल, मयंक अवस्थी और शैलेंद्र सिंह चौहान ये अफसर पदोन्नत होंगे। इनके बाद के आलोक कुमार सिंह, रघुवंश कुमार सिंह और विकास पाठक करीब 6 महीने बाद डीआईजी के पद पर पदोन्नत होंगे।

14 साल की बजाए लग गए 15 और 16 साल

नियमानुसार आईपीएस बनने के बाद 14 साल बाद डीआईजी बन जाते हैं, लेकिन प्रदेश में पिछले तीन सालों से ऐसा नहीं हो पा रहा था। वर्ष 2010 बैच के आईपीएस अफसरों को डीआईजी बनने में 16 साल लग गए, जबकि वर्ष 2011 बैच के अफसरों को 15 साल लग गए। हालांकि वर्ष 2012 बैच अगले वर्ष पूरा पदोन्नत नहीं हो पाएगा, उस बैच के भी कई अफसर वर्ष 2027 में पदोन्नत होंगे, ऐसे में वे भी 15 साल में डीआईजी हो सकेंगे। एक जनवरी को जहां 13 पदों पर पदस्थापना होने के बाद शेष 3 पद आगामी महीनों में डीआईजी रेंक के अधिकारियों के सेवानिवृत्त होने पर रिक्त होंगे। इन रिक्त पदों को भी पदोन्नत कर अधिकारियों से भरा जाएगा और वर्ष 2026 में 16 पद डीआईजी के भरे जाएंगे।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री ने गोवा के अरपोरा में हुए अग्निकांड पर दुःख जताया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोवा के अरपोरा में हुए अग्निकांड में लोगों के हताहत होने पर दुख जताया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है।

कृषक मित्र सूर्य योजना की मॉनिटरिंग सीएस करेंगे

भोपाल। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना की मानीटरिंग अब खुद मुख्य सचिव अनुराग जैन करेंगे। वे हर तीन महीने में इस योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। इसके क्रियान्वयन के लिए आठ विभागों के अधिकारियों का भी सहयोग लिया जाएगा। अधिकारियों को शामिल करते हुए राज्य स्तरीय समन्वय समिति भी बनाई गई है। मप्र में सिचाई के लिए किसानों को सोलर पंप की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना लागू की गई है। योजना के सभी घटकों के अंतर्गत प्रगति की नियमित समीक्षा होगी। योजना के क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय भी बनाना है। इसके लिए सीएस स्वयं योजना की मानीटरिंग करेंगे। हर तीन माह में योजना की प्रगति की समीक्षा की जाएगी ताकि समयसीमा में लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

हथियार छोड़कर शांति के पथ पर कदम बढ़ा रहे नक्सली: खंडेलवाल

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बालाघाट में 10 हार्डकोर नक्सलियों के हथियार सहित आत्मसमर्पण करने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि सुरक्षाबलों की प्रभावी कार्रवाई से मप्र सहित देशभर में नक्सलवाद अब खात्मे की ओर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक मप्र सहित देशभर में नक्सलवाद को समाप्त करने की जो तारीख निर्धारित की है, उससे पहले ही मप्र में नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि आज बालाघाट में दस हार्डकोर नक्सलवादियों ने जिस तरह मुख्यमंत्री के समक्ष हथियार सहित आत्मसमर्पण किया है, उससे यह प्रतीत हो रहा है कि मध्यप्रदेश में नक्सलवाद अब पूरी तरह से दम तोड़ चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यों से हथियार छोड़कर नक्सली समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं।

आईएफएस डबास ने पीसीसीएफ हॉफ पर लगाया उदासीनता का आरोप

भोपाल। वन बिरादरी महासंघ के अध्यक्ष पूर्व आईएफएस आजाद सिंह डबास ने पीसीसीएफ (हॉफ) बीएन अंबाड़े पर मप्र ग्राम वन नियम 2015 में अपेक्षित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अंबाड़े को भेजे पत्र में कहा कि पिछले 7 वर्षों में अनेक जिलों के भ्रमण के दौरान यह ज्ञात हुआ है कि मप्र ग्राम वन नियम 2015 के तहत प्रदेश के ज्यादातर वनमण्डलाधिकारी एवं मुख्य वन संरक्षकों ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। आपके स्तर से इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वन प्रबंधन में आपकी उदासीनता कतई उचित नहीं है। डबास आईएफएस की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने इस दौरान मप्र में वनों की स्थिति को नजदीक से देखा और क्रियान्वयन भी किया था।

बोले मुख्यमंत्री-शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाना जरूरी

राज्य के कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार है राष्ट्रीय शिक्षा नीति

शिक्षा व्यवस्था में भारतीयता को स्थापित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य : केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में मप्र देश में अग्रणी है। मप्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केवल शैक्षणिक सुधार न मानकर राज्य के कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जोड़ा है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों को कुलगुरु संबोधन देकर हमने प्राचीन गुरुकुल आदर्श को आधुनिक व्यवस्था से जोड़ा है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: क्रियान्वयन, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आरंभ हुई। कार्यशाला में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर विशेष रूप से उपस्थित थीं।

क्वांटम कम्प्यूटिंग और एआई जैसे न्यूज ऐज स्किल्स का प्रदेश में विस्तार आवश्यक

मप्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वयन, चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर हुई कार्यशाला

मुख्यमंत्री का उद्बोधन

राज्यपाल का उद्बोधन

देश समाज को बदलने के विश्वास का प्रतीक राष्ट्रीय शिक्षा नीति

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मप्र को शिक्षा- परिवर्तन की दिशा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए नीति की दिशा, लक्ष्य और समन्वित कार्य- संस्कृति के जरिए प्रयास करने होंगे। यह भारत के भविष्य को नई दिशा देने की दूरदर्शी कार्ययोजना है, जिसका मूल स्वभाव 'समग्रता' है। उन्होंने नीति के लक्ष्यों समग्र शिक्षा, समग्र विकास और समग्र राष्ट्र-निर्माण से जुड़ी चुनौतियों और मध्यप्रदेश की विशेष परिस्थितियों में उपलब्ध संभावनाओं पर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सामूहिक विचार की पहल की सराहना की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में मप्र अग्रणी: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व में जिन भी महापुरुषों ने समय की धारा को बदला है, उन महापुरुषों के व्यक्तित्व विकास में गुरुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिसके बल पर पर प्रभु श्रीराम ने स्वयंवर और रावण वध पर अपने पराक्रम और पुरुषार्थ का परिचय दिया। सम्राट विक्रमादित्य ने स्थापित सुशासन व्यवस्था में उनके द्वारा देशभर से जोड़े गए विद्वानों और नव रत्नों का सहयोग रहा। राजा भोज की ओर से निर्मित भोपाल का बड़ा तालाब आज भी अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों के लिए सीखने का विषय है।

रोजगारपरक और नवाचार उन्मुख शिक्षा को दें जनांदोलन- केंद्रीय मंत्री प्रधान

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने प्रदेश की शैक्षणिक संस्थानों में न्यू ऐज स्किल जैसे क्वान्टम कम्प्यूटिंग और एआई के विस्तार की जरूरत बताई। उन्होंने शाला स्तर में विद्यार्थियों के कक्षा 12 तक निरंतर अध्ययनरत रहने, शोध को स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़ने, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन में समाज की भागीदारी बढ़ाने और शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने की जरूरत बताई। प्रधान ने बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के अभियान में समाज को जोड़ने की आवश्यकता बताई।

प्रधान का उद्बोधन

स्कूल शिक्षा में पालकों का भरोसा जीतना जरूरी

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षा में पालकों का भरोसा जीतने के लिए मुख्यमंत्री यादव के नेतृत्व में विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन, शिक्षा और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए विशिष्ठ प्रयास जारी हैं। मप्र दोहरी परीक्षा पद्धति लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परिमार ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन भारतीय ज्ञान परंपरा को समाहित करते हुए किया जा रहा है।

निजी जमीन में दफनाया गया शव

शव को सार्वजनिक श्मशान घाट पर दफनाने को लेकर तनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में धर्मांतरण के एक मामले को लेकर जमकर हंगामा हुआ। गुंडरदेही थाना क्षेत्र के परसदा गांव में एक धर्मांतरित बुजुर्ग (85 वर्षीय लच्छन साहू) की मौत के बाद, उनके शव को सार्वजनिक श्मशान घाट में दफनाने को लेकर तनाव फैल गया।

बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ मिलकर इस कदम का कड़ा विरोध किया। संगठन के लोगों का तर्क था कि चूँकि मृतक ने ईसाई धर्म अपना लिया था, इसलिए उन्हें पारंपरिक सार्वजनिक श्मशान भूमि पर अंतिम संस्कार का अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। दोपहर करीब 1 बजे शुरू हुआ यह विरोध घंटों तक चलता रहा। सूचना मिलते ही गुंडरदेही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की। हालांकि, न तो विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के कार्यकर्ता अपनी माँग से पीछे हटे और न ही धर्मांतरित परिवार। दोनों पक्षों के अड़े रहने के कारण गांव में तनाव की स्थिति बनी रही। लगभग 4 घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज हंगामे के बाद, प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। आखिरकार, यह तय किया गया कि मृतक लच्छन साहू के शव का अंतिम संस्कार गांव के सार्वजनिक श्मशान में नहीं, बल्कि उनकी निजी स्वामित्व वाली जमीन पर किया जाएगा। शाम लगभग 5 बजे के बाद, बुजुर्ग के शव को उनकी निजी जमीन पर दफनाए जाने के साथ ही यह मामला शांत हुआ।

उतई थाना क्षेत्र के पुरई गांव का मामला

महिला का धारदार हथियार से हत्या कर शव जलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

उतई थाना क्षेत्र के पुरई गांव में महिला की धारदार हथियार से हत्या कर लाश को ठिकाने लगाने आग लगा दी गई है। घटना की जानकारी लगाने पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

महिला के शव का पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुरई गांव में सोमवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर लोग निकले थे जहां गांव से होकर गुजरने वाली नहर के पास एक जला हुआ शव को देखा। इसकी सूचना उतई थाने पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना की जानकारी लगाने पर एसएसपी विजय अग्रवाल, एएसपी ग्रामीण अभिषेक झा, पाटन एसडीओपी अनूप लकड़ा, उतई टीआई महेश ध्रुव सहित फारेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया। इस दौरान लाश के नजदीक महिला का चप्पल और एक धारदार हथियार पाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की छत्तीसगढ़ सीएम साय से भेंट...

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भोपाल प्रवास के दौरान रविवार की शाम समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विष्णु साय का स्वागत किया और उन्हें विक्रमादित्य घड़ी भेंट की।

सीएम एवं गृह मंत्री के सामने 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एक करोड़ के इनामी कुख्यात नक्सली रामधेर मज्जी का सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ में एक करोड़ के इनामी रामधेर मज्जी सहित 12 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन नक्सलियों में छह महिलाएं भी शामिल हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की पुलिस के लिए नक्सली रामधेर बड़ी चुनौती था। सरेंडर नक्सली रामधेर मज्जी एमएमसी जोन में सीसी मेंबर के रूप में कर रहा था।

राजनांदगांव में नक्सलियों ने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा के सामने सरेंडर किया है। इससे पहले खैरागढ़ जिला बकरकट्टा थाना क्षेत्र के कुम्ही गांव में आज सुबह 12 सीपीआई माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया था। सरेंडर करने वालों में रामधेर मज्जी ने एके-47 सहित बड़े कैडर शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में बड़े नक्सली कैडर के सदस्य जिसमें, सीसी मेंबर, डीवीसीएम, एसीएम और अन्य स्तर के बड़े नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों ने एके-47 और अन्य हथियारों के साथ सरेंडर किया है। बताया जा रहा है कि सीसी मेंबर रामधेर मज्जी के सरेंडर के बाद नक्सलियों का एमसीसी जोन लगभग खत्म हो गया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में रामधेर मज्जी-सीसीएम, चंदू उसेंडी - डीवीसीएम, ललिता-डीवीसीएम, जानकी-डीवीसीएम, प्रेम-डीवीसीएम, रामसिंह दादा- एसीएम, सुकेश पोट्टम-एसीएम, लक्ष्मी-पीएम, शीला-पीएम, सागर-पीएम, कविता-पीएम, योगिता-पीएम शामिल हैं।

चौधरी ने जीतू सहित 12 नेताओं को किया शामिल

सिंगरौली पेड़ों की कटाई के मामले में एआईसीसी ने बनाई कमेटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सिंगरौली जिले में अदानी को कोल ब्लॉक आवंटन करने के मामले में पेड़ों की कटाई का मुद्दा कांग्रेस ने काफी जोरों शोरों से उठाया है। विधानसभा से लेकर जनता की बीच इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस अब बड़ी तैयारी कर रही है।

इसके लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने हरीश चौधरी को निर्देश देते हुए जीतू पटवारी की अध्यक्षता में 12 और नेताओं को शामिल किया गया है। इसमें खास बात है कि अधिकांश कांग्रेस के विधायक शामिल किए गए हैं। इस इफ़ेक्ट फाइंडिंग कमेटी में जीतू पटवारी, उमंग सिंगार, मीनाक्षी नटराजन, अजय सिंह, कमलेश्वर पटेल, हेमंत कटारे, राजेंद्र कुमार सिंह, हिना कांवरे, विक्रांत भूरिया, ओमकार मरकाम, जयवर्धन सिंह और बाला बच्चन को शामिल किया गया है। यह कमेटी के सभी सदस्य सिंगरौली में 11 दिसंबर को वहां पर लोगों से मुलाकात करेंगे पेड़ों की कटाई के मामले में वहां क्या स्थिति बन रही है। इसकी रिपोर्ट हाई कमान को दी जाएगी। साथ ही प्राकृतिक नुकसान की भी रिपोर्ट दी जाएगी। सिंगरौली में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और उससे उत्पन्न पर्यावरणीय क्षरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने तथ्य अन्वेषण समिति गठित की है।

लोनिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास समेत कई विभाग नहीं हटा पाए पशु

मध्यप्रदेश में अभी भी 8 लाख 57 हजार बेसहारा: 2 साल में 237 एक्सीडेंट, 94 मौत, सड़कों से नहीं हटे आवारा मवेशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश के सभी राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से आवारा पशुओं निराश्रित पशु पाए गए हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 78 हजार 737 हजार 971 निराश्रित पशु पाए गए हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में सर्वाधिक निराश्रित पशु पाए गए है। यहां 82 हजार 485 को हटाने और उनके रखने के इंतजाम करने के निर्देश है लेकिन इसके बाद भी मध्यप्रदेश सरकार आवारा पशुओं को सड़कों से नहीं हटा पा रही है।

पिछले दो वर्षों में सड़कों पर विचरण करते निराश्रित पशुओं के कारण 237 सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें 94 लोगों की जीवन लीला समाप्त हो गई और 133 लोग घायल हुए है। मध्यप्रदेश में हाल ही में कराई गई बीस वी पशु संगणना में मध्यप्रदेश में 8 लाख 53 और शहरी क्षेत्रों

सांकेतिक चित्र

में 3748 निराश्रित पशु पाए गए है। ग्वालियर के शहरी क्षेत्र में सर्वाधिक सात हजार 84 निराश्रित पशु मिले है। जबकि ग्रामीण अंचलों के मामले में रीवा में सर्वाधिक 78 हजार 737 निराश्रित पशु मिले है। राजधानी भोपाल में कुल 9986 निराश्रित पशु मिले है। इनमें शहरी क्षेत्रों 4 हजार 571 निराश्रित पशु मिले है। ग्वालियर जिले में 23 हजार 181, इंदौर जिले में 3302 और जबलपुर जिले में

मुख्यमंत्री ने इन विभागों को दिए थे निर्देश

आवारा पशुओं को सड़कों से हटाने के है निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेशभर में सड़कों पर विचरण करते ऐसे निराश्रित पशुओं को हटाने के निर्देश दे चुके है जो दुर्घटनाओं का कारण बन रहे है। लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सड़कों से निराश्रित पशुओं को पकड़कर उन्हें रखने के लिए पर्याप्त स्थान तैयार कर वहां रखा जाए।

अलीराजपुर में सबसे कम

निराश्रित पशु 87 निराश्रित पशु मिले है। इसके बाद आदिवासी अंचल झाबुआ में 428 निराश्रित पशु मिले है। बड़वानी में 510 और मंडला में 572 निराश्रित पशु पाए गए है। अलीराजपुर के शहरी क्षेत्र में सबसे कम 58 निराश्रित पशु मिले है।

पर्वतारोही भावना डेहरिया अब विक्रम अवॉर्ड पाने जा रही हैं

मध्य प्रदेश की पर्वतारोही भावना डेहरिया को मिलेगा विक्रम अवॉर्ड, हाई कोर्ट ने चुनौती खारिज की

जबलपुर। माउंट एवरेस्ट फतह कर प्रदेश का नाम रोशन करने वाली पर्वतारोही भावना डेहरिया अब विक्रम अवॉर्ड पाने जा रही हैं। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सोमवार को उनके चयन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी और राज्य सरकार के निर्णय को सही ठहराया। न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा ने आदेश सुनाते हुए कहा कि 2023 के एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी के लिए राज्य सरकार द्वारा लिया गया निर्णय नियमों के अनुरूप है और इसमें कोई त्रुटि नहीं है। भावना की ओर से उपस्थित एडवोकेट अनुनय श्रीवास्तव ने बताया कि अदालत ने राज्य सरकार की प्रक्रिया को भी मान्य माना।

मामले में दायर याचिका मधुसूदन पाटीदार ने दावा किया था कि वे भावना डेहरिया से वरिष्ठ हैं और पुरस्कार के हकदार हैं। लेकिन अदालत ने पाया कि पाटीदार का एवरेस्ट आरोहण वर्ष 2017 का है, जो मध्य प्रदेश पुरस्कार नियम, 2021 के अनुसार निर्धारित पांच वर्ष की पात्रता अवधि से बाहर है। न्यायालय ने कहा कि पाटीदार वर्ष 2023 के पुरस्कार के लिए पात्र नहीं थे और उनका दावा अस्वीकार कर दिया गया। छिंदवाड़ा जिले के तामिया गाँव की निवासी भावना डेहरिया ने दुनिया की पांच महाद्वीपीय सबसे ऊँची चोटियों पर भारत का तिरंगा फहराया है। इन चोटियों में शामिल हैं माउंट एवरेस्ट (एशिया) किलिमंजारो (अफ्रीका), कोज़ियुस्को (ऑस्ट्रेलिया), एलब्रस (यूरोप), अकोंकागुआ (दक्षिण अमेरिका) भावना डेहरिया मध्य प्रदेश से एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला हैं और अब एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी में विक्रम अवॉर्ड पाने वाली पहली महिला भी बनेंगी। वे और उनकी चार वर्षीय बेटी सिद्धि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। भारतीय हिमालय को वैश्विक स्तर पर प्रमोट करने के लिए उन्होंने एक अनूठा गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है। भावना ने पुरस्कार मिलने पर कहा, यह सम्मान मेरे साहस, लगन और पर्वतारोहण में समर्पण का प्रतीक है।

विवाह पहले से ही शून्य, इसलिए तलाक के आवेदन का औचित्य नहीं

जबलपुर। कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश विजय सिंह कावछा की अदालत ने अपने एक आदेश में साफ किया कि हिंदु पति का मुस्लिम पत्नी से विवाह कानून के अनुसार पहले से ही शून्य है। इसलिए विवाह शून्यीकरण का आवेदन औचित्यहीन है। यह निरस्त किया जाता है। आवेदक अरमान श्रीवास्तव ने शाहीन बेगम से विवाह किया था। विवाह के बाद विवाद की स्थिति निर्मित होने पर अदालत चला आया। उसने हिंदू विवाह अधिनियम-1955 की धारा-पांच के अंतर्गत विवाह शून्यीकरण का आदेश पारित करने की मांग की। दोनों का संपर्क इंटरनेट वेबसाइट पर हुआ था। जिसके बाद मुलाकात हुई और मंदिर में विवाह कर लिया। आवेदक हिंदु धर्म को मानता है, जबकि उसकी पत्नी मुस्लिम धर्म की है। आवेदक की ओर से विवाह शून्यीकरण की मांग इसलिए अस्वीकार करने योग्य है, क्योंकि हिंदु विवाह अधिनियम-1955 की आवश्यक शर्तें पूरी न करने के कारण विवाह दिनांक से ही शून्य है।

अतिक्रमण पर कार्रवाई हुई और तेज, प्रमुख मार्गों से हटाए ठेले-टपरे, थिनर कारखाना सील

जबलपुर। नगर निगम, जिला और पुलिस विभाग के सहयोग से शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से बड़ा और सख्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से अवैध रूप से लगे ठेलों, टपरों और निर्माण में बाधा बन रहे कब्जों को सख्ती से हटाया गया। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार एवं अपर आयुक्त अरविन्द शाह ने बताया कि अभियान की शुरुआत ग्वारीघाट रोड़ से हुई, जहाँ आकाशगंगा होटल के सामने बिग बाजार के पास से एक साँची का ठेला जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त, गढ़ा बाजार में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में बाधक बन रहे अतिक्रमण को भी तत्काल प्रभाव से हटाया गया। शहर के व्यस्त इलाकों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। शास्त्री ब्रिज के पास चंद्रिका टावर रोड पर लगे ठेले-टपरे हटाए गए, वहीं जयंती कॉम्प्लेक्स में भी अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई। मदन-महल स्टेशन रोड को भी पूरी तरह से खाली कराकर आवागमन के लिए सुगम बनाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में, त्रिमूर्ति नगर स्थित एक थिनर कारखाने को ताला लगाकर सील कर दिया गया। यह कार्रवाई अवैध गतिविधियों और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर की गई है।

बाजार क्षेत्रों से भी हटे अतिक्रमण

अपर आयुक्त अरविन्द शाह एवं अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से ने बताया कि नगर निगम और यातायात पुलिस की टीम ने सुपरमार्केट, गंजीपुरा, बड़ा फुहारा कमानिया, खोवा मंडी, बड़ा फुहारा से पांडे चौक व बलदेव बाग तक रोड के किनारे लगे तमाम ठेलों को हटाकर सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराया। रद्दी चौकी से राजा चौक तक के क्षेत्रों में भविष्य में अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी के साथ मुनादी भी कराई गई। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह संयुक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान यातायात के नियमों और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार जारी रहेगा।

पुलिस के साए में लगा स्मार्ट मीटर

जबलपुर। शहर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को मोतीलाल नेहरू वार्ड, में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल ज्यादा आने लगे हैं, मीटर में गलत रीडिंग दर्ज हो रही है और कई तकनीकी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। इन समस्याओं को लेकर लोगों ने विरोध जताया, जिससे मौके पर तनाव बढ़ गया और विद्युत कर्मियों को काम रोकना पड़ा। स्थिति बिगड़ते देख जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। एसडीएम पंकज मिश्रा और पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराया और बिजली विभाग के कर्मचारियों को सुरक्षा मुहैया कराई। इसके बाद स्मार्ट मीटर लगाने का काम दोबारा शुरू कराया गया। प्रशासन ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यदि स्मार्ट मीटर में किसी तरह की तकनीकी दिक्कत है तो उसकी जांच करवाकर समाधान किया जाएगा।

स्कूल के शिक्षक पर धर्मपरिवर्तन कराने का आरोप

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र में एक स्कूली छात्र को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किए जाने की शिकायत सामने आई है। छात्र के पिता ने आरोप लगाया है कि स्कूल की एक शिक्षिका और एक फादर उनके बेटे को चर्च जाने और धर्म परिवर्तन के लिए प्रभावित कर रहे हैं। शिकायत लेकर अधारताल थाने पहुंचे सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि उनका बेटा अचानक चर्च जाने लगा। परिजनों ने मना किया तो वह गुस्सा होने लगा और घर में झगड़ा करने लगा। पिता का कहना है कि बेटा सेंट जेवियर स्कूल में पढ़ाई करते समय एक शिक्षिका के संपर्क में आया था। उसी दौरान वह चर्च जाने लगा और कहने लगा कि वह ईसाई धर्म अपनाना चाहता है। छात्र के पिता ने आरोपित शिक्षिका और फादर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के समर्थन में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की प्रीति धनधारिया भी थाने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि मामला गंभीर है और पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है और मामले की जांच की बात कही है।

7 खेतों से सब्जी और मिट्टी के नमूने लिए

ओमती नाले के गंदे पानी से सिंचाई की शिकायत पर बड़ी कार्रवाई

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के सख्त निर्देशों के अनुरूप नगर निगम स्वास्थ्य विभाग और उद्यानिकी विभाग की संयुक्त टीम ने ओमती नाले के किनारे सब्जियों की सिंचाई में दूषित पानी के इस्तेमाल की शिकायत पर बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने नाले के पानी से सींचे जा रहे 7 खेतों से सब्जी और मिट्टी के नमूने जब्त किए।

यह कार्रवाई एम.आर. 4 रोड़, दरयानी क्लासेस के सामने ओमती नाले के किनारे की गई। शिकायतें मिल रही थीं कि नाले के प्रदूषित पानी का उपयोग खाद्य फसलों की सिंचाई के लिए किया जा रहा है, जो शहरवासियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

नमूने जांच के लिए भेजे गए

संयुक्त टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और पाया कि किसान नाले के दूषित पानी का उपयोग कर रहे थे। टीम ने सिंचाई तुरंत रुकवाई और विभिन्न प्रकार की सब्जियों के साथ-साथ मिट्टी के भी नमूने लिए। इन नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि यह कार्रवाई कलेक्टर राघवेन्द्र यादव एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत दूषित पानी से खेती करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने किसानों को चेतावनी दी है कि वे जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न करें, अन्यथा उनके उपकरण जब्त करने के साथ-साथ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान उद्यानिकी विभाग से वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्रीमती नीता गुजराल, नगर निगम से सी.एस.आई. मोनिका तुमराम, सचिन जैन, एस.आई. किशन दुबे, कोदुलाल अहिरवार, एवं सुपरवाइजर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। यह अभियान शहरवासियों को जहरीली सब्जियों से बचाने के लिए निरंतर जारी रहेगा।

धान उपार्जन : अभी तक 150 किसानों से 13 हजार 235 क्विंटल धान का उपार्जन

जबलपुर। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की प्रक्रिया अंतर्गत जिले में अभी तक 150 किसानों से 13 हजार 235 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इन किसानों से 17 उपार्जन केन्द्रो के माध्यम से धान की खरीदी की गई है। जिले में किसानों से धान के उपार्जन के लिए 82 खरीदी केन्द्र स्थापित किये गये हैं। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 8 दिसम्बर तक 74 उपार्जन केन्द्रो में धान विक्रय के लिए 8 हजार 455 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किये गये हैं। किसानों से आग्रह किया गया है कि स्लॉट बुकिंग में निर्धारित दिन ही उपार्जन केन्द्रों पर धान लेकर आएं। किसानों से जितनी मात्रा के लिए स्लॉट बुक किया गया है उतनी मात्रा में ही धान खरीदी केन्द्रों पर लाने का अनुरोध भी किया गया है, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो।

40 चालान और 1.6 लाख रुपए का फाइन

सिंगल यूज प्लास्टिक पर निगम की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर शहर में अमानक पॉलीथिन के उपयोग और भंडारण पर नगर निगम द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक बड़ा दुश्मन है। निगमायुक्त ने सभी सम्माननीय नागरिकों और व्यापारियों से अनुरोध किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक को त्यागें और स्वच्छता अभियान में सहयोग प्रदान कर शहर को स्वच्छ बनाएं। आज की कार्रवाई के संबंध में उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वच्छता सेल के नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि आज आधारताल शोभापुर रोड़ स्थित एक ठिकाने पर बड़ी कार्रवाई की गई, जहाँ आशीष महोबिया पिता राम चरण के पास भारी मात्रा में अमानक पॉलीथिन पाई गई।

नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गंदगी करने और प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन का भंडारण करने वाले 40 लोगों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की और मौके पर ही 1 लाख 60 हजार रूपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। जिसमें कार्रवाई के दौरान आशीष महोबिया पर 1 लाख रूपये का स्पॉट फाइन लगाया, साथ ही, अवैध रूप से संग्रहित की गई लगभग 10 बोरी अमानक प्रकार की पॉलीथिन को भी जब्त कर लिया गया। नगर निगम प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि पर्यावरण और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए पॉलीथिन के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी और कड़ी से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन एवं स्वच्छता सेल के सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा के द्वारा तैयार प्लान के अनुरूप संपन्न हुई। कार्रवाई के समय सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र राज, अनिल बारी, अर्जुन यादव, पोला राव, एवं सी.एस.आई. संभाग 07 रविन्द्र सिंह तथा 14 के राधा पवार आदि उपस्थित रहे।

रिमांड पर 'चिटलर अमित खम्परिया ' कर रहा चौंकाने वाले खुलासे

खम्परिया के नेटवर्क में हड़कंप, नागपुर और मुंबई के एजेंट रडार पर

ऑफिस से दस्तावेज, घर से बरामद हुई बंदूक

हरिभूमि, जबलपुर।

करोड़ों की वसूली, फर्जी दस्तावेज, हवाला ट्रांजेक्शन और टोल घोटाले के मास्टरमाइंड अमित खम्परिया उर्फ चिटलर अमित से पुलिस को रोजाना नए-नए खुलासे मिल रहे हैं। तीन दिन की रिमांड पर लिए जाने के बाद आरोपी ने जो तथ्य सामने रखे, उसके आधार पर पुलिस टीमों ने सोमवार को जबलपुर और सतना में जोरदार दबिश दी। पुलिस कार्रवाई के बाद पूरे नेटवर्क में हड़कंप की स्थिति है।

जबलपुर ऑफिस में दो घंटे की 'खोजबीन'

खम्परिया की रिमांड के दौरान मिले इनपुट्स के आधार पर सोमवार सुबह पुलिस की विशेष टीम अचानक जबलपुर स्थित उसके ऑफिस पहुँची। ऑफिस को सील कर करीब दो घंटे तक खंगाला गया। तलाशी के दौरान पुलिस को कई संभावित डिजिटल दस्तावेज, लेजर, फाइलें, यूएसबी डिवाइस, और ऐसे रिकॉर्ड मिले हैं जिनसे वसूली और हवाला कनेक्शनों की पुष्टि होने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि ऑफिस में मिले दस्तावेजों में फर्जी कंपनियों, उधार देने के नाम पर लोगों को फंसाने के मॉड्यूल और टोल कलेक्शन संबंधित कई संदिग्ध लेन-देन के रजिस्टर शामिल हैं। पुलिस टीम ने ऑफिस से बरामद कंप्यूटर हार्ड डिस्क और मोबाइल डेटा भी कब्जे में लिया है।

सतना में दबिश, घर से मिली बंदूक

सबसे बड़ा खुलासा तब हुआ जब पुलिस की दूसरी टीम सतना स्थित उसके घर पहुंची। रिमांड में खम्परिया की स्वीकारोक्ति और मिले इनपुट्स के आधार पर टीम ने घर की तलाशी ली, जहां से एक लाइसेंसी पिस्टल बरामद की गई। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह हथियार कानूनी रूप से वैध था या नहीं और इसका इस्तेमाल किस-किस गतिविधियों में किया गया।

बरामद हुए कीमती सामानों की होगी फॉरेंसिक जांच

सूत्रों के अनुसार घर से कई लाख के दस्तावेज, सोने-चांदी के आभूषण, संदिग्ध नोटबुक, सीसीटीवी डीवीआर और कुछ मुहरबंद पैकेट भी मिले हैं। इन पैकेटों में क्या है, इसका खुलासा फॉरेंसिक जांच के बाद होगा।

पार्टनर्स और एजेंटों की बन रही सूची

पुलिस पूछताछ में खम्परिया ने स्वीकार किया है कि उसके पास फर्जी पहचान पत्रों का पूरा नेटवर्क, हवाला चैनलों के कनेक्शन और कई जिलों में 'कलेक्शन पॉइंट' चलते थे। पुलिस अब यह जांच रही है कि ऑफिस से मिले दस्तावेज उसके किन पार्टनर्स और एजेंटों से जुड़े हैं। नागपुर और मुंबई के जिन दो एजेंटों का नाम पहले सामने आया था, उनके नंबर और बैंक ट्रेल से भी कई चौंकाने वाली कड़ियाँ जुड़ रही हैं।

48 घंटे में तेज होगी कार्रवाई

पुलिस सूत्रों का कहना है कि ऑफिस और घर से जो सामग्री बरामद हुई है, वह केस का दायरा और बड़ा करेगी। आने वाले 48 घंटों में कई बड़े चेहरों पर शिकंजा कस सकता है। जांच टीम अब जबलपुर, सतना, मंडला और नागपुर में और भी स्थानों पर दबिश देने की तैयारी में है। पुलिस अफसरों का कहना है रिमांड में आरोपी कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दे रहा है। यह एक बड़ा नेटवर्क है और हर कड़ी की जांच कर गंभीर धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। अमित खम्परिया की गिरफ्तारी भले ही शुरुआत हो, लेकिन पुलिस की तेज और आक्रामक कार्रवाई ने पूरे नेटवर्क की नींव हिला दी है।

भारतीय मूल निवासी ईसाई समुदाय ने क्रिसमस पर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की

जबलपुर। आज अम्बेडकर चौक पर भारत मुक्ति मोर्चा (मूलनिवासियों का संगठन का एक विंग राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा) के नेतृत्व में जिला कलेक्टर व एस.पी. को ज्ञापन प्रेषित कर मांग की गई कि दिसम्बर माह में क्रिसमस से संबंधित आराधना, प्रार्थना एवं अन्य कार्यक्रमों एवं रविवारीय धार्मिक सभाओं में समुचित सुरक्षा प्रदान की जाये। क्रिसमस से संबंधित कार्यक्रमों को गैर कानूनी तरीके से बाधित करने वाले तथा कानून व्यवस्था बिगड़ने वाले संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के ऊपर त्वरित एवं निष्पक्ष उचित कानूनी कार्यवाही की जाए। धर्मान्तरण के झूठे आरोपों के आधार पर बिना जांच के किसी के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज न की जाये तथा निर्दोष ईसाई नागरिकों को उत्पीड़न से बचाया जाये। क्रिसमस के दिन ईसाई समाज के शासकीय अधिकारी कर्मचारी को अनावश्यक रूप से किसी प्रकार की ड्यूटी पर न बुलाया जाये, उक्त मांगों को लेकर आज अम्बेडकर चौक पर जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन प्रेषित कर ईसाई समुदाय की सुरक्षा की मांग की गई। ज्ञापन में जिला संयोजक सेमिअल जेम, अतुल जोसफ, राजेन्द्र अतुलकर, विनय भगत, अनिल वंशकार, रामराज पटेल के साथ अनेक कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

नवनियुक्त शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होते ही आदेश जारी करने की मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी-कर्मचारी संगठन ने शिक्षा विभाग में कार्यरत नवनियुक्त शिक्षकों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि तीन वर्षीय परिवीक्षा अवधि के दौरान शिक्षक ऑनलाइन स्थानांतरण के लिए आवेदन नहीं कर पाते, क्योंकि पोर्टल उनकी आईडी को स्वीकार नहीं करता, जिससे उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। संगठन ने आरोप लगाया कि परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के बाद भी वरिष्ठ कार्यालय की देरी के कारण आदेश समय पर जारी नहीं होते, जिससे शिक्षकों को पूर्ण वेतन सहित अन्य लाभों से वंचित रहना पड़ता है। रॉबर्ट मार्टिन सहित संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि परिवीक्षा पूर्ण होते ही आदेश शीघ्र जारी किए जाएं, ताकि नवनियुक्त शिक्षकों को आर्थिक नुकसान न हो।

बाबा साहब अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर अबॉक्स ने दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर 06 दिसम्बर को अम्बेडकर चौक स्थित प्रतिमा पर आदिवासी बहुजन अधिकार कल्याण संघ द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदेश अध्यक्ष देवेश चौधरी ने कहा कि बाबा साहब के संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित हैं जो संविधान विरोधी ताकत हैं उनके खिलाफ एकजुट होने का आव्हान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेश चौधरी, तेजकुमार भगत, तरुण रोहितास, सीएस सिरसाठ, राजकुमार सिंह, जीवन जाटव, उमेश मेहरा, सुनील चौधरी, सोनेलाल उरेती, नत्थूलाल सतनामी, राजेंद्र कापसे, जीवन जाटव, राजेश मिश्रा, दीपक चौधरी, महेश अहिरवार, दिनेश चौधरी, विनय झारिया, योगेश मरावी आदि उपस्थित थे।

जिला बनाने आज से सिहोरा-खितौला बंद

अनशनकारी साहू की हालत बिगड़ी, आज से जल भी त्याग देंगे

मांग पूरी नहीं हुई तो आज से आमरण अनशन भी प्रारम्भ होगा

बसों का संचालन, कृषि उपज मंडी बंद रहेगी,स्कुलो ने घोषित की छुट्टी

सिहोरा। चरम पर पहुंच चुके जिला आन्दोलन के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है तीन दिन से अन्न त्याग कर अनशन पर बैठे आर एस एस के पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू का सोमवार को 6.75 किलो बजन कम होने से उनका शरीर पूरी तरह निढाल हो गया है। उनकी बिगड़ती हालत ने पूरे सिहोरा क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है जानकारी लगते हैं सैकड़ों लोग कालभैरव चौक पहुंच गये और जमकर नारेबाजी की वर्तमान में जिससे स्थिति तनाव पूर्ण बन गई । आज से जहां उन्होंने जल भी त्यागने की घोषणा की है तो वहीं अनेक लोगों के आमरण अनशन पर भी बैठने की खबर है।

यातायात, कृषि उपज मंडी, स्कूल बंद रहेंगे

जिला की मांग को लेकर आज से अनिश्चितकालीन सिहोरा खितौला बंद का आयोजन भी जहां व्यापारियों ने किया है वहीं बस आपरेटरों ने भी अपने वाहन बंद रखने की बात कही है। निजी स्कुलों ने भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए शिक्षण संस्थानों में शालेम स्कुल, ग्लोरियस, मिस्पा मिशन, चंदा देवी नारायण प्रसाद सहित अनेक स्कुलो ने आज अवकाश घोषित कर दिया है। तो वहीं कृषि उपज मंडी भी बंद रहेगी।

आन्दोलन में शामिल होने सिहोरा पहुंचेंगे हजारों लोग

जिस तरह से तैयारी चल रही है उससे यह अंदाजा तो लगाया जा सकता है कि आज आन्दोलन स्थल पुराने बस स्टेंड में सिहोरा, मझौली, बहोरीबंद, ढीमरखेड़ा सहित अनेक गांवों से हजारों लोगों की भीड़ पुराना बस स्टेंड में पहुंचेगी जो जिला आन्दोलन में हिस्सा लेंगी। तथा सद्बुद्धि यज्ञ में पुष्पांजलि अर्पित करेगी प्रस्तावित जिले के कोने कोने से आने वाले लोगों के लिए खाने की व्यवस्था भी नगर वासियों द्वारा की गई है। आयोजकों का दावा है कि आज का दिन सिहोरा आंदोलन के इतिहास में निर्णायक साबित होगा।

विधायक एसडीएम पहुंचे साहू से मिलने

आज प्रस्तावित सिहोरा बन्द एंव पुरानी सिहोरा तहसील के प्रत्येक ग्राम से लोगों के सिहोरा आने के मद्देनजर आन्दोलन की व्यापकता को देखते हुऐ हरकत में आये जनप्रतिनिधी एंव प्रशाशन के नुमाइन्दो ने मध्यस्थता की पहल करते हुऐ विधायक सन्तोष बरकडे. के साथ पहुंचे सिहोरा एस डी एम पुष्पेन्द्र अहके को लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा।लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश था की गत 6 दिसम्बर से अनशनरत प्रमोद जी के स्वास्थ की जानकारी लेना तक उचित नहीं समझा गया ओर जब आन्दोलन ने व्यापक रुप ले लिया तो फिर एक बार आश्वाशन का झुनझुना थमाने आ गये। अनशनरत पूर्व प्रचारक साहू ने आश्वासनों को दर किनार करते हुऐ दो टुक शब्दों में कहा की देहदान में कर चुका हु यदि मेरी जीवन मेरी कर्मभूमी के काम आता है यह मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। शासन सीधे सिहोरा को जिला घोषित कर कलेक्टर एस पी की पदस्थापना करें।उनका कहना है कि जब तक सिहोरा को जिला बनाने पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता तब तक यह त्याग जारी रहेगा।

सरकार की संवेदनहीनता पर फूटा जनता का गुस्सा

पूर्व प्रचारक साहू की हालत बिगड़ने की खबर फैलते ही पूरे सिहोरा में आमजन की चिंता के साथ-साथ सरकार के प्रति नाराजगी चरम पर पहुंच गई है। लोगों का कहना है कि यह केवल एक व्यक्ति का स्वास्थ्य नहीं, बल्कि जनता की भावनाओं और अधिकारों की अनदेखी का परिणाम है। उनके जल त्यागने और आन्दोलन गंभीर मोड़ पर पहुंचने के कारण प्रशासन और शासन पर दबाव कई गुना बढ़ा दिया है।आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो हालात और भी विस्फोटक हो सकते हैं। सिहोरा का यह आंदोलन अब मांग नहीं,बल्कि सम्मान,अस्तित्व और अधिकार की लड़ाई बन चुका है। अगर आज के प्रदर्शन के बाद भी सरकार सिहोरा जिला को लेकर कोई निर्णय नहीं लेती तो आज तीन बजे से बस स्टेंड सिहोरा में भी आमरण अनशन की शुरुआत सिहोरा वासियों द्वारा की जावेगी।

छठवें जत्थे में बैठे दो दर्जन से अधिक

छठवें जत्थे के रुप में पार्षद अरशद खान,महेंद्र वंशकार,लालू यादव,रईस खान,हरि प्रसाद गुप्ता, सतीश गिरी महाराज,सत्येंद्र पांडे,शेख इजराइल, गिरधर सरावगी,राकेश गुप्ता,फैज आलम शाह,शेख साबिर,जाकिर अली,साजिद मकरानी, सुर्कीति त्रिपाठी,गुल्लू खान,अफजल बैग,शेख इसदाद,मोंटी मंसूरी,साजिद खान,जावेद खान, साजिद अंसारी,वसीद अली,रियाज अंसारी,प्रशांत मिश्रा,अनिल कन कने,अनिल जैन,शकील अजहर अली,सुमन पटेल,रूपाली सराफ,संगीता विश्वकर्मा,पार्वती पटेल,अंजना साहू,आरती रजक,शिवांगी साहू,राधा साहू आदि क्रमिक अनशन पर बैठे।

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस : लेख और डिज़ाइन पर गहन मंथन

स्मारिका ऐसी हो कि स्मृतियों में बस जाये

जबलपुर। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस स्मारिका समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक गत दिवस आइडियल हिल्स स्थित पंकज गौर के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में स्मारिका से जुड़े सभी प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सबसे पहले यह समीक्षा की गई कि अब तक कितने लेख एवं सारांश समिति को प्राप्त हो चुके हैं और आगे कितने प्राप्त किए जा सकते हैं। साथ ही यह भी विचार किया गया कि उपलब्ध सारांशों में से कितने हिंदी भाषा में हैं और कितने अंग्रेज़ी में।

प्रस्तुति पर विशेष फोकस

समिति ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि दोनों भाषाओं की सामग्री को किस स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए ताकि स्मारिका न केवल सौंदर्यपूर्ण हो, बल्कि लंबे समय तक संजोकर रखने योग्य भी बने। डिज़ाइन को लेकर भी सदस्यों ने रुचि दिखाते हुए कई सुझाव रखे और स्मारिका की रूपरेखा को आकर्षक व सुव्यवस्थित बनाने पर सहमति जताई। बैठक में समिति के सदस्य पंकज गौर, डॉ. निलंजना पाठक, डॉ. सोमा गुहा, डॉ. नीना उपाध्याय, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. शिवांगी शर्मा और सुजाता गौर उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने अपनी–अपनी राय और सुझाव साझा करते हुए स्मारिका के उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशन की दिशा में सामूहिक निर्णय लिए।

सन्तुलन अनिवार्य रूप से हो

बैठक में विशेष रूप से डॉ. अखिलेश गुमास्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही, जिन्होंने सामग्री संरचना, भाषा संतुलन और डिज़ाइन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक का समापन इस निष्कर्ष के साथ हुआ कि स्मारिका को उत्कृष्ट, व्यवस्थित और यादगार रूप में तैयार किया जाएगा, ताकि यह संस्था के गौरव का प्रतीक बने।

नौका विहार का निरीक्षण, सफाई व सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायज़ा

भेड़ाघाट।

संगमरमर की अलौकिक वादियों और कल-कल बहते जलप्रपात के बीच नौका विहार भेड़ाघाट पर्यटन की पहचान बना हुआ है। इसी व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी और उपाध्यक्ष जगदीश दहिया ने नौका घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नौकाघाट प्रभारी लक्ष्मी नारायण दुबे भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने नावों की मरम्मत, घाट की सफाई व लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य करने जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। नगर परिषद सीएमओ विक्रम सिंह झरिया द्वारा पूर्व में दिए निर्देशों के तहत पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी गई। अध्यक्ष लोधी और उपाध्यक्ष दहिया ने स्पष्ट किया कि पर्यटकों की सुविधा व सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापरिनिर्वाण दिवस पर रेल मंडल में हुई श्रद्धांजलि सभा

जबलपुर।

जबलपुर रेल मंडल में सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रांगण में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा द्वारा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार एवं सुनील टेलर ने भी पुष्प अर्पित कर बाबा साहब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिकारियों ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचारों का अनुसरण कर ही हम मजबूत, समानता-आधारित एवं प्रगतिशील भारत का निर्माण कर सकते हैं। इस दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता रामबदन मिश्रा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर राहुल जयपुरियार, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक रजनीकांत साहू, सहायक कार्मिक अधिकारी पंकज सिन्हा, सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह सहित रेलवे अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमानक कीटनाशकों पर कृषि विभाग का शिकंजा, तीन कंपनियों को नोटिस

पनागर। क्षेत्र में अमानक कीटनाशकों का बड़ा मामला उजागर होने पर कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन प्रतिष्ठित कंपनियों यूलिंक एग्रीटेक प्रा. लि., क्रिस्टल प्रोटेक्शन लि. और सुमोटोमो केमिकल प्रा. लि. को कारण-बताओ नोटिस जारी किए हैं। कीटनाशक निरीक्षक पंकज शर्मा द्वारा लिए गए नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट में उत्पाद गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाए गए, जो कीटनाशक अधिनियम 1968 का गंभीर उल्लंघन है।

उपसंचालक कृषि एस.के. निगम ने चेतावनी दी कि किसानों के हितों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग ने विक्रेताओं को प्रमाणित उत्पाद ही बेचने और किसानों को बिल अवश्य देने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन अब जिलेभर में कड़ी निगरानी और आकस्मिक निरीक्षण बढ़ाने की तैयारी में है।

बिजली विभाग की लापरवाही से दो मजदूरों की मौत, पोड़ा में बढ़ा आक्रोश

पनागर

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक–16 के पोड़ा में 48 घंटे के भीतर हुई दो दुखद मौतों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 6 दिसंबर को तलाड़ फीडर में काम करते समय अशीस लोधी और इसके बाद आज संदीप लोधी की करंट लगने से मौत हो गई। दोनों ही मामलों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को कारण माना जा रहा है।

जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल ने विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई और मृतक परिवारों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी बिना सुरक्षा उपकरण और कम स्टाफ के बीच मजदूरों से काम कराए जाने पर कड़ा रोष व्यक्त किया।

वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

पत्रकारों की स्मृतियों को संजोने के लिए होगा उद्यान का निर्माण: महापौर

जबलपुर। वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा कभी भुलाए नहीं जा सकते। उनकी लेखनी, विचारधारा, शहर विकास में विशेष योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पं. काशीनाथ जैसे संस्कारधानी के दूसरे लेखनी के धनी वरिष्ठ पत्रकार, जो इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं, ऐसे पत्रकारों की स्मृतियों को हमेशा यादों में संजोने के लिए एक उद्यान का निर्माण किया जाएगा। ये घोषणा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में की।

कला विथिका में जबलपुर पत्रकार संघ एवं प्रोफेशनली एजुकेटेड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (पेजा)की ओर से आयोजित संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अपने उद्बोधन में कहा कि काशीनाथ को याद करते हुए कहा कि काशीनाथ जैसे निर्भीक, निडर और बेबाक पत्रकार को आसानी से नहीं भुलाया जा सकता। अपनी लेखनी, तार्किक विचारों के जरिए वो हमेशा हम सबके साथ रहेंगे। संवाद कार्यक्रम में नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल के साथ वरिष्ठ पत्रकार

चैतन्य भट्ट, सच्चिदानंद शेकटकर, पंकज स्वामी, गंगाचरण मिश्र, पंकज शाह, संजीव चौधरी, विप्लव अग्रवाल, संजीव श्रीवास्तव, सुगन जाट, अंशु शर्मा, पवन पांडे, मयंक तिवारी, सुमन पुरोहित, संजय गोस्वामी, राजेश विश्वकर्मा पिन्टू, संजय साहू, अनुराग खरे, शुभम शुक्ला, सादिक खान, राजेश मालवीय, संजय मलिक, अमरजीत खरे ने भी काशीनाथ शर्मा के साथ अपनी यादों को साझा करते हुए कई संस्मरण सुनाए। इसके पहले समस्त अथितियों व पत्रकार साथियों ने काशीनाथ शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार गंगाचरण मिश्र, रविन्द्र दुबे, परितोष वर्मा, मतलूम अंसारी सहित अन्य ने समस्त पत्रकारों की ओर से महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू को सिविल लाइन्स स्थित इलाहाबाद चौक से साईं मंदिर तक मार्ग का नाम पंडित काशीनाथ शर्मा के नाम पर जाने को लेकर पत्र सौंपा। इस दौरान रिटायर्ड पुलिस अधिकारी राजेश तिवारी, सज्जाद सैफी, राधेश्याम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

निधन

श्री वीके गोपालकृष्णन नायर- आस्था रेसीडेंसी हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री वीके गोपालकृष्णन नायर (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री बाबू लाल रजक- नया मोहल्ला मढ़ाताल निवासी श्री बाबू लाल रजक (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कल्लू चौधरी- रविदास नगर बाबा टोला निवासी श्री भद्दी लाल चौधरी के पुत्र श्री कल्लू चौधरी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुनयना गिरी- प्रोफेसर कॉलोनी करमेता निवासी श्री सुरेंद्र गिरी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनयना गिरी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छोटी बाई केवट- लोधी मोहल्ला गोरखपुर शारदा टाकीज के पीछे निवासी श्री मोती लाल केवट की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई केवट (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रमेश चंद्र श्रीवास्तव- बृजनगर कॉलोनी शाजापुर निवासी श्री रमेश चंद्र श्रीवास्तव (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोनू चक्रवर्ती- इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री लालमन चक्रवर्ती के पुत्र श्री मोनू चक्रवर्ती (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री देवकी नंदन सोनी- खिरहनी फाटक कटनी निवासी श्री देवकी नंदन सोनी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गौरव सिंह लोधी- बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी श्री गौरव सिंह लोधी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जुगल किशोर पचौरी- संगम कॉलोनी बल्देवबाग निवासी श्री जुगल किशोर पचौरी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा अग्रवाल- शारदा चौक गंगासागर रोड निवासी श्री राम नरेश अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती उषा अग्रवाल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शिव प्रसाद बर्मन- शोभापुर गोकलपुर निवासी श्री शिव प्रसाद बर्मन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जीतेंद्र बेन- मदन मोहन मालवीय वार्ड निवासी श्री राजू बेन के पुत्र श्री जीतेंद्र बेन (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सोना बाई चौहान- आस्था परिसर राम नगर अधारताल निवासी श्री राम स्वरूप चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई चौहान (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश प्रसाद मौर्य- झिरिया कुआं आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री महेश प्रसाद मौर्य (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गुड्डी बाई बर्मन- गौरीघाट पुरानी बस्ती निवासी श्री छन्नू लाल बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती गुड्डी बाई बर्मन (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुन्ना लाल अधिकार- कांचघर शीतलामाई रोड निवासी श्री मुन्ना लाल अधिकार (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राजकुमारी दुबे- संस्कार सिटी सूरतलाई कटंगी रोड निवासी श्री सुरेद्र कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी दुबे (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जमनी मार्को- उदय नगर नं. 2 व्हीकल रोड निवासी श्री हल्कू सिंह मार्को की धर्मपत्नी श्रीमती जमनी मार्को (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री बाल किशन शर्मा- संजय नगर पोलीपाथर निवासी श्री बाल किशन शर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

खबर संक्षेप

रिलायंस इंफ्रा सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी नीत रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना कर रही है जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 2,061 से 2,165 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपये (करीब 11.86 अरब डॉलर) आंका गया है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 90.09 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपया सोमवार को 14 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.09 के भाव पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता जैसे कई दबावों के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है।

सीएट वैश्विक बाजार के लिए टायर बना रहा

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है।

सेबी ने किया मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा। नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है।

वारी सोलर अमेरिकाज इंक को मिला सौर पैनल का ठेका

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज की अमेरिकी इकाई वारी सोलर अमेरिकाज इंक को अमेरिका की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी सबांसी रिन्यूएबल्स से 288 मेगावाट के सौर पैनल का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी। वह शेयर बाजार को यह ठेका मिलने की जानकारी पांच दिसंबर को पहले ही दे चुका है। यह ठेका टेक्सास में दो बड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं, वाको स्थित पेपर सौर परियोजना और ब्रैशियर स्थित लकी-7 सौर परियोजना में बांटा गया है।

गिरता रुपया और एआई चिप की कमी से महंगा हो सकता है स्मार्ट टीवी व स्मार्टफोन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सितंबर 2025 में जीएसटी कट में कई प्रोडक्ट्स की कीमत कम हुई। इन प्रोडक्ट्स की लिस्ट में स्मार्ट टीवी भी हैं, जिन पर पहले 28 फीसदी जीएसटी लगता था। अब इन स्मार्ट टीवी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। जीएसटी कम होने के साथ ही स्मार्ट टीवी भी सस्ते हुए है, लेकिन अब इनकी कीमत बढ़ सकती है।

- पिछले चार महीने में एआई चिप की कीमतों में 6 गुना तक वृद्धि हो गई

स्मार्ट टीवी की कीमत बढ़ने की दो वजह हैं। एक तो स्मार्ट टीवी में इस्तेमाल होने वाले एआई चिप और दूसरा लगातार गिरता रुपया। दोनों ही वजह से टीवी की कीमत आने वाले दिनों बढ़ सकती है।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच चुका

चिप्स की सप्लाई भी बनी चुनौती

ऐसे में चिप्स की कमी को पूरा करने के लिए एआई डेटा सेंटर्स को डीडीआर3 और डीडीआर4 चिप्स भी सप्लाई किए जा रहे हैं। इसकी वजह से स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी मेकर्स को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर फ्लैश मेमोरी चीन से इंपोर्ट होती हैं। इनका इस्तेमाल टीवी, मोबाइल, लैपटॉप, फ्लैश ड्राइव और यूएसबी डिवाइसों में होता है।

मेमोरी चिप्स हुई महंगी : सीईओ ने बताया कि पिछले चार महीनों में मेमोरी चिप्स की कीमत 6 गुना तक बढ़ गई है। इसकी वजह से टीवी की कीमतों में जीएसटी कट की वजह से जो रियायतें मिली थी, वो खत्म हो सकती हैं। इसकी वजह से टीवी की मांग जो हाल में बढ़ी थी, उसे झटका लग सकता है।

फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज

दरअसल, पिछले कुछ वक्त से बाजार में फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज है। इसका असर सिर्फ टीवी के बाजार पर ही नहीं बल्कि स्मार्टफोन्स पर भी देखने को मिल रहा है। बीते कुछ दिनों में लांच हुए ज्यादातर फोन्स अपने पिछले वर्जन के मुकाबले काफी ज्यादा कीमत पर आए हैं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि डीडीआर3 और डीडीआर4 मेमोरी चिप्स की सप्लाई कम हुई है। इसकी वजह एआई डेटा सेंटर हैं। एआई डेटा सेंट्स में डीडीआर6 और डीडीआर7 चिप्स का इस्तेमाल होता है। लेकिन मांग बढ़ने से चिप मेकर्स सप्लाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

कमजोर होता रुपया

पहले बात करते हैं रुपया की, जो अपने निचले स्तर पर पहुंचा हुआ है। रुपया डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच गया है। जिन प्रोडक्ट्स को इंपोर्ट किया जाता है, उनकी कीमत पर इसका असर होगा। एसपीपीएल के सीईओ अवनीत सिंह मरवाह के अनुसार रुपये के गिरने और मेमोरी चिप्स की कीमत बढ़ने से जीएसटी का जो फायदा लोगों को मिला था, उसके पूरी तरह से खत्म होने का डर नजर आने लगा है।

वाहन डीलर संगठन फाडा ने दी जानकारी

मोटर वाहन की खुदरा बिक्री नवंबर में बढ़ी, पंजीकरण में दो फीसदी तेजी: फाडा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

त्योहारों के बाद मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही और नवंबर में पंजीकरण में सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे यात्री वाहनों, तिपहिया वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर की मजबूत मांग से बल मिला। वहान डीलर के संगठन फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, नवंबर 2024 में 32,31,526 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री बढ़कर 33,00,832 इकाई हो गई। पिछले साल दीपावली एवं धनतेरस अक्टूबर के अंत में पड़े थे और वाहनों का पंजीकरण नवंबर में हुआ था, जिससे बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

- त्योहारों के बाद खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही
- तिपहिया, वाणिज्यिक व ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही
- जीएसटी दरों में कटौती का फायदा ग्राहकों को मिला

त्योहारों के बाद भी बिक्री में तेजी जारी

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, ''जीएसटी दरों में कटौती और मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के डीलर द्वारा की जा रही खुदरा पेशकशों से ग्राहकों ने खरीद की योजना बनाई जिससे त्योहारों के बाद भी ग्राहकों की संख्या में लगातार बढ़ती रही।

यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 फीसदी बढ़ा

उद्योग निकाय के अनुसार, नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 प्रतिशत बढ़कर 3,94,152 इकाई हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3,29,253 इकाई से अधिक है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, विवाह संबंधी मांग, उच्च प्रतीक्षा वाले मॉडलों की बेहतर आपूर्ति और कॉम्पैक्ट एसयूवी से निरंतर बढ़ावा के कारण इस खंड में वृद्धि देखी गई।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में गिरावट

नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले साल की तुलना में तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रह गई। इस प्रकार, वाहनों का भंडार (स्टॉक) का समय 53-55 दिन से घटकर 44-46 दिन रह गया जो बेहतर मांग-आपूर्ति अनुशासन का संकेत है। नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रही।

कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी बिक्री रही

विभिन्न श्रेणियों में कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी खरीदारी हुई और नवंबर में भी ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी जारी रही।'' उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में त्योहारों के बाद की पारंपरिक मंदी को दरकिनार कर दिया गया तथा पिछले वर्ष के असामान्य रूप से उच्च तुलनात्मक आधार के बावजूद मजबूत प्रदर्शन किया गया।

ट्रैक्टर पंजीकरण में 57 फीसदी की वृद्धि

उद्योग निकाय ने बताया कि ट्रैक्टर पंजीकरण में पिछले महीने सालाना आधार पर 57 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह नवंबर 2024 की 80,507 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 1,26,033 इकाई रहा। फाडा ने कहा, '' अगले तीन महीनों में भारत की मोटर वाहन खुदरा बिक्री का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है, जिसे जीएसटी 2.0 कर युक्तिकरण, ग्रामीण आर्थिक संकेतकों में सुधार से निरंतर गति का समर्थन प्राप्त है...वहीं 74 प्रतिशत डीलर को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है....''

नए मॉडल की पेशकश में मांग बढने की उम्मीद

उद्योग निकाय ने कहा कि जनवरी में अपेक्षित मूल्य वृद्धि, 2026 में नए मॉडलों की पेशकश और विवाह संबंधी मांग से बिक्री को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही फसल से होनी वाली आय से ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा मांग मजबूत रहने की उम्मीद है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार लुढ़का, 1 दिन में 7.5 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से एक ही दिन में निवेशकों के 7.5 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक इस सप्ताह की फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। नायर ने कहा कि मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है।

- सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी 26 हजार के नीचे आया
- विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बना दबाव

इन शेयरों में रही गिरावट : सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय गिरावट हुई।

रिलायंस व एचडीएफसी में बढ़त दर्ज : टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

भारत अपने लिए लाभकारी स्रोतों से तेल खरीदने को आजाद: रूस

- भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने के नीति पर कायम

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा। अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, ''भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा।'' वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

भारत पश्चिमी दबाव से घटा रहा आयात

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेशिकन ने कहा, ''प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।''

टोरेंट पावर का एलएनजी खरीदने जेईआरए से करार...

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने जापानी कंपनी जेईआरए से 10 वर्षों के लिए सालाना 2.7 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद का समझौता किया है। गैस आपूर्ति की शुरुआत 2027 से होगी। बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि समझौते के तहत जेईआरए से मिलने वाली एलएनजी का रणनीतिक उपयोग टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) के 2,730 मेगावाट क्षमता वाले गैस-आधारित बिजली संयंत्रों (जीबीपीपी) को चलाने में किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करना, व्यस्त समय में समर्थन देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के संतुलन में मदद करना है। यह एलएनजी टोरेंट समूह की शहरी गैस वितरण कंपनी टोरेंट गैस लिमिटेड (टीजीएल) की बढ़ती जरूरतों को भी पूरा करेगा।

भारत की कारों में भी लागू हो जंग-रोधक सुरक्षा उपाय

- निर्यात की जाना वाली कारों में 70 फीसदी ज्यादा परतदार इस्पात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कारों के लिए जंग-रोधक उपायों के मामले में घरेलू और निर्यात बाजारों में बराबरी की जरूरत है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। इस समय भारत में जो वाहन निर्यात के लिए बनाए जाते हैं, उन्हें घरेलू बाजार में बेची जाने वाली कारों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत जंग-रोधक सुरक्षा मिलती है। विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में बनी और यूरोप, जापान, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका भेजी जाने वाली कारों में आमतौर पर 70 प्रतिशत या उससे ज्यादा परतदार इस्पात (गैल्वेनाइज्ड स्टील) होता है और इन पर 6-12 साल की जंगरोध की वारंटी होती है।

कमजोर मांग से सोना गिरकर 1,32,600 रुपए प्रति 10 ग्राम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्थानीय बाजारों में कमजोर मांग होने से सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतें 300 रुपये गिरकर 1,32,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। हालांकि, चांदी की कीमतें 1,500 रुपये बढ़कर 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गईं, जो लगातार दूसरे दिन की बढ़त दर्शाता है। पिछले कारोबार सत्र में यह 1,83,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना भाव 0.18 प्रतिशत बढ़कर 4,205.26 डॉलर प्रति औंस हो गया। मिराए एसेट शेयरखान के जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 10 दिसंबर को नीतिगत बैठक के पहले हाजिर सोना में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव देखा गया। यह लगभग 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,210 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।'

- सोने में आई 300 रुपए की मामूली गिरावट
- चांदी में आई 1500 रुपए की उछाल

कंपनी लगातार छठे वर्ष सूची में शीर्ष पर कायम रही

रिलायंस 'विजिकी न्यूजमेकर्स रैंकिंग' में शीर्ष पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक बार फिर भारतीय मीडिया में सबसे अधिक चर्चा में रहने वाली सूचीबद्ध कंपनी बन गई है। एक नवीनतम रिपोर्ट में यह सूची जारी की गई है। 'विजिकी न्यूजमेकर्स 2025 रैंकिंग' के मुताबिक, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक ने मीडिया में दृश्यता के मामले में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

यह लगातार छठा साल है जब रिलायंस ने इस रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस सूचकांक की शुरुआत से ही रिलायंस शीर्ष स्थान पर काबिज है। विजिकी ने एक बयान में कहा कि रिलायंस का समाचारों में बने रहने का 'स्कोर' पिछले कुछ वर्ष में लगातार बढ़ा है। यह 2021 में 84.9 से बढ़कर 2022 में 92.56, 2023 में 96.46, 2024 में 97.43 और 2025 में 97.83 हो गया है।

आकलन के लिए एआई का उपयोग

विजिकी के 'न्यूज स्कोर' को समाचार में किसी कंपनी या ब्रांड की दृश्यता मापने के लिए दुनिया का पहला मानकीकृत मापदंड माना जाता है। चार लाख से अधिक प्रकाशनों में ब्रांड की उपस्थिति का आकलन करने के लिए यह मंच कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग, बिग डेटा और मीडिया एनालिटिक्स का इस्तेमाल करता है।

रिलायंस का निरंतर प्रमुत्व : यह मीडिया में लगातार इसके चर्चा में बने रहने की क्षमता दर्शाता है। कंपनियों एवं ब्रांड की मीडिया में मौजूदगी पर नजर रखने वाली विजिकी की सह-संस्थापक आकृति भार्गव ने कहा कि रिलायंस का निरंतर प्रमुत्व एक 'अनुशासित संचार रणनीति' को दर्शाता है।

1700 से अधिक ब्रांड का किया गया विश्लेषण : वहीं जोमैटो, स्विगी और वन91 कम्युनिकेशंस (पेटीएम की मूल कंपनी) जैसी प्रौद्योगिकी-आधारित कंपनियां क्रमशः 11वें, 12वें और 13वें स्थान पर रहीं। वर्ष 2025 न्यूजमेकर्स रिपोर्ट में 1,700 सेअधिक ब्रांड के 30 करोड़ से अधिक 'डेटा पॉइंट्स' का विश्लेषण किया गया है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग जिला जबलपुर

क्रमांक/28/03/31-82/2024-25 जबलपुर, दिनांक 7/11/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल, आदेश दिनांक 12.11.2014 द्वारा जारी (आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति) के अनुसार कुण्डम विकासखण्ड में स्थित हिरन मध्य सिंचाई परियोजना के शीर्ष कार्य के डूब क्षेत्र में आंशिक रूप से प्रभावित बघराजी से कुण्डम मार्ग के एवज में बदुआ, कुसुआडबरा, कल्याणपुर, करनपुरा मार्ग में प्रभावित ग्राम - कल्याणपुर प.ह.न. - 0037, रा.नि.म. - कुण्डम, तहसील - कुण्डम, जिला जबलपुर के भू-धारकों से भूमि क्रय की जा रही है। जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

ग्राम: कल्याणपुर

सं. क्र.	भू-धारकों का नाम, पिता/पति का नाम	भूमि का विवरण		क्रय हेतु प्रस्तावित रकबा है. में	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन	रिमार्क
		खसरा	कुल रकबा है. में			
1	2	3	4	5	6	7
1	रामचरन पिता कुवर सेन	303	2.21	0.26	बघराजी से कुंडम मार्ग हेतु	
2	बेली बाई पिता सुम्मत सिंह	305	0.52	0.18	बघराजी से कुंडम मार्ग हेतु	
3	विशुन सिंह पिता चिप्पू सिंह	314/1	1.00	0.16	बघराजी से कुंडम मार्ग हेतु	
4	भगत सिंह वल्द कुवर सेन, महेश वा. कला बाई, पूना बाई नाबा, वल्द वली डगत सिंह	331	0.30	0.07	बघराजी से कुंडम मार्ग हेतु	
5	कतिया बाई पति रूपलाल, श्यामलाल, मुलाम, मैकू सिंह अधारी सिंह, लम्मू सिंह पिता रूपलाल गौंड	332	0.35	0.04	बघराजी से कुंडम मार्ग हेतु	
	कुल		4.38	0.71	-	

उपरोक्त नीति से क्रय की जा रही भूमियों के भूमि स्वामियों / हितबद्ध व्यक्ति को भूमि व उस पर स्थित अन्य परिसम्पतियों के हित के संबंध में अपनी कोई भी आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो मय अभिलेख की सूचना प्रकाशन के 15 (पंद्रह) दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अवकाश दिनांक को छोड़कर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है । नियत अवधि के बाद प्राप्त दावें / आपत्तियाँ मान्य नहीं की जावेगी।

1. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित भूमि के बारे में कोई भी भूमिस्वामी / हितबद्ध व्यक्ति प्रकाशन की जानकारी वेबसाइट www.jabalpur.nic.in एवं मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग, भोपाल की वेबसाइट www.mprevenue.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

2. भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी कुण्डम, कार्यालय में एवं कार्यपालन यंत्री हिरन जल संसाधन संभाग (पचपेढी) सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

मध्यप्रदेश के राज्यपालन के नाम से तथा आदेशानुसार (राघवेंद्र सिंह, (IAS)
कलेक्टर जबलपुर एवं पदेन अपर सचिव
G-22412/25 मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग, जिला - जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Tender ID 2025_UAD_466275_1 Pro-605 Date-08/12/2025	संभाग क्रं. 01 गढ़ा के अंतर्गत आने वाले शाही तालाब क्षेत्र में घाट एवं अन्य निमाण कार्य।	5.90 लाख 02 माह	2000/- 5900/-	24/12/2025

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

चिंतन

स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष बन गया था वंदे मातरम्

वंदे मातरम् भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जिसने करोड़ों लोगों को एकजुट किया। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि इसने लाखों भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरणादायक उद्घोष बन गया था। जिस मंत्र, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का स्मरण करना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। वंदे मातरम् केवल भारत का राष्ट्रीय गीत ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण भी है। यह बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्घोषणा है। इसने हमें याद दिलाया कि भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी एकता उसकी संस्कृति और सभ्यता से आती है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम् के 150 साल पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। वंदे मातरम् पर पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम्' अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था, उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कि पिछले दशकों में वंदे मातरम् के साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है। जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 150 वर्ष उस महान अध्याय और उस गौरव को पुनः स्थापित करने का अवसर है। मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि देश और सदन, दोनों को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई। अब संसद में इस पर चर्चा की जरूरत क्यों पड़ी। दरअसल, सरकार चाहती है कि वंदे मातरम् पर चर्चा से देश में राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का संदेश जाए। यह विषय जनता में भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करता है। बता दें कि वंदे मातरम् का प्रकाशन 1882 में हुआ और यह आनंद मठ के उपन्यास में शामिल हुआ। पहली बार इसे 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया और उस समय जल्द ही यह स्वतंत्रता आंदोलन का अनौपचारिक राष्ट्रगान बन गया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत सड़कों पर गूंजने लगा और इसने लोगों को एकजुट करने का काम किया। इसी गीत ने आजादी की तड़प को लोगों के दिलों में और मजबूत किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसी महान हस्तियों ने भी इसकी भावना को सराहा। 1950 में जब भारत गणराज्य बना, तो जन-गण-मन को राष्ट्रगान चुना गया, लेकिन वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। वंदे मातरम् का सम्मान करना चाहिए। इस गीत का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। यह गीत हमारी मातृभूमि की सेवा और उसकी एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, न कि विभाजन का।

शीत सत्र
अजीत लाड़

सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए, वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में समझना जरूरी है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है, किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है।

गतिरोध में थमती संसद की उत्पादकता

भारत की संसद का यह शीतकालीन सत्र ऐसे समय शुरू हुआ है जब देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और व्यापक नीतिगत निर्णयों के बीच खड़ा है। सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए। वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है। असहमति लोकतांत्रिक प्राण है। किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है। पिछले कुछ सत्रों का डेटा स्पष्ट संकेत देता है कि संसद अपेक्षित स्तर पर काम नहीं कर पा रही। 2024 के मानसून सत्र में लोकसभा अपने निर्धारित समय का मात्र 29 प्रतिशत चली और राज्यसभा 34 प्रतिशत। सूचीबद्ध प्रश्नों में से 419 प्रश्नों पर केवल 55 उत्तर प्राप्त हुए। 2024 का शीतकालीन सत्र भी औसत से कम रहा। इससे पहले भी 2023 का बजट सत्र और कई अन्य सत्र, विभिन्न विवादों और बाहरी रिपोर्टों को आधार बनाकर, लगातार बाधित होते रहे। कुछ मुद्दे बाद में तकनीकी रूप से संदिग्ध या अधूरे पाए गए, लेकिन तब तक संसद का अनमोल समय नष्ट हो चुका था। यह प्रवृत्ति किसी एक दल की आलोचना नहीं, यह बताने योग्य चेतावनी है कि राजनीति की मौजूदा शैली अधीर होती जा रही है और बहस की परंपरा कमजोर पड़ रही है।

संसद का हर मिनट लगभग लाखों रुपये खर्च करता है और यह राशि जनता के टैक्स से आती है। संसद का बाधित होना केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, यह आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग, नीति निर्माण की रुकावट और नागरिकों के विश्वास को कमजोर करने वाली स्थिति है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अनिवार्य है। वह सरकार को कठोर प्रश्न पूछकर जवाबदेह बनाता है, गलतियों का खुलासा करता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। फिर भी विपक्ष की शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह सदन के भीतर बहस में सक्रिय हो। नारे बहस की जगह नहीं ले सकते और शोर रणनीति का विकल्प नहीं हो सकता। इसके विपरीत, सरकार ने पिछले 11 वर्षों में यह दिखाया है कि नीति-निर्माण और सुधार उसकी प्राथमिकता है व संसद के बाधित होने के बावजूद वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्षम रही है। नए संसद भवन का निर्माण, संसद की कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण, कागज-रहित कामकाज, अप्रासंगिक 1576 कानूनों को हटाना और 421 बिलों को पारित कराना, यह सब किसी भी सरकार के लिए असाधारण उपलब्धियां हैं। यह कार्य ऐसे समय में संभव हुआ है जब लगभग हर सत्र में किसी न किसी मुद्दे पर व्यवधान पैदा हुआ। वर्तमान शीतकालीन सत्र में सूचीबद्ध 13 महत्वपूर्ण विधेयक देश की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे को सीधे प्रभावित करते हैं। परमाणु

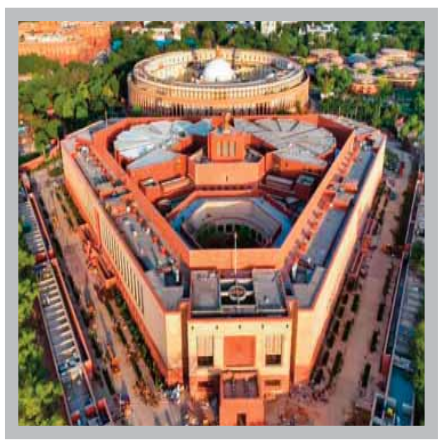

ऊर्जा प्रबंधन, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा आयोग, दिवालियापन प्रक्रिया सुधार, सिक्योरिटीज मार्केट कोड, राजमार्ग संशोधन, बीमा और कर संबंधी कानूनों में बदलाव। ये सभी ऐसे निर्णय हैं जो भारत की उभरती अर्थव्यवस्था को अगले दशक की दिशा देंगे। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर चर्चा क्यों नहीं हो पाती और सत्र बार-बार अवरोध का शिकार क्यों बनता है? आज भारत वैश्विक मंचों पर नीति-स्थिरता, सुधारवादी दृष्टि और प्रशासनिक दक्षता के कारण सम्मान प्राप्त कर रहा है। जब दुनिया ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई-चेन स्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक संतुलन की चुनौती देख रही है, भारत को अपनी नीतियों में त्वरित निर्णय और स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस संदर्भ में संसद का हर सत्र देश की सामरिक और आर्थिक दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण बन जाता है। ऐसे समय में अवरोध की राजनीति केवल घरेलू नीतियों को नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रति विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है। लोकतंत्र में बहस की संस्कृति केवल सत्ता बदलने का साधन नहीं, यह शासन की गुणवत्ता तय करती है। सरकार पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है, पर उन सवालों को प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी बहसों में उठाया जाना चाहिए, न कि हंगामे में खो जाने देना चाहिए। लोकतंत्र को शोर की जरूरत नहीं, जवाबदेही की जरूरत है। फिर भी यह मानना गलत होगा कि सारा दोष केवल एक प्रवृत्ति या समूह का है। भारत की राजनीति में टकराव स्वाभाविक है, और कभी-कभी भावनाएं उग्र भी हो जाती हैं। इन सबसे परे परिपक्व लोकतंत्र वे हैं जो उस उग्रता को नियंत्रित कर लेते हैं, उसे बहस में ढाल देते हैं और नीति-निर्माण को प्राथमिकता देते हैं। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसे भारत को और मजबूती से अपनाने की आवश्यकता है। सरकार को जनता ने लगातार इसीलिए समर्थन दिया है क्योंकि उसका जोर रोजमर्रा की राजनीति के शोर से ऊपर उठकर परिणामों पर रहा है। जनधन योजना, जीएसटी, दिवालियापन कानून, डिजिटल पेमेंट संरचना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, यूपीआई विस्तार, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य ढांचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्पष्ट नीति। ये वो सुधार हैं, जिन्होंने भारत की विकास दिशा तय की है। यही कारण है कि जनता सरकार से यह उम्मीद करती है कि वह अपनी नीतिगत प्रतिबद्धताओं पर मजबूती से आगे बढ़ती रहे और इस प्रक्रिया में विपक्ष का सहयोग या कम से कम, उसका संवैधानिक आचरण उतना ही आवश्यक है।

संसद का समय राष्ट्र का समय है। यह किसी दल या नेता का निजी परिसर नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा का केंद्र है। इसलिए संसद की गरिमा केवल भाषणों में नहीं, आचरण में दिखनी चाहिए। बहसें हों, कठोर सवाल उठें, सरकार घिरे, लेकिन यह सब प्रक्रिया के भीतर हो। जब संसद रुकती है तो देश रुकता है। जब कार्यवाही ठप होती है, तो भविष्य ठहर जाता है। भारत आज निर्णायक मोड़ पर है-आर्थिक उछाल, वैश्विक भरोसा, युवाओं की बढ़ती आकांक्षाएं और तकनीकी क्रांति। ये सब संकेत देते हैं कि आने वाला दशक भारत का हो सकता है। फिर भी यह तभी संभव है जब संसद अपनी मूल भूमिका में लौटे। बहस, तथ्य, नीति और राष्ट्रहित के आधार पर निर्णय हों। सरकार अपनी उत्पादकता बनाए रखे और विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निभाए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संतुलन में है। यही वह संतुलन है, जिसे इस सत्र में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अंततः लोकतंत्र की वास्तविक आवाज बहस में है, शोर में नहीं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
बाल मुकुन्द ओझा

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी है पूरी दुनिया

दुनिया के लगभग हर देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार की इस महामारी से विश्व मुक्त नहीं हो पाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है, इनमें एक दिवस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने की खातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत से अधिक है।

यह अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुंचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है, जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किए जाते हैं। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर चिंतन और मनन की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार अपराध है जो सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है।

भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है कि वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे, मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2024 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2023 में 93 और 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 96 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है, जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप पर है।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। एनसीआरबी और लोकल सर्कल इंडिया करप्शरन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेकख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मंत्री से लेकर संतरी और नेताओं तक पर भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे है। भ्रष्टाचार हमारे सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर कानून और दंड-व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक समाज एकजुट होकर भ्रष्टाचार पर हमला नहीं करेगा तब तक इस बीमारी को जड़मूल से समाप्त नहीं किया जा सकता।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

संकलित
दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्राओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्राओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर दें ध्यान

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया।

सटाका

आज की पाती

अन्याय कभी भी सहन मत करो

यदि आज हम किसी अन्य के साथ हो रहे अन्याय का विरोध नहीं करते, तो यकीन मानिए एक दिन हम स्वयं भी उसी अन्याय का शिकार अवश्य ही होंगे। यही समय है, यही पल, यही क्षण है। ये इंतजार कभी भी नहीं कीजिए, कि केवल हमारे ही साथ कहीं कभी अन्याय होगा, तभी हम किसी सड़ी हुई विकृत व्यवस्था का विरोध करेंगे। फिर उस वक्त व्यर्थ के रुदन, रोने-धोने से कोई लाभ, कोई सकारात्मक प्राप्ति होना अत्यंत ही कठिन या संभवतः असंभव हो सकता है। एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी, लगभग अन्याय के ही बराबर है। देश, समाज, दुनिया में कहीं एक जगह, किसी एक के साथ हो रहा अन्याय, हर जगह अन्याय होना भी माना जा सकता है। आम तौर पर लोग अन्याय का विरोध नहीं करते हैं, जिसके परिणाम भयंकर होते हैं। इसलिए अन्याय कभी भी सहन मत करो। – *पवन सोनी, धमतरी*

ट्रेंड

नई चेतना का संचार

'सुप्रभातम कार्यक्रम में मैं एक विशेष हिस्से की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। यह है संस्कृत सुभाषित। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत को लेकर एक नई चेतना का संचार होता है। यह है आज का सुभाषित।'
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मन को संतुष्टि मिली

'श्री हरमंदिर साहिब में शीश नवाने के बाद मेरे मन को संतुष्टि मिली। वाहेगुरु जी, आप अपनी कृपा दृष्टि सभी पर बनाए रखें।' मैं दिल्ली के लाल किले में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद शुक्रिया अदा करने आई हूं। -रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे

धरम जी, जन्मदिन मुबारक हो..आपको गए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। मैं धीरे-धीरे खुद को संभाल रही हूं। आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे" आपके साथ बिताई जीवन की 'खुशनुमा यादें' कभी मिट नहीं सकतीं। इन पलों को याद करके बड़ा सुकून व खुशी मिलती है। -हेमा मालिनी, सांसद

बेहतर महसूस कर रहा

मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे लगता है कि जिस दिन मैं यहां आया था, उस दिन से लेकर आज तक मैंने कौशल विकास और अभ्यास के कई सत्रों में हिस्सा लिया है। सीओई ने खेलने की अनुमति दे दी है। -शुभमन गिल, उपकप्तान, भारतीय टी20 टीम

करंट अफेयर

अमेरिकी रक्षा नीति में भारत से व्यापक संबंध बनाने पर जोर

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके। रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में 'भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।'

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है: यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ - और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है। कैफीन को हटाने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है: रासायनिक सॉल्वैंट्स, तरल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), या विशेष फिल्टर वाला सादा पानी। इन सभी प्रसंस्करण विधियों में आवश्यक अतिरिक्त कदमों के कारण डिकैफ़ कॉफ़ी अक्सर अधिक महंगी होती है। अधिकांश डिकैफ़ कॉफी विलायक-आधारित तरीकों का उपयोग करके बनाई जाती है क्योंकि यह सबसे सस्ती प्रक्रिया है। यह विधि दो और प्रकारों में विभाजित है: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष विधि में कॉफी बीन्स को भाप में पकाना और फिर उन्हें बार-बार एक रासायनिक विलायक (आमतौर पर मेथिलीन क्लोराइड या एथिल एसीटेट) में भिगोना शामिल है जो कैफीन से बंध जाता है और इसे बीन्स से निकालता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

संसद में वंदे मातरम पर तीखी बहस राजनाथ बोले

जन-गण-मन व वंदे मातरम मां भारती की दो आंखें, इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई और जिन्ना के चश्मे से भी देखा गया

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'कुछ लोग यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकते हैं कि जन-गण-मन और वंदे मातरम के बीच एक दीवार खड़ी की जा रही है। ऐसा नैरेटिव बनाने का प्रयास विभाजनकारी सोच है। जनता को सब जानना चाहिए

राष्ट्रगीत के साथ अन्याय किया गया, इसे दबाया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकते हैं कि जन-गण-मण और वंदे मातरम के बीच एक दीवार खड़ी की जा रही है। ऐसा नैरेटिव बनाने का प्रयास विभाजनकारी सोच है. जो लोग यह बात नहीं समझते है वह मां की ममता को भी नहीं समझ सकते. राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि जन-गण-मन और वंदे मातरम मां भारती की दो आंखें है। मां भारती के दो अमर सपूतों की किलकारियां हैं। वंदे मातरम का उदघोष किसी के खिलाफ नहीं है,बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। सिंह ने कहा वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। जन-गण-मण राष्ट्रीय भावना में बसी, लेकिन वंदे मातरम को दबाया गया। वंदे मातरम के साथ हुए अन्याय के बारे में हर किसी को जानना चाहिए। वंदे मातरम के साथ इतिहास का एक बड़ा छल हुआ। इस अन्याय के बावजूद वंदे मातरम का महत्व कभी कम नहीं हो पाया। वंदे मातरम स्वयं में पूर्ण है, लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। इसके साथ जो अन्याय हुआ, उसे जानना जरूरी है. क्योंकि देश की भावी पीढ़ी वंदे मातरम के साथ अन्याय करने वालों की मंशा जान सके।

इसने ब्रिटिश साम्राज्य को झुकाया

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम-इतिहास और वर्तमान से जुड़ा हुआ है। वंदे मातरम ने देश को जगाया है। ये सिर्फ बंगाल के चुनाव से नहीं जुड़ा है। वंदे मातरम ने ब्रिटिश साम्राज्य को झुकाया है।

ब्रिटिश हुकूमत लोगों के मानस से वंदे मातरम को नहीं निकाल सकी

संसद में वंदे मातरम पर बोलते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

राजनाथ ने कहा कि बंगाल विभाजन के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान वंदे मातरम की गूंज जनमानस में बैठी। ब्रिटिश हुकूमत ने इसके खिलाफ एक सर्कुलर जारी किया, लेकिन फिर भी ब्रिटिश हुकूमत लोगों के मानस से वंदे मातरम को नहीं निकाल सकी। 1906 में जब पहली बार भारत का पहला झंडा बनाया गया, तब उसके मध्य में वंदे मातरम लिखा था। वंदे मातरम नाम से अखबार भी था।

जन गण मन और वंदे मातरम मां भारती के दो सपूतों की किलकारियां

सिंह ने कहा कि मां अपने बच्चों में कोई भेदभाव नहीं करती। जन गण मन और वंदे मातरम-भारत माता के दो सपूतों की किलकारियां हैं। उन्होंने बताया कि ये दोनों गीत न केवल देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी लोगों को एकजुट करने का काम करते रहे। ये भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय भावना की आत्मा हैं, जो हर भारतीय के दिल में गर्व और प्रेम की भावना जगाते हैं।

इन्होंने भी कहा

जिन्ना को इससे नफरत थी और पंडित नेहरू झुक गए थे : रविशंकर

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में संबोधन पर कहा कि आज भारत की संसद में एक बहुत ऐतिहासिक बहस हुई है। वंदे मातरमम की विरासत को प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत विस्तार से बताया है। पूरे देश को यह सीखने और समझने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पावन राष्ट्रभक्ति के भाव के इस गीत को इसलिए तोड़ा गया क्योंकि मोहम्मद अली जिन्ना को इससे नफरत थी और पंडित नेहरू झुक गए थे।

राहुल के नदारद रहने पर उठे सवाल

मुस्लिम लीग के आगे समर्पण किया

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अहम चर्चा के वक्त सदन में मौजूद नहीं थे, क्योंकि उनके मन में अपराधबोध है। प्रधानमंत्री ने भी कांग्रेस के रुख पर कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम के साथ विश्वासघात किया और मुस्लिम लीग के आगे समर्पण किया।

विपक्ष से बोले गोगोई

कांग्रेस ने वंदे मातरम को उसकी अहमियत दी

सदन में कांग्रेस के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह आदत है कि जब भी वह किसी मुद्दे पर बोलते हैं तो भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और कांग्रेस का जिक्र करते रहते हैं।ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान उन्होंने नेहरू का नाम 14 बार और कांग्रेस का नाम 50 बार लिया। जब संविधान की 75वीं सालगिरह पर चर्चा हुई, तो नेहरू का नाम 10 बार और कांग्रेस का नाम 26 बार लिया गया। गोगोई ने कहा कि अगर किसी राजनीतिक पार्टी ने वंदे मातरम को वह अहमियत दी जिसका वह हकदार था, तो वह कांग्रेस थी। उनकी पार्टी ने यह पक्का किया कि इसे सिर्फ एक राजनीतिक नारे के तौर पर न देखा जाए।

यह सिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने वंदे मातरम ने देश को एक किया और आज़ादी की लड़ाई में जान डाली। सत्ता पक्ष हर चीज पर कब्जा करना चाहता है। यादव ने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि इसका पालन करने के लिए है।

ठाकरे कहते थे- देश में रहना है तो: बरने

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के सांसद बरने ने बालासाहेब ठाकरे के बयान से अपने वक्तव्य की शुरुआत की। बकौल बरने, 'बालासाहेब कहते थे, अगर इस देश में रहना है तो वंदे मातरम कहना होगा। बाला साहेब ठाकरे गर्व से कहते थे हम हिंदू हैं, इस पर भी हमें गर्व है।

अनुराग ने भी विपक्ष को घेरा

'वंदे मातरम सिर्फ गीत नहीं, राष्ट्रीय प्रेम की रीत है, इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है

हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से निर्वाचित भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आज की चर्चा ऐतिहासिक दस्तावेज की तरह बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि ये कोई धार्मिक गीत नहीं, ये राष्ट्र की आत्मा और भारत के गौरव का गीत है। ये देश की संस्कृति और विरासत का प्रतीक है।

कांग्रेस के अधिवेशन में यह इस्लाम विरोधी नहीं था तो अब कैसे हो गया?

वंदे मातरम के काटे गए हिस्सों और इसके इतिहास का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा कि यह उतना ही पवित्र है, जितना, गीता, बाइबल और कुरान है। ठाकर ने कहा, अगर 1896 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में वंदे मातरम इस्लाम विरोधी नहीं था तो बाद में यह कैसे हो गया?

जिन्ना के मुन्ना को भी वंदे मातरम से दिक्कत?

ठाकुर ने कहा है कि वंदे मातरम राष्ट्र भक्तों के लिए ऊर्जा का स्रोत है, लेकिन कुछ लोगों को इससे एलर्जी है। मैं 150 वीं जयंती पर इतना ही कहूंगा, कि अंग्रेजों को वंदे मातरम से दिक्कत थी, जिन्ना को वंदे मातरम्म से दिक्कत थी, जिन्ना के मुन्ना को भी इससे दिक्कत है? इसकी कुछ पंक्तियों को क्यों हटाया गया?

शरद पवार की पार्टी के सांसद ने क्रांतिकारियों को याद किया

सांसद मुरलीधर एनसीपी (शरद पवार) गुट के सांसद ने मराठी भाषा में कहा कि आजादी के आंदोलन में इसका योगदान कभी न भूलने वाला है। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ देशवासियों को एकजुट करने में इसने बड़ी भूमिका निभाई है।

खबर संक्षेप

बंगाल में सर के लिए 5 विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची की विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआईआर को और

पारदर्शी व सख्त निगरानी वाली बनाने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने राज्य के डिवीजनों में 5 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, ताकि सर से जुड़े काम नियमों के हिसाब से हों।

उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेता दिल्ली तलब

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल,

हरीश रावत, हरक सिंह रावत, प्रीतम सिंह, यशपाल आर्य और करन महारा दिल्ली बुलाए गए हैं। इनकी आलाकमान के साथ मीटिंग होगी। चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह ने सिखों को लेकर विवादित टिप्पणी की थी।

साइको रेप के आरोपी का हाफ एनकाउंटर

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में पुलिस ने रेप के साइको आरोपी का एनकाउंटर

किया है। आरोपी का क्राइम ब्रांच टीम ने एनकाउंटर किया है। पुलिस ने पैर में गोली मारी है। आरोपी पुलिस कांस्टेबल भरत भाई राठौड़ पर हमला किया। इसी दौरान उसके पैर में गोली मारी गई। मोइनुद्दीन ने भागने की कोशिश की थी।

ट्रंप के नाम पर सड़क का नाम रखेंगे रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद की एक सड़क का नाम अमेरिका के

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। तेलंगाना के सीएम का यह फैसला तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां पाने की कोशिश लग रहा है। इसे लेकर सीएम रेड्डी विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य भविष्य निधि पर सुनाया अहम फैसला

दिवंगत कर्मचारी की जीपीएफ राशि पत्नी-मां में बराबर बांटी जाए, पूर्व का नामांकन 'अमान्य'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भले ही पति की मां को नामित किया गया हो, परिवार को परिभाषित

सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला की याचिका स्वीकार कर ली। महिला ने कहा कि उसके दिवंगत पति की नौकरी के दौरान जमा हुई सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की रकम उसे मिलनी चाहिए, भले ही पति की मां को ही नामित किया गया हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जब कोई कर्मचारी परिवार बनाता है (जैसे शादी हो जाती है), तो पहले भरा गया नामांकन फॉर्म अपने-आप मान्य नहीं रहता। अगर कर्मचारी ने परिवार बनने से पहले किसी को नामित किया था, तो वह नामांकन बाद में वैध नहीं माना जाता। ऐसी स्थिति में रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बराबर हिस्से में बांटी जानी चाहिए।पीठ ने कहा कि हालांकि, दिवंगत कर्मचारी ने अपनी मां को नामित किया था, लेकिन नामांकन फॉर्म में मौजूद शर्तों के अनुसार कर्मचारी की मृत्यु के समय वह नामांकन मान्य नहीं रह गया।अदालत ने यह भी साफ कहा कि जीपीएफ का नामांकन फॉर्म या उसमें भरा गया कोई भी हिस्सा, मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं देता।

शादी के बाद भरा गया फॉर्म मान्य नहीं हो सकता

अदालत ने यह भी कहा- मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं

नामांकन अमान्य तो सभी सदस्यों में वितरण होना चाहिए

पति ने 2003 में अपनी पत्नी (याचिकाकर्ता) से शादी की। शादी के बाद उसने कई अन्य नौकरी से जुड़ी सुविधाओं में पत्नी को ही लाभ लेने वाला (नॉमिनी) बनाया, लेकिन जीपीएफ वाले नामांकन में बदलाव नहीं किया और वह पहले जैसा ही बना रहा। शीर्ष अदालत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रासंगिक नियम वास्तव में यह प्रावधान करते हैं कि जब कोई नामांकन अमान्य हो जाता है, तो राशि सभी पात्र सदस्यों के बीच वितरित की जानी चाहिए।

उन्होंने नामांकन बदलने की कोई कोशिश नहीं की

अदालत ने यह स्पष्ट किया कि अगर नामांकन अमान्य हो जाए, तो जीपीएफ की रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बांटी जाती है। अदालत ने यह भी कहा कि पति के पास 2003 में शादी होने से लेकर 2021 में

पत्नी आधी रकम पहले ही प्राप्त कर चुकी

कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं होती कि वे नामांकन बदलने या रद्द करने के लिए याद दिलाएं। यह कर्मचारी का अपना कर्तव्य है। नियमों में साफ बताया गया है कि उसके बाद परिवार के जीवित सदस्यों में पैसा कैसे बांटा जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को आधी रकम पहले ही मिल चुकी है।

कार में बैठकर वकालत नहीं हो सकती, वकीलों के लिए क्यूबिकल का आदेश दिया

कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि कोर्ट परिसरों में वकीलों के लिए ऐसे क्यूबिकल उपलब्ध कराए जाएं, जहां से वे आराम से वर्चुअल सुनवाई में शामिल हो सकें। कोर्ट ने ये बात तब कही जब उसे पता चला कि कई वकील मजबूरी में अपनी कारों में बैठकर ही ऑनलाइन सुनवाई में जुड़ रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश श्रीचंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए. अखंड की पीठ राज्य में चल रही स्थानीय निकाय चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पूरे महाराष्ट्र से 100 से ज्यादा याचिकाएं मुख्य न्यायाधीश की बेंच पर भेजी गई हैं ताकि अलग-अलग आदेश न निकलें। इसलिए अलग-अलग जिलों के वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बहस कर रहे हैं।

कार में बैठकर कोर्ट को एड्रेस नहीं कर सकते

एक वकील कार में बैठकर ऑनलाइन पेश हुए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ये कार में बैठा कौन है? आप लॉग ऑफ करिए। इस पर वकील ने तुरंत कनेक्शन बंद कर दिया, लेकिन कुछ देर बाद नागपुर की एक वकील भी कार में बैठकर ऑनलाइन जुड़ीं। तब पीठ ने फिर कहा आप कार में बैठकर कोर्ट को संबोधित नहीं कर सकतीं।

क्या वकीलों के लिए क्यूबिकल नहीं है?

पीठ ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या वकीलों के लिए ऑनलाइन पेश होने का कोई क्यूबिकल नहीं है? कोई जगह होनी चाहिए। आमतौर पर बार असोसिएशन यह सुविधा देता है.।कुछ क्यूबिकल होने चाहिए। राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त सरकारी वकील नेहा भिड़े ने बताया कि मुंबई में अलग से जगह नहीं है।

गोवा नाइट क्लब हादसा

फुकेट भागे आरोपी, चालक अरेस्ट पुलिस इंटरपोल की ले रही मदद

मालिक का चालक भरत अरेस्ट, करता था प्रबंधन

एजेंसी ▶▶ पणजी

गोवा के एक नाइट क्लब में भीषण आग लगने की घटना के मामले में दिल्ली से एक गिरफ्तारी हुई है। इस अग्निकांड में 25 लोगों की जान चली गई थी। राज्य पुलिस ने दिल्ली से नाइट क्लब के एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है। यह गिरफ्तारी मामले की जांच में एक नया मोड़ ला सकती है।

हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान भरत कोहली के रूप में हुई है, जो दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके का निवासी है। कोहली पर उसके दैनिक संचालन की देखरेख की जिम्मेदारी थी। पुलिस के मुताबिक, घटना के तुरंत बाद दो मुख्य आरोपी गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा देश से बाहर चले गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए अब इंटरपोल की सहायता ली जा रही है, जबकि एक अन्य आरोपी भारत कोहली को दिल्ली से पकड़कर ट्रांजिट रिमांड पर गोवा लाया गया है।

अब तक कई आए लपेट में

इस मामले में गोवा पुलिस पहले ही कई गिरफ्तारियां कर चुकी है। गिरफ्तार किए गए लोगों में क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और गेट प्रबंधक रियांशु ठाकुर शामिल हैं। अब कोहली की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच मालिक ने वीडियो भेजकर घटना पर दुख जताया है, लेकिन वह फरार है।

4 आरोपियों को 6 दिन की हिरासत

अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक (49 वर्षीय, निवासी आर.के. पुरम, नई दिल्ली), महाप्रबंधक विवेक सिंह (27 वर्षीय, निवासी जौनपुर, उत्तर प्रदेश), बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया (32 वर्षीय, निवासी गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) और गेट प्रबंधक प्रियांशु ठाकुर (32 वर्षीय, निवासी मालवीय नगर, नई दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। चारों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

2 अन्य क्लब और ढाबा पर भी कार्रवाई

उत्तर गोवा जिला प्रशासन ने वैगेटर और असागाओ में स्थित रोमियो लेन चेन के दो अन्य क्लब और एक तटीय ढाबा भी बंद कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि इन दोनों संपत्तियों पर भी कार्रवाई की गई क्योंकि ये विवादों में शामिल थीं।

नवजोत ने '500 करोड़' पर दी सफाई

मेरे 'बयान' को तोड़ा-मरोड़ा गया पार्टी ने सदस्यता से किया सस्पेंड

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

कांग्रेस की नेता नवजोत कौर सिद्धू ने 'मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपए' वाले बयान पर राजनीतिक विवाद

खड़े होने के बाद सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। नवजोत को पार्टी से संस्पेंड कर दिया गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राइमरी सदस्यता से सस्पेंड कर दिया गया है।

नवजोत ने यह कहा था

नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत ने श कहा था कि जो 500 करोड़ रुपए का 'सूटकेस' देता है, वही मुख्यमंत्री बन जाता है। कौर ने शनिवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा था कि अगर कांग्रेस उन्हें पंजाब में पार्टी का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करती है, तो उनके पति सक्रिय राजनीति में लौट आएंगे।

कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद का शिलान्यास किया

मुस्लिम व्यापारी ने 80 करोड़ देने को कहा, 11 बक्से भरे नोट मिले

नकद दान में एकत्र मुद्राओं का सही मूल्य निर्धारित नहीं किया गया

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद का शिलान्यास किया था। मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के लिए दान में मिले नोटों के ढेरों की गिनती का एक वीडियो कबीर द्वारा अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट किए जाने के बाद काफ़ी चर्चा में है। इतनी रकम देने वाले का नाम नहीं बताया। कबीर ने बताया कि प्रस्तावित मस्जिद का बजट 300 करोड़ है।

मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में होगा निर्माण

चंदे की गिनती की जा रही

यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर इतने पैसे कहां से इकट्ठा किए गए? कबीर ने बताया कि प्रस्तावित मस्जिद की आधारशिला रखे जाने के दिन शनिवार से स्थानीय निवासियों से नकद दान के रूप में नोटों से भरे 11 बक्से एकत्र किए गए हैं। नकद दान के रूप में एकत्र की गई मुद्राओं का सही मूल्य अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है। चंदे की गिनती हो रही है।

सोशल मीडिया के जरिए लगभग 93 लाख मिले

कबीर ने बताया कि ऑनलाइन चंदा भी आया है। एक क्यूआर कोड के ज़रिए लगभग 93 लाख मिले हैं। कबीर ने अनाम दानदाता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, जिसने लगभग 80 करोड़ देने का वादा किया है। उन्होंने उस व्यक्ति का नाम सिर्फ़ एक मुस्लिम व्यवसायी बताया।

कबीर का यू-टर्न, अब नहीं दूंगा इस्तीफा

बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद का शिलान्यास कर राजनीतिक हलचल मचाने वालेकबीर नचौंकाने वाला यू-टर्न ले लिया। कुछ दिन पहले 17 दिसंबर को इस्तीफा देने का एलान कर चुके कबीर ने अब कहा है कि वह विधायक पद से इस्तीफा नहीं देंगे।मेरे इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं। मेरे क्षेत्र के लोगों ने मुझसे इस्तीफा न देने की अपील की है।

जबलपुर से अयोध्या धाम के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना

19 कोचों में उमड़ा आस्था का सैलाब

जबलपुर। संस्कार सेवा उत्सव समिति द्वारा आयोजित अयोध्या धाम विशेष ट्रेन यात्रा मंगलवार दोपहर भक्तिमय माहौल के बीच मदन महल स्टेशन से रवाना हुई। 19 कोचों में सवार 1520 श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ यात्रा का शुभारंभ किया। दोपहर 2:30 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-4 से विशेष ट्रेन अयोध्या के लिए प्रस्थान कर गई। स्टेशन पर यात्रियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि अयोध्या पहुंचने पर श्रद्धालु होटल में विश्राम के बाद श्रीराम जन्मभूमि (रामलला विराजमान), हनुमानगढ़ी और सरयू घाट के दर्शन करेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए संपूर्ण व्यवस्था की गई है। हर कोच में सेवाधारी तैनात हैं। भोजन, नाश्ता और चाय उपलब्ध रहेगी। यात्रियों को कंबल, चादर और तकिया सहित वेलकम किट प्रदान की गई। ठंड को देखते हुए गर्म कपड़े रखने की सलाह दी गई है।

समिति के संरक्षक डॉ. सुधांशु गुप्ता ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सहज वातावरण में आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करना है। विशेष ट्रेन 9 दिसंबर सुबह 10 बजे अयोध्या पहुंचेगी और दर्शन-पूजन के बाद उसी दिन रात 10:30 बजे वापसी होगी। परम पूज्य श्री चैतन्य नंदजी महाराज, प्रशांत सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक नीरज सिंह, अभिलाष पांडे, जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू ब्रिज, पार्षद कमलेश अग्रवाल, पूर्व विधायक हरेंद्र सिंह बब्बू, समरसता सेवा संगठन के संदीप जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आई ड्राप लेकर पहुंचे निगम कार्यालय, जमकर की नारेबाजी

सपा ने निगमायुक्त के खिलाफ किया अनोखा प्रदर्शन

जबलपुर। नगर निगम कार्यालय में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अस्पतालों में फायर सेफ्टी और कमर्शियल बिल्डिंगों में फर्जी एनओसी को लेकर निगमायुक्त कि खिलाफ प्रदर्शन कर ज्ञापन के साथ आई ड्राप सौंपा। इस दौरान प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार से जबलपुर में अस्पतालों के द्वारा फर्जी एनओसी के तहत फायर सेफ्टी बताकर अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं, वह मरीजों की सुरक्षा और उनकी जान के साथ खिलवाड़ है। पूर्व में भी जबलपुर में अस्पताल में आग लगने की वजह से आठ लोगों की जान जा चुकी है, इसके बावजूद नगर निगम फायर सेफ्टी विभाग और स्वास्थ्य विभाग जमीनी स्तर पर जांच नहीं कर रहा है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं न कहीं नगर निगम की संलिप्तता इसमें है। समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि जमीनी स्तर पर जाकर मॉकड्रिल की जाए, जिससे पता चल जाएगा कि किस तरह से वे अस्पताल फर्जी एनओसी के जरिये संचालित किए जा रहे हैं। सपा ने चेताया कि यदि निगम अधिकारी मौके पर पहुंचकर अस्पतालों की जांच नहीं करते, तो समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता स्वयं जाकर मॉकड्रिल करेंगे। वहीं जबलपुर मार्केटों में लगातार आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं जिसको लेकर सपा के प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा ने कहा कि कमर्शियल बिल्डिंग रहवासी बिल्डिंग, अपार्टमेंट्स जैसे अनेक बिल्डरों द्वारा निर्मित कर दी गईं लेकिन इनमें पानी तो छोड़िए हवा तक सही नहीं आती, अगर भविष्य में कोई अग्नि दुर्घटना होती है तो भारी जनमानस को भारी नुकसान होगा। ज्ञापन के दौरान प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कमलेश पटेल, अभिषेक शर्मा, दीपेन्द्र दुबे, रंजीत सिंह, राम पटेल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा में रादुविवि कुलपति की नियुक्ति पर उठे सवाल, मंत्री के जवाब से बढ़ी शंकाएं

भोपाल/जबलपुर। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में जबलपुर पूर्व के विधायक लखन घनघोरिया द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा की नियुक्ति पर उठाए गए प्रश्नों ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। नियम 138(1) के तहत दी गई ध्यानाकर्षण सूचना में प्राध्यापक पद पर नियुक्ति से जुड़े योग्यता मानदंड, शोध कार्य, अनुभव, तथा 2011 में जारी शुद्धिपत्र की वैधता पर गंभीर सवाल उठाए गए, लेकिन उच्च शिक्षा मंत्री इन मुख्य बिंदुओं पर स्पष्ट उत्तर देने से बचते दिखे। विधायक ने पूछा था कि क्या प्रो. वर्मा 2009 के विज्ञापन और UGC मार्गदर्शिका में निर्धारित "प्रमुख विद्वान" की शर्तों शोध प्रकाशन, परियोजनाएँ, शोध निर्देशन को पूरा करते थे? लेकिन मंत्री का उत्तर केवल "17 वर्ष 7 माह का अनुभव" बताने तक सीमित रहा। इसी तरह 1998 में सहायक प्राध्यापक नियुक्ति के समय शासन की अनिवार्य स्वीकृति के दस्तावेज और 2011 में जारी शुद्धिपत्र के कानूनी आधार पर भी कोई उत्तर नहीं दिया गया। विधायक ने यह भी पूछा था कि शुद्धिपत्र से पहले और बाद में कितने अभ्यर्थी पात्र बने, पर मंत्री ने संख्याएँ बताने से भी परहेज किया। मंत्री के इन सामान्यीकृत उत्तरों से सरकार की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न और गहरा हो गया है। विधायक घनघोरिया द्वारा उठाए गए कई तथ्यात्मक सवाल अब भी अनुत्तरित हैं, जिससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर नई बहस छिड़ गई है।

मोरारी बापू महापौर को आशीर्वाद देने परिजनों के बीच पहुंचे

जबलपुर। संस्कारधानी के प्रथम सेवक और महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के निवास पर उस समय एक अत्यंत पावन और अविस्मरणीय क्षण आया, जब विश्व प्रसिद्ध राम कथा वाचक परम पूज्य संत स्वामी मोरारी बापू उनके आग्रह पर महापौर को आशीर्वाद देने उनके परिजनों के बीच मदन महल स्थित निज निवास पहुँचे। महापौर श्री अन्नू ने बताया कि आज का यह पल मेरे व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन दोनों के लिए गौरव का पल है। महापौर ने अपने संपूर्ण परिवार के साथ परम पूज्य संत स्वामी मोरारी बापू का स्वागत किया और उनकी विधिवत आरती की। इस दौरान महापौर और उनके परिजनों ने बापू से पावन आशीर्वाद प्राप्त किया।

संत रविदास समाज के साहसी लोगों ने पूना के राजा को किया था पराजित

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 07 दिसम्बर को लालमाटी झामनदास चौक खेरमाई मंदिर में मंच की सभा संपन्न हुई। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सन 1818 को 01 जनवरी को पूना के राजा से भीमा नदी के पास महायुद्ध हुआ, जिसमें पूना के राजा के 28000 सैनिकों को संत रविदास समाज के 500 लोगों ने पराजित कर दिया था। अतः इस जीत की खुशी में संत रविदास के अनुयाइयों को चाहिए कि वे 01 जनवरी को अपने पूर्वजों की याद में अपने घरों में दीप प्रज्वलित करें। सभा में धर्मेन्द्र सतनामी, मोहनलाल चौधरी, ब्रजलाल चौधरी, तुलसीराम चौधरी, मनोज कुमार, कंधीलाल, चंदाबाई, रामकली, रामबाई, सियाबाई, द्रोपदीबाई, मीना चौधरी, श्यामा बाई, सीता चौधरी सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

आईएएस संतोष वर्मा के बयान पर ब्राह्मण समाज ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। ब्राह्मण समाज ने आईएएस संतोष वर्मा द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में गोरखपुर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। संपूर्ण ब्राह्मण मंच के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट उत्कर्ष श्रीवास्तव को सौंपा गया। मंच अध्यक्ष डॉ. आलोक पांडेय और संरक्षक अवधेश कुमार मिश्र ने मांग की कि सरकार संतोष वर्मा को पद से बर्खास्त कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज पर अपमानजनक टिप्पणी रोकने हेतु कठोर कानून बनाया जाना चाहिए। कार्यक्रम में महिला प्रतिनिधियों ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संतोष वर्मा के सामाजिक बहिष्कार की मांग की। आयोजन में अवधेश मिश्र, सुमन तिवारी, डॉ. कुमुद त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

जुए के 2 फड़ों पर छापा

जबलपुर। बरगी पुलिस ने तिन्सी रेलवे फाटक के पास रेल पटरी के किनारे चल रहे दो जुए के फड़ों पर छापा मारकर 6 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 23 हजार 60 रुपए जब्त किए है। बरगी थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी हेमंत कुमार ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर तिन्सी रेलवे फाटक के पास रेल पटरी किनारे दो जुए के फड़ों पर छापा मारकर जुआड़ी विनीत पटेल, रोहित जायसवाल, फूलचंद तिवारी, राकेश पटेल, गोपाल स्वामी , शेख अकरम को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के पत्ते एवं नगदी 23 हजार 60 रूपये जप्त कर सभी जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

अक्टूबर की तुलना में नवंबर का बिजली बिल बढ़ा

जीएसटी 2.0 लागू होने तथा कोयले पर सेस हटने से भी बिजली सस्ती नहीं हुई

जबलपुर। केन्द्र सरकार ने 22 सितंबर से कोयले पर जीएसटी 05 प्र.श. से बढ़ाकर 18 प्र.श. की, लेकिन कोयले पर वर्तमान में लगने वाला 400 रुपये प्रति टन सेस हटा दिया। परिणामस्वरूप बिजली उत्पादन में लागत घटेगी तथा इस बचत से फ्यूल सरचार्ज में कमी आने से बिजली सस्ती होगी, यह उम्मीद थी, इसका असर दो माह बाद ही दिखेगा क्योंकि फ्यूल सरचार्ज दो माह पूर्व के आंकड़ों पर तय किया जाता है।

लेकिन पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा दो माह पूर्व के सितंबर के आधार पर नवंबर के फ्यूल चार्ज को तय कर जब 28 नवंबर को सर्कुलर जारी किया तब स्पष्ट हुआ की जीएसटी 2.0 लगने तथा कोयले से सेस हटाने के बावजूद भी बिजली सस्ती नहीं हुई, नवंबर का फ्यूल सरचार्ज अक्टूबर की तुलना में घटा नहीं, बल्की बढ़ गया है। डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि नियामक आयोग द्वारा निर्धारित टैरिफ के आधार पर यदि उपभोक्ता 1000 रु. प्रति माह बिल देता है, तो उसे अक्टूबर के मायनस 4.73 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज के कारण 953 रुपये का भुगतान करना पड़ा, जबकि अब नवंबर में मायनस 2.23 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज के कारण 978 रुपये देना पड़ेगा। स्पष्ट है उसे 25 रुपयों का नुकसान होगा। प्रदेश सरकार जाँच कराये। जनसंगठनों के रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, टी.के. रायघटक, डी.के. सिंग, डी.आर. लखेरा, संतोष श्रीवास्तव, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, राममिलन शर्मा ने प्रदेश सरकार से जाँच कर आवश्यक कदम उठाने की मांग की है ताकि जीएसटी 2.0 तथा कोयले से सेस हटाने का लाभ उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं पहुँचा, यह वस्तुस्थिति सामने आ सके।

विद्युत मंडल अभियंता संघ की बैठक संपन्न, मांगे नहीं मानी तो होगा आंदोलन

जबलपुर। हरिभूमि। विद्युत मंडल अभियंता संघ की केंद्रीय और क्षेत्रीय कार्यकारिणी की बैठक संघ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में फिजिकल और ऑनलाइन माध्यम से सभी क्षेत्रों के पदाधिकारी एवं अभियंता बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में महासचिव विकास कुमार शुक्ला ने वर्तमान परिस्थितियों, बढ़ते असंतोष और अभियंताओं पर दबाव को रेखांकित करते हुए प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में ट्रांसमिशन कंपनी में TBCB प्रणाली और वितरण कंपनियों में Electricity Amendment Bill 2025 के जरिए हो रहे निजीकरण का विरोध करने का निर्णय लिया गया। साथ ही 50% बिजली रिबेट, सोलर रूफटॉप स्कीम लागू करने, O-3 आदेश को विलोपित करने, लाभांश से इंसेंटिव, Technical Allowance, Higher Pay Revision, Stipend Difference और पूर्व/मध्य क्षेत्रों को जनवरी 2010 से छठवां वेतनमान देने की मांग प्रमुख रही। बैठक में विद्युत कालोनियों में 50 वर्ष से अधिक पुराने और जर्जर आवासों को तोड़कर आधुनिक आवास बनाने तथा भ्रष्टाचार के मामलों पर विशेष चर्चा की गई। महासचिव ने कहा कि भ्रष्टाचार कंपनियों को खोखला कर देगा और संघ इस पर तथ्य एकत्र कर कार्रवाई करेगा। श्री विकास कुमार शुक्ला ने सभी से आव्हान किया कि अपने-अपने क्षेत्र में अभियंताओं को इन मुद्दों से अवगत कराएं और सभी मिलकर समाधान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। बैठक में सैकड़ों पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे और आगामी कार्ययोजना में सक्रिय योगदान का संकल्प लिया गया।

कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ। 24 नवम्बर से चल रहे इस द्वि-साप्ताहिक कार्यक्रम में छात्रों को महाविद्यालय के नियम, अनुशासन, नैतिक दायित्व, शैक्षणिक गतिविधियाँ, विभागों व प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और विश्वविद्यालय की अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेष अतिथि प्रो. एन. के. गोंटिया (भूतपूर्व कुलपति, जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय), डॉ. नवीन शर्मा (साइंटिफिक एड्वाइजर, माइक्रो वियोमा प्रा. लि., बैंगलोर) और श्री दिवांशु गौतम (प्रोग्राम ऑफिसर, एनएसएस) ने विद्यार्थियों को कृषि अभियांत्रिकी में करियर अवसर, पर्सनल डेव्लपमेंट और राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए उन्हें कृषि अभियांत्रिकी क्षेत्र में उपलब्ध अनंत संभावनाओं से परिचित कराया।

कार्यक्रम के सुचारू संचालन में डॉ. ए. के. गुप्ता, इंजी डी. एम. कदम, डॉ. दीपक पटले और इंजी वाय. एन. श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के वैज्ञानिक, प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कुर्मी समाज के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी पर कड़ी कार्रवाई की मांग, एसपी को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला समिति ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। समिति ने बताया कि सागर जिले के रहली निवासी मुरारी पांडे द्वारा सोशल मीडिया पर कुर्मी समाज के प्रति आपत्तिजनक व अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे समाज में आक्रोश है। समाज ने आरोपी की गिरफ्तारी पर संतोष जताते हुए मांग की कि उसके विरुद्ध कठोर धाराएं लगाई जाएं और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष विवेक चौधरी, युवा अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, सुरेश पटेल, कैप्टन ओपी सचान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

विद्युत समंक 2025 विमोचित

जबलपुर। मध्यप्रदेश में घरेलू बिजली उपभोक्ता की संख्या 1 करोड़ 29 लाख 60 हजार है, प्रति व्यक्ति विद्युत खपत (रूफ टॉप सोलर खपत को छोड़ कर) 1333 किलोवाट प्रति घंटा से बढ़ कर 1399 किलोवाट प्रति घंटा हो गई है। मध्यप्रदेश की उपलब्ध उत्पादन क्षमता वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 24565 मेगावाट हो गई। मध्यप्रदेश के विद्युत सेक्टर की जानकारियों व नवीनतम आंकड़ों से परिपूर्ण प्रमुख विद्युत समंक 2025 का आज मध्यप्रदेश के ऊर्जा सचिव व एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में विमोचन किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक स्टेट प्लानिंग सेल (एसपीसी) एफके मेश्राम, मुख्य महाप्रबंधक वाणिज्यिक गैर-पारंपरिक राकेश कुमार ठुकराल, एसपीसी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल कन्हौआ, अतिरिक्त मुख्य अभियंता धीरज मुनिया सहित वरिष्ठ अभियंता उपस्थित थे। विद्युत उत्पादन, उपलब्धता, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन के नवीनतम आंकड़ों से समाहित बारह पृष्ठीय प्रमुख विद्युत समंक 2025 का प्रकाशन एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के स्टेट प्लानिंग सेल ने किया है।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 6499919F RANK NK NAME ANIRUDH PRATAP SINGH S/O VIRENDRA SINGH OF UINT 54 COY ASC (SUPLY) AADHAR CARD No. 9258 8817 3007 I, have changed name of my **MOTHER**, from **BIMLWSH SINGH** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS)** to **BIMLESH SINGH** (name as per my **MOTHER, AADHAR CARD NO. 7435 1992 3834)** vide affidavit dated **06/12/2025** formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
BIMLESH SINGH
INCORRECT NAME
BIMLWSH SINGH

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 6499919F RANK NK NAME ANIRUDH PRATAP SINGH S/O VIRENDRA SINGH OF UINT 54 COY ASC (SUPLY) AADHAR CARD No. 9258 8817 3007 I, have changed name and date of birth of my **FATHER** from name **VIRENDRA PRATAP SINGH** and date of birth **16/05/1966** (Name and date of birth as per my Army Service Records) to name **VIRENDRA SINGH** and date of birth **01/01/1966** (name and date of birth as per my **FATHER, AADHAR CARD NO. 5893 3028 3387)** vide affidavit dated **06/12/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court).
CORRECT NAME-VIRENDRA SINGH
INCORRECT NAME
VIRENDRA PRATAP SINGH
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1966
INCORRECT DATE OF BIRTH
16/05/1966

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं.सं.अधि/सं.क्रं.12/2025-26/ एम-31
दिनांक:- 01/12/2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रफुल्ल नाथ यादव पिता स्व. श्री सोमनाथ यादव ने मकान नं. 219 वार्ड पं. मदन मोहन मालवीय कुल क्षेत्रफल 1325 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 800 व.फु. भूतल 400RCC भूतल 400 कच्चा विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-12, घंटाघर नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं.सं.अधि/सं.क्रं.12/2025-26/ एम-37
दिनांक:- 01/12/2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र कश्यप, प्रमेन्द्र कश्यप दोनों के पिता श्री देवी प्रसाद कश्यप ने मकान नं. 283 वार्ड महर्षि अरविन्द कुल क्षेत्रफल 1260 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 500 व.फु. भूतल 500 व.फु. मृत्यु प्रमाणपत्र/वसीयतनामा के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-12, घंटाघर नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर

जमीन की जगह कांच की कब्रों में दफनाए जाते हैं लोग, पूरा शरीर साफ दिखाई देता है!

मानव सभ्यता जितनी पुरानी है, उतनी ही पुरानी अंतिम संस्कार की परंपराएं भी. कहीं शव को जलाया जाता है, कहीं दफनाया जाता है और कहीं आधुनिक इलेक्ट्रिक क्रिमेशन का सहारा लिया जाता है। लेकिन, दुनिया के एक हिस्से में ऐसा रिवाज चलता है जिसे देखकर इंटरनेट हिल गया है।

बीजिंग। यहां मरने के बाद लोगों को ऐसी पारदर्शी कब्रों में दफनाया जाता है, जिनके अंदर पूरा शरीर और समय के साथ कंकाल में बदलता रूप स्पष्ट दिखाई देता है। यह विचित्र और खौफनाक दृश्य अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है।

दरअसल, एक यूजर ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें चारों ओर कांच जैसी पारदर्शी कब्रें दिखाई देती हैं। उनके अंदर दफनाए गए लोगों के कंकाल बिल्कुल साफ दिखते हैं, जैसे कोई संग्रहालय में रखी सामान हों। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कई कब्रों में दो लोगों को साथ दफनाया गया है। हड्डियों के ढांचे इस तरह उभरकर नजर आते हैं कि देखने वाला एक पल के लिए यकीन ही नहीं कर पाता कि यह किसी गांव की असली परंपरा है, कोई हॉरर मूवी का सेट नहीं।

वीडियो ने सोशल मीडिया पर मचाया हड़कंप

वीडियो के सामने आते ही इंटरनेट पर बहस शुरू हो गई। किसी ने इसे 'दुनिया की सबसे डरावनी परंपरा' बताया, तो किसी ने कहा कि यह 'सांस्कृतिक विविधता की शानदार मिसाल' है। एक यूजर ने लिखा- 'मैंने ऐसा सीन नहीं देखा था, अंदर तक ठंड लग गई!' दूसरे ने कहा- 'कंकाल को हर दिन देखते रहना ये बहुत अजीब है।' वहीं, तीसरे ने लिखा- 'कुछ एशियाई परंपराएं वाकई यूनिक होती हैं, डरावनी लेकिन दिलचस्प।' कई लोगों ने सवाल भी उठाया कि कोई परिवार अपने ही सदस्य को इस तरह समय के साथ बदलते हुए कैसे देख सकता है? यह कितना तनावपूर्ण होगा।

यह अजीब परंपरा कहां चलती है?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिवाज चीन के एक दूरदराज पहाड़ी इलाके में सदियों से चला आ रहा है। यहां एक मान्यता है कि यदि पति-पत्नी की मृत्यु आसपास के समय में होती है, तो उन्हें एक ही कब्र में साथ रखा जाता है, ताकि 'अगले जन्म' या 'परलोक' में भी उनका साथ बना रहे। इन पारदर्शी कब्रों को प्रेम, सम्मान और पारिवारिक बंधन का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय लोग मानते हैं कि मृतकों को छिपाना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें उसी रूप में रहने देना चाहिए जैसे जीवन में थे सभी के बीच। एशिया के कई हिस्सों में यह भी परंपरा है कि मृतकों को घर में बने विशेष कमरों में रखा जाता है और समय-समय पर उनकी पूजा की जाती है। वही विचार इस अनोखी दफन प्रथा में भी नजर आता है।

वीआईटी के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से की शिष्टाचार भेंट

भोपाल। वीआईटी विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन ने मप्र की राजधानी के प्रवास के दौरान भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात उच्च शिक्षा से जुड़े विषयों और भावी सहयोग के संभावित अवसरों पर केंद्रित रही। बैठक के दौरान दोनों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, कौशल विकास, उद्योग–अकादमिक साझेदारी और युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर सार्थक चर्चा हुई। वीआईटी द्वारा देश में तकनीकी एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की गई। शंकर विश्वनाथन ने बताया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मार्गदर्शन में भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप नए आयाम तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में मंत्रालय और वीआईटी के बीच सहयोग और अधिक मजबूत होगा। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

ससुराल पहुंचने के 20 मिनट बाद दुल्हन ने अलग होने का किया फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के देवरिया से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर लोग हैरान भी हैं और सोच में भी पड़ गए हैं। यहां एक लड़की ने शादी के सिर्फ 20 मिनट बाद ही रिश्ता तोड़ने का फैसला ले लिया और वापस मायके लौट गई। यह मामला पूजा नाम की एक युवती और विशाल मधेसिया नाम के युवक से जुड़ा है। विशाल अपने पिता के साथ भलुअनी में जनरल स्टोर संभालता है। 25 नवंबर को उसकी शादी सलेमपुर की रहने वाली पूजा से हुई थी। शाम को बारात धूमधाम से पहुंची, रातभर रस्में चलीं और अगली सुबह हर परिवार की तरह भावुक माहौल में विदाई भी हो गई। सब कुछ बिल्कुल नॉर्मल लग रहा था, लेकिन असली ड्रामा तो ससुराल पहुंचने के बाद शुरू हुआ। विदाई के बाद जब पूजा अपने नए घर पहुंची तो परिवार वालों ने उसे बेहद प्यार से रिसीव किया और कुछ देर बाद उसे उसके कमरे में ले जाया गया। लेकिन, यहां से कहानी ने ऐसा मोड़ लिया जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। कमरे में गई पूजा लगभग 20 मिनट बाद बाहर आई और बिना किसी हिचक के बोली कि वह यहां नहीं रहना चाहती। उसके इस बयान से पूरा परिवार हक्का-बक्का रह गया। रिश्तेदारों और घर वालों ने सोचा कि शायद वह किसी बात से परेशान है या रास्ते की थकान के कारण ऐसा कह रही है, लेकिन पूजा का बार-बार यह कहना कि 'मेरे मम्मी-पापा को बुलाइए, मैं यहीं नहीं रहूंगी।' सबको उलझन में डाल रहा था। दूल्हे के घर वालों ने उसे खूब समझाने की कोशिश की। कई बार पूछा कि आखिर क्या हुआ, किस वजह से वह अचानक ऐसा बोल रही है, लेकिन पूजा ने कोई भी कारण बताने से साफ मना कर दिया। वह बस अपने घर जाने पर अड़ी हुई थी।

ये हैं दुनिया के सबसे गंदे शहर यहां सांस लेना भी है दूभर

नई दिल्ली। दुनिया के चमकते शहरों की तस्वीरें हम सब देखते हैं, लेकिन सच का दूसरा पहलू कहीं ज्यादा कड़वा है। कई ऐसे शहर भी हैं जहां हवा में घुली सड़ांध, जमीन पर बिखरा कचरा और आसमान को ढकता धुआं इतना भारी पड़ता है कि वहां कुछ मिनट खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है। सिर्फ गंदगी ही नहीं, इन शहरों में बुनियादी व्यवस्था की नाकामी, लापरवाह इंडस्ट्री और प्रशासन की उदासीनता ने हालात को इस कदर बिगाड़ दिया है कि यहां सांस लेना तक चुनौती बन चुका है।

पोर्ट-औ-प्रिंसः कचरे में दबी राजधानी

हैती की राजधानी पोर्ट-औ-प्रिंस में गंदगी सिर्फ सड़कों पर नहीं, पूरी व्यवस्था में घुली दिखाई देती है। शहर में कचरा उठाने की व्यवस्था लगभग नाम मात्र है, सीवेज सिस्टम टूट चुका है और पीने के पानी का हाल इतना खराब है कि लोग बीमारियों से जूझते रहते हैं. बरसात आते ही नालों का गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है और पूरा शहर मानो कचरे की नदी में बदल जाता है। यहां साफ हवा पाना किसी चमत्कार से कम नहीं लगता है।

बाकूः तेल की चमक में खो गया शहर का दम

अजरबैजान की राजधानी बाकू कभी अपनी काली सोने जैसी पहचान तेल के लिए मशहूर था। लेकिन, यही तेल अब शहर की सबसे बड़ी मुसीबत बन गया है। लगातार औद्योगिकीकरण, कच्चे तेल का खुला रिसाव, समुद्र किनारे जमा रसायन और पुराने कारखानों का गंदा कचरा बाकू की हवा को इतना जहरीला बना चुका है कि तटीय इलाकों में चलते हुए आंखों में जलन तक महसूस होने लगती है। यहां की हवा भारी है, जमीन बदरंग है और समुद्र की खुशबू की जगह अब रासायनिक बदबू ने ले ली है।

एंटानानारिवोः कचरे और बदबू की गिरफ्त में

मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो में गंदगी का आलम इतना गंभीर है कि शहर की पहचान ही बदल चुकी है। गरीबी और प्रशासन की लापरवाही के कारण सफाई व्यवस्था वर्षों से चरमराई हुई है। सड़कों पर हर मोड़ पर कूड़े के ऊंचे ढेर और खुले नालों से उठती बदबू यात्रियों को परेशान करती है। लोकल मार्केट भी अक्सर इसी गंदगी के बीच संचालित होते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा लगातार बना रहता है।

पोर्ट हारकोर्टः तेल की राजधानी में जहर की धुंध

नाइजीरिया के पोर्ट हारकोर्ट में तेल उद्योग से पैदा हुआ प्रदूषण शहर की सबसे भयावह समस्या है। काला धुआं, हवा में घुला तेलीय तत्व और सीवर सिस्टम की दयनीय स्थिति इसे अफ्रीका के सबसे प्रदूषित शहरों में खड़ा कर देती है। खुले में फेंका गया ठोस कचरा, टूटी नालियों की बदबू और हर वक्त हवा में तैरता धुंध का परदा यहां की जिंदगी को बेहद मुश्किल बना देता है।

मंदिर का चमत्कारी पानी फसल में छिड़कने पर चूहे, कीट-पतंगे छूमंतर!

शिवपुरी। जिले में खोड पनरिया नाम के छोटे-से गांव में एक पुराना मंदिर है, जो स्थानीय लोगों की विश्वास और आस्था का बड़ा केंद्र है। जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर इस मंदिर की चर्चा खासकर किसानों के बीच बहुत है। वजह चौंकाने वाली है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का जल चमत्कारी है। आसपास के गांवों के कई किसान आज भी इस जल पर बेहद भरोसा करते हैं। किसानों को यहां तक विश्वास है कि वे खेतों में कीटनशक की जगह, इसी जल का छिड़काव करते हैं। लोग बताते हैं कि इस मंदिर से लाया गया जल अगर फसलों पर छिड़क दिया जाए तो खेतों में लगने वाले कीड़े-मकोड़े और चूहे पास ही नहीं फटकते। किसानों का कहना है कि कई बार दवा डालने के बाद भी उतना असर नहीं होता, जितना इस जल से होता है। इसलिए जिनके खेतों में बार-बार नुकसान हो रहा हो, वे अक्सर यहां आकर जल लेते हैं और उसे अपने खेत में छिड़क देते हैं।

किसान ने बताया अनुभव

आजकल मौसम और कीटों के बढ़ते प्रकोप के कारण फसल बचाना किसानों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में पनरिया मंदिर का जल किसानों के लिए उम्मीद जैसा है। गांव के ही किसान हरकुअर पड़ौरा का कहना है कि उन्होंने जब पहली बार इस जल का प्रयोग किया, तो कुछ ही दिनों में उन्हें फर्क दिखाई देने लगा। उनके खेत में लंबे समय से कीड़े और चूहे परेशानी पैदा कर रहे थे, पर जल छिड़कने के बाद समस्या लगभग खत्म हो गई।

अप्रैल से अब तक सोनालीका ने की 1,26,162 ट्रैक्टरों की रिकार्ड बिक्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल-नवंबर 2025 में 1,26,162 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ अब तक की सर्वाधिक बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। बेहतर दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसान तेजी से बड़े हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों पर निर्भर हो रहे हैं और सोनालीका का मजबूत प्रदर्शन भारत में पारंपरिक खेती से तकनीक-आधारित कृषि की ओर तेजी से बढ़ते बदलाव का संकेत देता है। नए रिकॉर्ड प्रदर्शन पर रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहाकि कृषि का भविष्य उन सभी का है जो उद्देश्यपूर्ण इनोवेशन करते हैं और हम स्मार्ट कृषि समाधान विकसित करने और निरंतर निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। अप्रैल-नवंबर 2025 में हमारी 1,26,162 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक ट्रैक्टर बिक्री है।

फाइल फोटो

सोलिस ने भारत में लांच किया 'जेपी 975 ट्रैक्टर'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोलिस ने भारत में नया जेपी 975 ट्रैक्टर लांच किया है, जो 48-50 एचपी रेंज में आता है और उन्नत जेपी -टेक 4-सिलेंडर इंजन, ज्यादा टॉर्क और भारत के पहले 15 फॉरवर्ड प्लस 5 रिवर्स एपिसाइक्लिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह पूरी तरह से नए तकनीकी प्लेटफॉर्म पर विकसित जेपी 975 प्रगतिशील भारतीय किसानों के लिए उच्च प्रदर्शन, एप्लीकेशन अनुसार बने ट्रैक्टरों के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। नए सोलिस जेपी 975 में उन्नत जेपी टेक, 4-सिलेंडर इंजन है, जो कड़ी परिस्थिति में ज़बरदस्त प्रदर्शन के लिए 10 फीसदी तक ज़्यादा टॉर्क (205 एनएम) प्रदान करता है। इस सेगमेंट में भारत का पहला 15एफ प्लस 5 आर एपिसाइक्लिक ट्रांसमिशन, साथ ही सुचारु संचालन के लिए साइड-शिफ्ट गियर हैं और हर प्रमुख एप्लीकेशन के लिए उपयुक्त न्यूनतम 5 स्पीड विकल्प भी। कंपनी के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, रमन मित्तल ने कहाकि उन्नत सोलिस जेपी 975 भारतीय किसानों तक अगली पीढ़ी की ट्रैक्टर तकनीक पहुंचाने के हमारे मिशन में एक ऐतिहासिक कदम है।

दिसंबर के पहले सप्ताह में विदेशियों ने निकाले 12,055 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 12,055 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने बाजार में 4,113 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। दिसंबर में अब तक इक्विटी में एफपीआई ने 11,820 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। उन्होंने 531 करोड़ रुपए के डेट बेचे हैं। वहीं म्यूचुअल फंड में उन्होंने 272 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। जिओजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने बताया कि दिसंबर के पहले सप्ताह में सभी पांच दिन विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाल रहे। हालांकि उनकी बिक्री बाजार पर प्रभाव नहीं छोड़ पाई, क्योंकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 19,783 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी है।

डॉलर के मुकाबले रुपए में तेज गिरावट के कारण बिकवाली

उन्होंने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशक डॉलर के मुकाबले रुपए में तेज गिरावट के कारण बिकवाली कर रहे हैं जो सामान्य बात है। वहीं सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित घरेलू निवेशक लिवाली कर रहे हैं। विजयकुमार ने कहा कि आने वाले समय में बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से 57,306 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। इस दौरान उन्होंने 1,49,313 करोड़ रुपए की इक्विटी की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं, डेट और म्यूचुअल फंड में उनका निवेश सकारात्मक रहा है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी परमानेंट बेसिस पर सीधी पक्की भर्ती, 6230 सीट ,पद - वनरक्षक, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, वनरेंजर,सैलरी - (28500- 38500/-) (10वी- 12वी पास) लड़के लड़कियां आवेदन के लिए- आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट, व्हाट्सएप / कॉल करें -9685327774 (रायपुर /09/ दिस./25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु — मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज–सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर — आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ — खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा–विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन — कारोबार में सुधार के लिए भाई–बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन–सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

शब्द पहेली - 6072

बाएँ से दाए
1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6071 का हल

उ	प	चा	र		मि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

सूडोकु बवाल - 6082

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SEWADHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 6081 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

हरिभूमि
जबलपुर, मंगलवार
9 दिसंबर 2025

सहेली

इस आधुनिक जीवनशैली में तनाव ही तनाव हैं। सर्वे बताते हैं, पुरुषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा तनाव में रहती हैं। इसके पीछे है समाज की परंपरागत सोच, भले ही कहा जाए महिलाओं ने बहुत विकास किया है। देखा जाता है, समाज के दोहरे मानदंड महिलाओं में तनाव बढ़ाते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस समस्या का समाधान नहीं है।

तनाव को कहें अलविदा तय करें अपनी प्राथमिकताएं

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

महिलाएं ज्यादा चिंतित रहती हैं। स्ट्रेस लेती हैं। इन्हें पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक तनाव की शिकायत भी रहती है। ये शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। साल 2023 में तीन हजार से ज्यादा वयस्कों पर किए गए एक अध्ययन में महिलाओं ने अपने तनाव के स्तर को औसतन 10 में से 5.3 बताया, जबकि पुरुषों ने औसतन 10 में से 4.8 बताया। आखिर ऐसा क्यों? आइए, जानते-समझते हैं।

युवतियां सहती हैं सर्वाधिक तनाव

बहुत से लोग यह महसूस ही नहीं करते कि हर किसी के स्ट्रेस का अनुभव अलग होता है। जैसे, युवा महिलाएं सबसे अधिक तनाव का सामना करती हैं। ये बोझ अकसर उनके पालन-पोषण के दौरान पैदा होते हैं, जहां पुराने सामाजिक तौर-तरीके अभी भी इस बात को तय करते हैं कि एक महिला होने का क्या मतलब है। हाल के कुछ शोधों से पता चला है कि 35 साल से कम उम्र की महिलाओं का स्ट्रेस लेवल लगातार ज्यादा रहता है। ये महिलाएं खुद को सामाजिक उम्मीदों, जेंडर रोल्स और पर्सनल महत्वाकांक्षाओं के एक जटिल जाल में फंसा हुआ पाती हैं।

कहां से आता है स्ट्रेस

लाइफ कोच सुमन मनुजा बताती हैं, 'महिलाओं से अकसर यह उम्मीद की जाती है कि वे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों, पार्टनर और दोस्तों का इमोशनल बोझ भी उठाएं। इससे उन्हें और ज्यादा स्ट्रेस होता है। परिवारों में महिलाओं की तारीफ भी अपेक्षाकृत कम होती है। इसमें अगर उनकी सैलरी, काम के अवसरों और कार्य स्थल पर भागीदारी में असमानताओं के साथ मिला दें, तो तनाव का स्तर इतना अधिक होगा कि उससे उनके मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा असर हो सकता है। एक सर्वे में करीब 73% महिलाओं ने बताया कि वे लगातार अपने आस-पास के लोगों का स्ट्रेस लेती हैं। उन्हें यह एहसास नहीं होता कि ऐसा करने से वे कितनी ऊर्जा बर्बाद कर देती हैं, जो अंततः भावनात्मक थकावट और एंग्जायटी के रूप में सामने आता है।

दोहरे मानदंड बढ़ाता है तनाव

पेशे से वकील मालिनी रैनी कहती हैं, 'इसमें दो मत नहीं कि समाज ने बराबरी के मामले में बहुत तरक्की की है। लेकिन आज भी हमें ऐसी दुनिया का सामना करना पड़ता है, जो पारंपरिक उम्मीदों से बनी है। महिलाओं को आजाद रहने, अपने करियर और पढ़ाई पर ध्यान देने, सपनों को पूरा करने के लिए तो खूब प्रोत्साहित किया जाता है। वहीं, दूसरी तरफ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे इमोशनली अवेलेबल रहें। सबकी देखभाल करें। इस प्रकार के दोहरे मानदंड से हमें संघर्ष करना पड़ता है। इतना ही नहीं, महिलाओं को अकसर अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करने के लिए गिल्ट और आलोचना का सामना करना पड़ता है। हालांकि, महिलाएं लैंगिक समानता को लेकर जागरूक हुई हैं। लेकिन बराबरी का मैदान अभी भी बहुत दूर है।' इस तरह, दोहरे दबाव से स्ट्रेस, निराशा, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्याएं होने लगती हैं।

पुरुषों से अधिक तनाव में रहतीं महिलाएं

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के साल 2023 के स्ट्रेस इन अमेरिका सर्वे के अनुसार, महिलाओं में पुरुषों की तुलना में औसत स्ट्रेस लेवल ज्यादा पाया गया। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रोजालिंड एस. डॉर्लेन के अनुसार, 'पुरुष स्ट्रेस को अलग तरह से अनुभव करते हैं। वे स्ट्रेस से खुद को अलग कर लेते हैं, जबकि महिलाएं स्ट्रेस को अंदर ही अंदर महसूस करती हैं। इससे उनमें मानसिक और भावनात्मक विकारों की दर ज्यादा होती है।' सर्वे में 58% महिलाओं ने तनाव का मुख्य कारण परिवार की जिम्मेदारियों को ठहराया, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 52% था। इसी प्रकार, 50% महिलाएं वित्तीय चिंताओं से परेशान थीं। पुरुषों में यह आंकड़ा 44% था। महिलाओं के तनाव की एक और प्रमुख वजह उनके अपने रिश्ते थे। 49% महिलाओं ने इस बात को स्वीकार किया। जबकि सिर्फ 44% पुरुष ऐसा मानते थे। a

हर समस्या का है समाधान

महिलाओं की अपनी चुनौतियां हैं, लेकिन उनके पास अपने स्ट्रेस को मैनेज करने के तरीके भी हैं। जैसे-

तुलना करने से बचें: सोशल मीडिया पर बहुत कुछ देखने को मिलता है, जिससे खुद में कमी या अधूरापन महसूस हो सकता है। ऐसे में उसका इस्तेमाल कम करें। ऐसे अकाउंट्स को फॉलो न करके हेल्दी एंटरटेनमेंट ही करें।

इमोशनल सपोर्ट सिस्टम तैयार करें: आपका स्ट्रेस सिर्फ भावनात्मक तनाव से कहीं अधिक होता है। इस तनाव को स्ट्रेचिंग या एक्सरसाइज करके दूर कर सकती हैं।

सेल्फ-केयर करें: उन चीजों के लिए समय निकालें जो आपको पसंद हैं। ऐसी एक्टिविटीज ढूंढें, जो आपको भावनात्मक रूप से मजबूत बनाएं। चाहे वह अच्छी किताबें पढ़नी हो, जर्नलिंग करनी हो या मेडिटेशन करना हो या फिर बिना किसी गिल्ट के आराम करना हो। सेल्फ-केयर ऐशो-आराम नहीं है। यह आपकी भलाई के लिए जरूरी है।

अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देना सीखें: ये सिर्फ आपको मालूम होता है कि आपकी प्राथमिकता क्या है। उस पर ध्यान दें। दूसरों के बारे में सोचने से बचें।

काउंसलिंग पर विचार करें: अगर कभी ज्यादा तनाव हो रहा हो, तो किसी काउंसलर या थेरेपिस्ट की मदद ले सकती हैं।

सपोर्ट ग्रुप जॉइन करें: ये इन पर्सन या ऑनलाइन ग्रुप हो सकते हैं, जहां आप दूसरों से अपने मन की बात शेयर कर सकती हैं, जो इसी तरह की दिक्कतों का सामना करते हैं। आप उन लोगों से जुड़ सकती हैं, जो आपको समझते हैं।

बुनाई भी...सुकून भी...

दादी, नानी और मां के हाथ से बुने ऊन वाले स्वेटर, स्कार्फ, मोजे, दस्ताने और टोपी भले अब आउट डेटेड कहे जाएं, लेकिन आज भी ये हमें उनके प्रेम-स्नेह में बांधते हैं। इतना ही नहीं, बुनाई हमें एक सुकून देती है, खुशियों से भरती है। यही नहीं, बुनाई हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

जानें-समझें
सरस्वती रमेश

सर्दियां आ गई हैं। कंबल, रजाई और गर्म कपड़े बाहर निकल आए हैं। गुनगुनी धूप में बैठी दादी, नानी, मौसी या चाचियों के हाथ में सलाई में पड़े फंदे तेजी से बुने जा रहे हैं। कुछ ही समय में वो रंग-बिरंगे स्वेटर, स्कार्फ, मोजे, दस्ताने तैयार कर अपने पोते-पोतियों को पहना देंगी। आप सोचेंगी पुराने समय की महिलाओं को बुनाई कला का शौक होता है। पर क्या आप जानती हैं, बुनाई सिर्फ शौक नहीं होता है, यह थेरेपी का भी काम करता है।

एक थेरेपी है बुनाई: हालिया एक अध्ययन से पता चला है कि मानसिक बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए बुनाई किसी थेरेपी से कम नहीं है। रिसर्च से मिले नतीजों में तीन बातें सामने आई हैं। पहला, बुनाई से तनाव कम होता है। दूसरा, बुनाई से आपकी एक सामाजिक पहचान बनती है, यदि आप इसे पेशे के तौर पर अपनाती हैं। तीसरा, बुनाई करने से हमारा दिमाग शांत और व्यवस्थित होता है। इस तरह जीवन और स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसके अलावा गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियां जैसे डिमेंशिया, अल्जाइमर आदि का खतरा कम होता है। कुछ शोध तो यहां तक बताते हैं कि बुनाई करने से क्रॉनिक पेन (दर्द) से भी राहत मिल सकती है।

बुन कर अच्छा लगता है: रिसर्च में शामिल लोगों ने महसूस किया कि हाथ से बुने हुए गर्म कपड़ों की हर कोई सराहना करता है। यह सराहना उन्हें खुशी देती है, जिससे उन्हें थोड़े समय के लिए अच्छा महसूस होता है। कुछ लोगों ने अपनी मानसिक प्रक्रियाओं में भी बदलाव महसूस किया। उन्होंने बताया कि बुनाई उनके मन में चल रही उलझनों को सुलझाता है। जैसे-जैसे उनके हाथ फंदों को आकार देते हैं, उनके दिमाग में भरी बातों को भी सही दिशा में जाने का रास्ता मिलता है।

शरीर और मस्तिष्क होते हैं स्वस्थ: ऊन सलाई की मदद से हाथ से बुनाई को भले ही हमारे देश में आउट डेटेड और टाइम टेकिंग कहकर खारिज किया जा रहा है, लेकिन विदेशों में इसके फायदों को देखते हुए फिर से बढ़ावा दिया जा रहा है। ब्रिटेन में तो 'निट फॉर पीस' (सुकून के लिए बुनाई) 15,000 से ज्यादा बुनाई करने वालों का एक बड़ा नेटवर्क है। यह जरूरतमंद लोगों के लिए कपड़े बुनकर उन तक पहुंचाने का काम करता है। इस संगठन में काम करने वाले लोगों के बात, व्यवहार से इस बात के पर्याप्त सुबूत मिले हैं कि बुनाई करने से शरीर और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहते हैं। इसी तरह 'ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी' के अनुसार बुनाई को अपनी आदत में शामिल करने के बाद अधिकतर लोगों ने महसूस किया कि वे पहले से कहीं ज्यादा खुश महसूस करने लगे हैं।

बढ़ती है एकाग्रता: बुनाई करने से आपके मस्तिष्क को वही फायदे मिलते हैं, जो ध्यान करने से मिलते हैं। बुनाई के समय अपने मस्तिष्क के अवचेतन को सलाई पर केंद्रित करना पड़ता है। ऐसा करने से तनाव पैदा करने वाली बातें हम भूल जाते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि बुनाई के दौरान मस्तिष्क के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल होता है, जिसके कारण इन हिस्सों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और तंत्रिकाओं के बीच संपर्क तेज होता है। सरल भाषा में कहें, तो बुनाई के समय दिमाग के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल होता है, इसलिए दिमाग स्वस्थ और एक्टिव बना रहता है।

यहां बताए गए इन फायदों के अलावा हाथ से बुने हुए स्वेटर में अपनों के प्रेम और स्पर्श का अहसास होता है। आप दूर हों या पास उनके करीब होने का अहसास हमेशा बना रहता है। तो इन सर्दियों में जब भी आपको मौका मिले, एक स्वेटर या स्कार्फ आप भी बुन डालें। a

स्किन केयर
विधि

यूज करें बादाम का तेल स्किन बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

बादाम के तेल का इस्तेमाल करने से स्किन से जुड़ी कई समस्याएं दूर होती हैं और चेहरा खूबसूरत, निखरा हुआ नजर आता है।

कई गुणों से भरपूर: बादाम का तेल कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर होता है और उसके सभी गुण सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। बादाम के तेल में विटामिन-ई, प्रोटीन, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं जो स्किन केयर के लिए लाभकारी होते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल: सर्दी के मौसम में त्वचा की देखभाल बेहद जरूरी होती है। ठंड और हवा से त्वचा बेजान और रूखी होने लगती है, जिससे चेहरे पर रिंकल्स, दाग-धब्बे समेत कई तरह की समस्याएं नजर आने लगती हैं। इस सीजन में स्किन केयर के लिए

बादाम के तेल का इस्तेमाल एक नेचुरल और असरदार उपाय है, जो न केवल त्वचा को गहराई से पोषण देता है, बल्कि इसे निखार कर बेदाग भी बनाता है।

डार्क सर्कल्स के लिए: आंखों के आस-पास बादाम का तेल लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। इससे डार्क सर्कल्स हल्के होते हैं और चेहरे पर ग्लो आता है।

लिप्स के लिए: सर्दियों में फटे होंठों को ठीक करने के लिए भी बादाम के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। बादाम के तेल की कुछ बूंदें होंठों पर लगाने से होंठ मुलायम और हाइड्रेटेड रहते हैं।

स्क्रब करें: बादाम के तेल में चीनी मिलाकर एक नेचुरल स्क्रब तैयार कर सकती हैं। स्क्रब को हल्के हाथों से त्वचा पर लगाएं और मसाज करें। यह डेड स्किन हटाता है और त्वचा को इंस्टेंट ग्लोइंग बनाता है।

मॉयश्चराइजर: बादाम के तेल का इस्तेमाल मॉयश्चराइजर के रूप में कर सकती हैं। बादाम के तेल में भरपूर मात्रा में विटामिन-ई होता है, जो स्किन को नमी प्रदान करता है।

फेस मसाज: रात को सोने से पहले चेहरे को धोने के बाद बादाम के तेल की दो-तीन बूंदें लेकर हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करें। इससे स्किन में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और चेहरा निखरा दिखेगा।

फेस मास्क: एक कटोरी में बादाम के तेल की तीन-चार बूंदों में एक चम्मच बेसन, एक चुटकी हल्दी और आधा छोटा चम्मच शहद डालें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इससे आपकी स्किन को नमी मिलेगी और चेहरे के दाग-धब्बे भी दूर होंगे। a

(ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस
डॉ. अनुराग अवस्थी
ऑर्थोपेडिक्स-सीनियर कंसल्टेंट
ऑर्टिमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम

सर्दी के मौसम में अधिकतर मिड और ओल्ड एज महिलाएं, जोड़ों के दर्द की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे राहत पाने के लिए यहां बताई जा रही बातों का ध्यान रखना होगा। जानें ज्वाइंट पेन के कारण और बचाव के उपायों के बारे में।

सर्दी के मौसम में जोड़ों का दर्द ऐसे मिलेगी आपको राहत

बढ़ती उम्र में अधिकतर महिलाओं को ज्वाइंट पेन यानी जोड़ों के दर्द का सामना करना पड़ता है। ऐसा ऑस्टियोपोरोसिस या ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण होता है। ऑस्टियोपोरोसिस की अवस्था में हड्डियां भीतर से कमजोर होने लगती हैं, जबकि ऑस्टियोआर्थराइटिस में जोड़ों के बीच मौजूद कार्टिलेज को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है।

सर्दी में बढ़ती है समस्या

सर्दी के मौसम में मांसपेशियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे जोड़ों पर अधिक दबाव पड़ता है और यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। इसके अलावा, ठंड के मौसम में स्मॉग के कारण कई बार शरीर को पर्याप्त धूप नहीं मिल पाती। ऐसे में विटामिन-डी की भी कमी हो जाती है, जो जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकती है। सर्दियों में जोड़ों को सपोर्ट देने वाला सिनोवियल फ्लूइड गाढ़ा हो जाता है, जिससे दर्द और अकड़न की शिकायत बढ़ सकती है। ठंड के मौसम में वायुमंडलीय दबाव कम होने से जोड़ों के आस-पास के टिशूज में सूजन भी बढ़ सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- रोजाना सुबह 9 से 11 बजे के बीच कम से कम आधे घंटे धूप में बैठें। इस दौरान हाथ-पैर, कंधे और पीठ का कुछ हिस्सा खुला हो, ताकि शरीर में पर्याप्त विटामिन-डी का निर्माण हो सके।
- अगर आप घर पर रहती हैं, तो कुछ घरेलू कार्य बालकनी या खिड़की के पास बैठकर करें, ताकि आपको सनलाइट मिलती रहे।
- नियमित रूप से किसी प्रशिक्षित विशेषज्ञ की निगरानी में योगाभ्यास करें। आधे घंटे की वॉकिंग भी लाभकारी होती है।
- इस मौसम में इंडियन के बजाय वेस्टर्न टॉयलेट का इस्तेमाल करें।
- सोते समय पैरों के नीचे एक तकिया रखें, ताकि कमर, घुटनों पर दबाव कम हो।
- पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें और घुटनों की सुरक्षा के लिए नी-कैप का उपयोग करें।
- कैल्शियम के लिए डाइट में दूध और अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स को शामिल करें।
- नॉन-वेज खाने वालों के लिए अंडा, मछली और चिकन फायदेमंद हैं, विशेष रूप से चिकन सूप, हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।
- तिल, रागी, चौलाई के साग और बीज, जोड़ों तथा मांसपेशियों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड्स और सरसों का तेल ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में सहायक हैं। इसलिए इनका सेवन जाड़ों में जरूर करें।
- एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर सब्जियां जैसे-अदरक, लहसुन, चुकंदर, ब्रोकली और पालक को अपनी डेली डाइट में शामिल करें। रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना लाभकारी है।
- मैदे से बनी चीजों और जंक फूड से दूरी बनाए रखें।
- नमक, चीनी का सेवन कम मात्रा में करें।

अगर इन उपायों के बाद भी जोड़ों में दर्द बना रहता है, तो डॉक्टर से सलाह अवश्य लें। आमतौर पर विटामिन-डी तथा कैल्शियम सप्लीमेंट्स लेने से राहत मिल सकती है, लेकिन किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना न करें। इन बातों का ध्यान रखकर आप सर्दियों में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकती हैं। a

टी20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने अमित पासी

एजेंसी ▶▶| बड़ौदा

पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और 9 छक्कों से 114 रन ठोके

बड़ौदा से डेब्यू करने वाले विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज अमित पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और नौ छक्कों की मदद से 114 रन की धमाकेदार पारी खेली। इसके साथ वह सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए और वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने से वह सिर्फ 1 रन दूर रह गए।

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में बड़ौदा अपनी लीग स्टेज का अंतिम और सातवां मैच खेलने उतरी। कप्तान विष्णु सोलंकी ने 25 रन बनाए, जबकि अंत में भानु पानिया ने 28 रन की पारी खेली। इन पारियों के दम पर बड़ौदा ने 5 विकेट पर 220 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 26 साल के अमित पासी बड़ौदा के लिए अपना पहला मैच खेल रहे थे। नियमित

विकेटकीपर जितेश शर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जिसके चलते उन्हें बड़ौदा का कैंप छोड़ना पड़ा। इस कारण अमित पासी को डेब्यू करने का मौका मिला और उन्होंने इसे दोनों हाथों से लपका। अमित पासी अब टी20 क्रिकेट में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज़ बन गए हैं। उनसे पहले 2015 में बिलाल आसिफ ने फ़ैसलाबाद में स्टैलियंस की ओर से खेलते हुए अपने टी20 डेब्यू में 114 रन बनाए थे। अब अमित पासी ने भी उसी आंकड़े को छू लिया है अगर वो एक रन और बना लेते तो डेब्यू में ही वर्ल्ड रिकॉर्ड पारी उनके नाम दर्ज हो जाती।

खबर संक्षेप

बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए लियोन को बाहर कियाः स्मिथ

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा था कि लियोन को केवल इस मैच के लिए बाहर किया गया। उन्होंने एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए इस 38 वर्षीय स्पिनर को अंतिम एकादश में जगह देने की गारंटी दी थी।

आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में भारत को मिले छह पदक

दोहा। निशानेबाज जोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फाइनल में शुरुआती 10 शॉट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे जबकि भारत ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ अभियान का अंत किया। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर लुसैल निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिताओं के आखिरी दिन अकेले भारतीय प्रतिस्पर्धी थे। जोरावर ने क्वालीफाइंग में 125 में से 119 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें अब नए आईएसएसएफ नियमों के अनुसार पहले के छह के बजाय आठ निशानेबाजों ने जगह बनाई।

अभी भी पदक जीतने का एक मौका : कोच श्रीजेश

चेन्नई। सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी। सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने कहा, 'यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षाएं थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाए। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते।' उन्होंने कहा, 'हमे काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके। पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं।

जीत के बाद टीम इंडिया को मिली सजा रायपुर वनडे में कर बैठी ब्लंडर

एजेंसी ▶▶| दुबई

साउथ अफ्रीका के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 से जीतने के बाद भारताय टाम पर जुमाना लगा ह। रायपुर में 3 दिसंबर को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में धीमे ओवर-रेट के लिए टीम इंडिया पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईसीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, खिलाड़ियों और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए आइसासा काड आफ कडक्ट क अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनकी टीम की ओर से निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। केएल राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने टाइम अलाउंस को ध्यान में रखते हुए टारगेट से दो ओवर कम फेंके, जिसके बाद आईसीसी एलीट पैनल के मेंबर रिची रिचर्डसन ने यह सजा सुनाई। केएल राहुल ने गलती स्वीकार करते हुए प्रस्तावित सजा पर सहमति जताई, जिससे आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर रोड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगास्की और चौथे अंपायर जयरमन मदनगोपाल ने आरोप लगाए थे।

- भारतीय टीम ने टारगेट से दो ओवर कम फेंके
- स्लो ओवर रेट की वजह से जुर्माना, भारतीय प्लेयर्स की 10% फीस कटी

राजस्थान से जीता झारखंड

ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में झारखंड ने राजस्थान को 36 रन से हरा दिया तो वहीं बंगाल की टीम को हरियाणा के खिलाफ हार मिली। बंगाल ने हरियाणा को 24 रन से हरा दिया। झारखंड की टीम ने 7 में से 7 मैच जीते और अंकतालिका में ग्रुप डी में 28 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा तो वहीं हरियाणा की ये 7 में से 5वीं जीत रही और ये टीम 20 अंक के साथ ग्रुप सी में पहले स्थान पर रहा। झारखंड और राजस्थान के बीच खेले गए मैच में झारखंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 215 रन बनाए और इसके जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 179 के स्कोर पर सिमट गई। झारखंड के लिए ओपनर विराट सिंह ने 36 गेंदों पर 5 छक्के और 4 चौकों के साथ 36 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली तो वहीं कुमार कुशाग्र ने 37 गेंदों पर 55 रन बनाए जबकि रॉबिन मिंज ने 27 गेंदों पर 58 रन बनाए। राजस्थान के लिए करन लांबा ने 52 रन की पारी खेली तो वहीं राजस्थान के खिलाफ झारखंड के लिए सुशांत मिश्रा और अनुकूल रॉय ने 3-3 विकेट झटके।

स्पेनिश फुटबॉल

9 खिलाड़ियों के साथ खेला रियाल मैड्रिड, घरेलू मैदान पर मिली हार

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

रियाल मैड्रिड को 9 खिलाड़ियों के साथ खेलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी और वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से हार गया।

रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में यह पहली पराजय है। इससे वह बार्सिलोना से खिताब की दौड़ में भी पिछड़ गया है। रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में जल्दी ही गोल खा लिया। इसके बाद उसके दो खिलाड़ियों फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास को रेड कार्ड दिखाए गए, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। मैड्रिड के बेंच पर बैठे खिलाड़ी एंड्रिक को भी शिकायत करने पर रेड कार्ड दिखाया गया। विलियट स्वेडबर्ग ने 54वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट के पास से एक बेहतरीन फ्लिक से सेल्टा विगो के लिए पहला गोल किया। रियाल मैड्रिड ने 64वें मिनट में गार्सिया को और स्टॉपेज टाइम में कैरेरास को खो दिया। मैड्रिड के नौ खिलाड़ियों पर सिमट जाने के कुछ ही देर बाद स्वेडबर्ग ने गोल करके सेल्टा विगो की जीत पक्की कर दी।

रियाल मैड्रिड की टीम बार्सिलोना से चार अंक पीछे

इस हार से रियाल मैड्रिड की टीम बार्सिलोना से चार अंक पीछे हो गई है। बार्सिलोना ने रियाल बेटिस पर 5-3 से जीत हासिल की थी। रियाल मैड्रिड तीसरे स्थान पर काबिज विलारियल से केवल एक अंक आगे है, जिसके पास एक अतिरिक्त मैच बचा हुआ है। अन्य मैचों में गिरोना को घरेलू मैदान पर एल्चे के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। एस्पेनयोल ने रेयो वैलेकानो को 1-0 से हराकर लीग में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वेलेंसिया ने सेविला के साथ घरेलू मैदान पर 1-1 से ड्रॉ खेला।

संकट में न्यूजीलैंड, टेस्ट सीरीज से 3 खिलाड़ी बाहर

क्राइस्टचर्च। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच न्यूजीलैंड की टीम संकट में है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर शेष सीरीज से बाहर हो गए हैं। राइट आर्म मीडियम बॉलर क्रिश्चियन क्लार्क को न्यूजीलैंड के खेमे में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी काफ इंजरी से जूझ रहे हैं, जबकि नाथन स्मिथ को साइड इंजरी है। ये दोनों ही खिलाड़ी क्राइस्टचर्च में सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान घायल हो गए थे। वहीं, ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर अपनी ग्रोइन की समस्या से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, "नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के गेंदबाज क्रिश्चियन क्लार्क वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले वेलिंगटन में टेस्ट टीम में शामिल होंगे। क्रिश्चियन आपका स्वागत है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर वेस्टइंडीज के विरुद्ध शेष टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इन खिलाड़ियों को बहुत जल्द वापस देखने का इंतजार है।"

पॉवेल की धमाकेदार पारी, दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी को हराया

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल की धमाकेदार पारी की मदद से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को 83 रन से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। पॉवेल ने 52 गेंदों पर नाबाद 96 रन बनाए जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल हैं।

आकाश विजयवर्गीय को जवाब पेश करने मिली मोहलत

ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक के विरुद्ध जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक बरकरार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के विरुद्ध भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट से जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक बरकरार रखा है। वहीं कोर्ट ने आकाश विजयवर्गीय को जवाब पेश करने मोहलत प्रदान की है। जवाब आने के बाद इस मामले में अंतिम बहस होनी है। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने मामले पर अगली सुनवाई 19 जनवरी को नियत की है। उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र आकाश विजयवर्गीय को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। सोमवार को सुनवाई के दौरान आकाश की ओर से जवाब के लिए मोहलत मांगी गई।

दरअसल, मानहानि का केस भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र आकाश विजयवर्गीय ने दायर किया है। नवंबर, 2020 में कोलकाता में आयोजित एक सभा में अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय को गुंडा कहा था। इस बयान को लेकर आकाश ने 2021 में मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

अभिषेक की ओर से याचिका दायर कर दलील दी गई थी कि वे वर्तमान में टीएमसी सांसद हैं और उनके फरार होने की संभावना नहीं है। उन्होंने एमपीएमएलए कोर्ट में व्यक्तिगत उपस्थिति से राहत प्रदान किए जाने का आवेदन दिया था। किंतु कोर्ट ने उस पर विचार न करते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। मानहानि का मुकदमा अनुचित है। ऐसा इसलिए क्योंकि बयान को तोड़ मरोड़ कर समाचार बनाए गए थे। लिहाजा, मामला मानहानि के मुकदमे में अधीनस्थ अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगाई जाए।

हाईकोर्ट ने स्वीकार की विवाह विच्छेद की मांग

क्रूरता की श्रेणी में आता है बीमारी छिपाकर विवाह

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि बीमारी छिपाकर विवाह क्रूरता की श्रेणी में आता है। इस मत के साथ जस्टिस विशाल धगट व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने पति की ओर से की गई विवाह विच्छेद की मांग स्वीकार कर ली। मंडला निवासी डा. महेंद्र कुशवाहा की ओर से कुटुम्ब न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी। इस आदेश में विवाह विच्छेद की मांग अस्वीकार कर दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि विवाह के बाद पता चला कि पत्नी मिर्गी की बीमारी से ग्रस्त है। यह बात ससुराल पक्ष से छिपाई थी। जब मिर्गी के दौरे बार-बार पड़ने लगे, तब सच्चाई उजागर हो गई। जब पूछताछ की गई तो पत्नी व उसके मायके वालों ने बीमारी होने से इनकार कर दिया। यही नहीं बहुत मीठा खाना खिलाकर पति व सास आदि को बीमार करने की कोशिश भी की गई। इसीलिए विवाह विच्छेद की मांग करते हुए कुटुम्ब न्यायालय की शरण ली गई थी। लेकिन राहत नहीं मिलने पर हाईकोर्ट आना पड़ा। कोर्ट ने पति का पक्ष मजबूत पाकर उसकी मांग स्वीकार कर ली।

चेक बाउंस प्रकरण में आवेदक का सवाल

अदालत से आरोपी के विरुद्ध जारी गिरफ्तारी वारंट कहां गया

कोर्ट व पुलिस में की गई शिकायत

जबलपुर। व्यवहार न्यायाधीश राखी साहू की अदालत के समक्ष चेक बाउंस मामले के आवेदक ने एक शिकायत प्रस्तुत की है। जिसमें सवाल उठाया है कि अदालत से आरोपित के विरुद्ध जारी गिरफ्तारी वारंट कहां गया। इस सिलसिले में पुलिस अधीक्षक, जबलपुर को भी शिकायत सौंपी गई है।

आवेदक विजय नगर निवासी रामनाथ पटेल की ओर से कोर्ट को अवगत कराया कि पुरुषोत्तम तिवारी नामक आरोपी के विरुद्ध 2016 में चेक बाउंस का परिवाद प्रस्तुत किया गया था। आरोपी ने समन, जमानती वारंट, गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी अदालत के समक्ष उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। लिहाजा, अदालत ने सख्ती बरतते हुए 27 अक्टूबर, 2021 को गैर मियादी वारंट जारी किया था। इसकी पावती दिनांक 13 नवंबर, 2021 है। इसके बावजूद आवेदक ने आरोपी को जबलपुर में खुलेआम घूमते हुए देखा है। सवाल उठता है कि जिसका गिरफ्तारी वारंट जारी है, जो फरार आरोपी घोषित है, पुलिस ने उसे अब तब गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत क्यों नहीं किया। इस सिलसिले में गोहलपुर पुलिस की भूमिका सवालों के घेरे में है। ऐसा इसलिए क्योंकि सूचना के अधिकार के अंतर्गत जानकारी हासिल करने पर पता चला कि पुलिस के रिकार्ड में अदालत से जारी गैर मियादी वारंट नदारद है। इस तरह लंबा अर्सा गुजरने के बावजूद आरोपित पकड़ से बाहर है। आवेदक ने आरोपित की पत्नी के इलाज के लिए एक लाख 32 हजार उधार दिए थे। जिसके एवज में दिया गया चेक बैंक में जमा करने पर खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण बाउंस हो गया। जिसके बाद अदालत की शरण ली गई।

प्रतिबंधित और एक्सपायरी डेट के कीटनाशकों का विक्रय करने पर दर्ज हुई एफआईआर

जबलपुर। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग द्वारा प्रतिबंधित तथा एक्सपायरी डेट के कीटनाशकों का विक्रय करने के मामले में सिहोरा विकासखंड के ग्राम बुधुवा स्थित जय माँ ममता कृषि केन्द्र के प्रोपराईटर के विरूद्ध मझगवां थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उप संचालक कृषि डॉ. एस के निगम से प्राप्त जानकारी अनुसार मेसर्स जय माँ ममता कृषि केन्द्र का 5 दिसम्बर को अनुविभागीय कृषि अधिकारी सिहोरा श्रीमती मनीषा पटेल एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे एस राठौर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान इस प्रतिष्ठान में स्टॉक पंजी संधारित नही पाई गई। प्रतिष्ठान के कीटनाशक लाईसेंस में उल्लेखित कीटनाशी निर्माता कम्पनियों की कीटनाशी औषधि के अलावा अन्य कीटनाशी निर्माता कम्पनियों की कीटनाशकों का भंडारण एवं विक्रय पाया गया था। जय माँ ममता कृषि केन्द्र से निरीक्षण में एक्सपाईरी डेट की 21 कीटनाशक, खरपतवारनाशक एवं फफूंदनाशक दवांए भी पाई गई। इसके अलावा नुवान 100 मिलीलीटर की 51 बॉटल का भंडारण पाई गई, जिसे भारत सरकार द्वारा 08 अगस्त 2018 से प्रतिबंधित किया जा चुका है। एक्सपायरी डेट की तथा प्रतिबंधित दवाईयों को जब्त कर प्रोपराईटर की सुपुर्दगी में दे दिया गया तथा इनके क्रय-विक्रय को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। उप संचालक कृषि ने बताया कि प्रतिबंधित एवं एक्सपायरी डेट की कीटनाशक दवाओं के विक्रय के इस मामले में जय माँ ममता कृषि केन्द्र के प्रोपराईटर राकेश तिवारी के विरूद्ध कीटनाशक अधिनियम 1968 की धारा 29 (1) (a), 29 (1) (d) एवं 29 (2) के अंतर्गत एफआईआर कृषि विभाग के जयपाल सिंह राठौर द्वारा दर्ज कराई गई है।

चेरीताल में युवक की हत्या, रात में बदमाशों ने की मारपीट, सुबह हो गई मौत

जबलपुर। शहर की कानून व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। दिन का उजाला हो या रात का घना अंधेरा, वारदातें नहीं थम रही हैं। अभी रविवार की रात में गढ़ा थाना क्षेत्र में हत्या की घटना की स्याही सूख नहीं पाई थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र में एक और कथित हत्या का मामला सामने आ गया। कोतवाली थानांतर्गत राजीव गांधी नगर चेरीताल में कल रात एक युवक के साथ क्षेत्र के कुछ बदमाशों ने इस कदर मारपीट की, कि सुबह अपने बिस्तर पर मृत पाया गया, फिलहाल कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद मर्ग कायम कर जांच में लिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली थाना प्रभारी मानस द्विवेदी ने बताया कि राजीव गांधी नगर में रहने वाले 25 वर्षीय चीना उर्फ अंकित ठाकुर का रविवार की रात मोहल्ले में रहने वाले सौरभ ठाकुर, यश बेन, अंजू ठाकुर और अन्य लड़कों के साथ विवाद हो गया। सभी ने मिलकर अंकित ठाकुर को हाथ-घूसों, लकड़ी आदि से बेरहमी से पीटा। मारपीट की जानकारी लगते ही चीना के परिजन मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर चीना को घर लाकर सुला दिया। सोमवार की सुबह पलंग में चीना मृत पाया गया। परिजनों का आरोप है कि मारपीट में आई चोटों के कारण उसकी मौत हुई है। इस मामलें में पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक की मां ने बताया कि सौरभ और उसके साथी पहले से अंकित के साथ रंजिश रखते थे। पूर्व में भी सौरभ और उसके साथियों ने चीना पर चाकू से हमला किया था। बीती रात भी आरोपियों ने जबरन अंकित के साथ गाली-गलौज कर उसे उकसाया और फिर उस पर हमला कर दिया।

बीच बचाव करने वाले पर बदमाशों ने किया हमला

जबलपुर। माढोताल थाना क्षेत्र में पड़ोसी में दुकान लगाने वाले से विवाद कर रहे बदमाशों को समझाना चखना बेचने वाले को महंगा पड़ गया। बदमाशों ने उस पर पत्थर से हमला कर मारपीट की।

माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार काली मंदिर के पास आईटीआई निवासी 24 वर्षीय आकाश सिंह सिकरवार गत शाम पाटन वायपास में नीलकमल ढाबा के पास अंग्रेजी शराब दुकान के बाजू से अंडे की दुकान चलाता है और उसकी बाजू में योगेन्द्र उर्फ रानू तिवारी भी चखना का ठेला लगाता है। गत रात लगभग 11.30 बजे उसकी दुकान में ग्राम लोहरी निवासी धीरज ठाकुर और सुमित ठाकुर आए और 280 रूपये का सामान लिये और सामान का पैसा नहीं दिया एवं उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगा, पैसे देने से मना करने पर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे, तभी योगेन्द्र उर्फ रानू दोनों को समझाने लगा, तभी धीरज ठाकुर ने अपने एक साथी मिथलेश ठाकुर को बुला लिया और योगेन्द्र उर्फ रानू तिवारी के साथ तीनों ने मिलकर मारपीट कर पत्थर से हमलाकर योगेन्द्र के सिर नाक आंख एवं मुंह कमर में चोटें पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी दी। आकाश ने घायल योगेन्द्र उर्फ रानू तिवारी को उपचार हेतु मेट्रो अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(ए), 115(2), 118(1), 119(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक हुई, जिसमें नगर निगम, जिला पंचायत सहित सभी विभागों के अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर ने शासन से जुड़े प्राथमिकता वाले प्रकरणों का संवेदनशीलता से समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। धान उपार्जन, मटर मंडी व्यवस्था, उर्वरक उपलब्धता, फसल अवशेष प्रबंधन, शिकायतों के समाधान तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों पर विशेष समीक्षा की गई। उन्होंने वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने, अतिक्रमण हटाने और शासकीय भूमि आवंटन के लंबित प्रकरण शीघ्र निपटाने को कहा। सांसद खेल महोत्सव, वरिष्ठजन आयुष्मान कार्ड, ई-केवाईसी, छात्रवृत्ति, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र एवं आंगनवाड़ी पदों की पूर्ति जैसे विषयों पर भी निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों की नियमित निगरानी, स्टॉक सत्यापन और वीडियोग्राफी अनिवार्य करने पर जोर दिया।

अधोसंरचनात्मक कार्य के कारण दयोदय एक्सप्रेस आंशिक रूप से निरस्त

जबलपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा अजमेर–मदार खंड में लेवल क्रॉसिंग नंबर 44 पर एलएचएस कार्य के लिए लिए गए ब्लॉक के चलते दयोदय एक्सप्रेस की सेवाएँ आंशिक रूप से प्रभावित रहेंगी। आंशिक निरस्तीकरण इस प्रकार है 12181 जबलपुर–अजमेर (11 दिसंबर 2025): यह ट्रेन अजमेर के बजाय दौराई स्टेशन तक ही चलेगी। मदार जंक्शन पर अस्थायी ठहराव 13:35/13:40 बजे रहेगा। 12182 अजमेर–जबलपुर (12 दिसंबर 2025): ट्रेन अजमेर की जगह दौराई स्टेशन से प्रारंभ होगी। मदार जंक्शन पर अस्थायी ठहराव 15:25/15:30 बजे रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन की स्थिति और समय की जानकारी के लिए भारतीय रेल की वेबसाइट या **NTES** ऐप अवश्य देखें।

छोटू पटेल, असशु, योगेश सेन व दो साथी कारों से पहुंचे और हमला कर हुए फरार

पुरानी रंजिश में चाकूबाज़ी, तीन घायल

हरिभूमि, जबलपुर।

गढ़ा थाना क्षेत्र के धनवंतरि नगर हाउसिंग बोर्ड के सामने शनिवार रात करीब 9:30 बजे हुई चाकूबाजी की वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी। कृष्णा वॉशिंग सेंटर पर अचानक हुए हमले में तीन युवक बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हमले में छोटू पटेल, असशु, योगेश सेन और उनके दो साथी शामिल थे, जो शिफ्ट और डिज़ायर कार से पहुंचे थे।

घटना के दौरान आरोपियों ने बिना किसी विवाद के सीधे चाकू से हमला कर दिया। घायल हुए युवकों में राजेश ठाकुर, आदित्य राजपूत और अजीत शामिल हैं। इनमें से राजेश ठाकुर को पेट और पीठ में गहरे चाकू के वार लगे हैं और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। आदित्य और अजीत को भी पीठ, कमर और पेट में चाकू के घाव आए हैं। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुँचाया, जहां सभी का इलाज जारी है। वारदात के बाद मौके पर पहुंची गढ़ा पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और समीपस्थ सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किए हैं, जिनमें आरोपियों की कारें दिखाई दे रही हैं। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी छोटू पटेल एवं उसके साथियों के खिलाफ पहले भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। सभी आरोपियों की पहचान स्पष्ट है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव और दहशत का माहौल बना हुआ है।

ठेले के सामने बाईक खड़ी करने पर वारदात

पिता की हत्या, पुत्र पर चाकू से जानलेवा वार

हरिभूमि जबलपुर।

गढ़ा थाना अतंर्गत कोलमाईंस चौपाटी सुविधा मार्केट में शनिवार देर रात चाट ठेले के पास हुए विवाद में तीन युवकों ने पिता पुत्र पर चाकू से हमला किया इस वारदात में पिता की मौत हो गई और पुत्र घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक चाट के ठेले के सामने मोटरसायकिल लगाने के विवाद पर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्तेश्वर इंदिरा नगर गोरखपुर निवासी 19 वर्षीय नितिन चक्रवर्ती और उसके पिता 45 वर्षीय मोनू चक्रवर्ती कोलमाईंस चौपाटी सुविधा मार्केट में चाट-फुल्की व चाइनीज, पिज्जा-बर्गर का ठेला लगाते थे। आरोपी अमन चक्रवर्ती, तासू यादव और रोहित झारिया नाम के तीन युवक क्षेत्र में अक्सर घूमते रहते थे। घटना वाले दिन तीनों मोटरसाइकिल से आए और ठेले के सामने ही गाड़ी खड़ी कर दी। पहले अमन और तासू ने मोनू चक्रवर्ती से अभद्र व्यवहार किया। कुछ देर बाद तासू मोटरसाइकिल की ओर चला गया और रोहित झारिया वहाँ पहुंचकर अमन के साथ मिलकर गाली-गलौज और धमकाने लगा।

नितिन व उसके पिता ने विरोध किया तो झूमाझपटी शुरू हो गई। इसी दौरान अमन चक्रवर्ती ने अचानक चाकू निकालकर पिता मोनू चक्रवर्ती के सीने, पेट, कमर और चेहरे पर कई वार कर दिए। घायल मोनू को बचाने नितिन के साथ गोलू केवट और सूरज पटेल बीच-बचाव करने आए, लेकिन अमन और रोहित ने उनसे भी मारपीट की और तीनों आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए।

गंभीर हालत में पिता मोनू चक्रवर्ती को मेडिकल कॉलेज पहुँचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले में नितिन के दाहिने हाथ सहित शरीर पर चोटें आई हैं। पुलिस ने अमन चक्रवर्ती, रोहित झारिया और तासू यादव के खिलाफ धारा 103(1), 296(बी), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

चूहा ने किया चाकू से वार, युवक घायल

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत बड़ी खेरी करोंदानाला में पार्टी करने के लिए 2 हजार रुपए नहीं देने की बात पर एक बदमाश ने एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ी खेरी करोंदानाला निवासी 23 वर्षीय रोहित गोटिया गत रात लगभग 11.40 बजे अपने दोस्त सुमित और मोहित के साथ मटन की दुकान के पास खड़ा था उसी समय चूहा उर्फ विवेक पाण्डे आकर उसके साथ गाली गलौज करते हुये पार्टी करने के लिये 2 हजार रूपये की मांग करने लगा, गालियां देने एवं रूपये देने से मना करने पर चूहा उर्फ विवेक पाण्डे ने मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 115(2), 118(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जिले में शीतलहर चलने की चेतावनी

दिनभर बनी रही ठंड, पारा 8 डिग्री पर स्थिर

जबलपुर। हिमालय की बर्फ को छू कर आ रही बर्फीली हवाओं ने जाड़े का जलवा बरकरार बना रखा हुआ है। बर्फीली हवाएं दिन में भी अपना प्रभाव बनाये हुए हैं। सर्द हवाओं से दिनभर ठंड का अहसास बना रहा जाड़े के प्रकोप के कारण दिनचर्या देर से प्रारंभ हो पाती है वहीं रात में सड़कों पर जल्दी सन्नाटा पसर जाता है। पारे ने कल एकदम 3 डिग्री गिरावट दर्ज की और रात का न्यूनतम पारा 8.3 डिग्री पर ठहर गया। बर्फीली हवाओं के कारण धूप का प्रभाव भी नहीं दिखा। शीतलहर से जनजीवन प्रभावित है। जिले में कहीं कहीं शीतलहर चलने की चेतावनी दी गई है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक उत्तर भारत में हुए हिमपात के बाद उत्तर से आ रही सर्दीली हवाओं ने ठंड का प्रभाव बढ़ा दिया है। जबकि पिछले 2 दिनों से पारा 9 से 10 डिग्री के बीच स्थिर बना रहा लेकिन शनिवार की रात पारा 7 डिग्री पर आ गया और पिछले दो दिनों से पारा 8 डिग्री पर बना हुआ है जबकि दिन के तापमान में आंशिक उछाल आई है। पिछले 24 घण्टों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 79 प्रतिशत और सायंकाल 45 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 6 बजकर 40 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 25 मिनिट पर हुआ। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री दर्ज किया गया था। प्रदेश में सबसे कम 4.2 डिग्री तापमान शहडोल जिले में दर्ज किया गया। उत्तरी पूर्वी हवायें 2 से 3 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घण्टों के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। जिले में कहीं कहीं शीतलहर चलने की चेतावनी दी गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240